THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 97 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.8 2083 बुधवार, 8 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

बुरहान की बरसी पर आतंक के आकाओं का जमावड़ा

कराची, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी रहे बुरहान वानी की 10वीं बरसी पर कराची में आतंकियों के बड़े-बड़े आकाओं की एक गुप्त बैठक हुई। यह बैठक 5 जुलाई को लश्कर-ए-ताइबा के राजनीतिक संगठन पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के मुख्यालय में हुई। बैठक में जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी गुटों से संबंधित 14 बड़े आतंकियों और आईएसआई से ताल्लुक रखने वालों ने शिरकत की। बैठक में बुरहान वानी की बरसी पर भारत विरोधी साजिश रची गई। इसमें कश्मीर घाटी के हिस्सों में बड़ी वारदातों को अंजाम देने के लिए युवाओं को हथियार पहुंचाने का टास्क सौंपा गया।

'भारत की नीति विस्तारवादी नहीं, विकासवादी'

पीएम मोदी ने इंडोनेशिया को याद दिलाए रामायण काल के रिश्ते

जकार्ता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी इंडोनेशिया के दौरे पर हैं। आज इंडोनेशिया की सरकार ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया। इसके बाद पीएम मोदी ने इंडोनेशिया की संसद को संबोधित किया और दोनों देशों की साझा संस्कृति और विरासत पर बात की। साथ ही भविष्य में दोनों देशों के सहयोग की संभावनाओं पर भी अपने विचार रखे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, आज सुबह मुझे इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान पाने का भी सम्मान पाने का मौका मिला। मैं इसके लिए कोटि-कोटि भारतीयों की तरफ से इंडोनेशिया को शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया में उनका जिस तरह से स्वागत किया, उसे वे कभी भूल नहीं सकते। यह दोनों देशों की लोकतांत्रिक विरासत, साझा संस्कृति और दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने कहा, आज भारत और इंडोनेशिया इतिहास के अहम मोड़ पर खड़े हैं। आने वाले 25 साल दोनों देशों के लिए अहम हैं। आज इंडोनेशिया की महान धरती से मैं आपके सामने दोनों देशों के साझा विकास का विश्वास लेकर आया हूं। मैं संकल्प लेकर आया हूं कि भारत और इंडोनेशिया पूरी दुनिया को नई ऊर्जा से भर देंगे। भारत, दुनिया का वो देश है, जो विस्तारवाद नहीं विकासवाद की नीति पर चलता है। इसलिए हम भारत में कहते हैं सबका साथ, सबका विकास। आज मैं यही मंत्र, यही भावना लेकर इंडोनेशिया के आप सभी सांसद सदस्यों के बीच आया हूं। दोनों देशों के बीच भले ही हजारों किलोमीटर की दूरी है, लेकिन दोनों देशों के बीच समुद्र में सिर्फ 150 किलोमीटर की ही दूरी है। भारत और इंडोनेशिया के बीच समुद्र दूरी का नहीं, बल्कि सेतु का प्रतीक है। ये हमारे साझा भविष्य का केंद्र है।

इंडिया, एशिया और हिंद महासागर हमारे आपसी जुड़ाव की गवाही देते हैं। हजारों वर्षों तक भारत और इंडोनेशिया के बीच जुड़ाव रहा है। मैं आपसे भारत-इंडोनेशिया के संबंधों को नई ऊंचाई देने की अपील करता हूं। इंडिया और इंडोनेशिया सिर्फ समुद्र ही साझा नहीं करते बल्कि हमारा इतिहास भी साझा करते हैं। हमारा संबंध रामायण-महाभारत काल से है। हमारा संबंध नालंदा के ज्ञान से है, हमारा संबंध संगीत और नृत्य से है। हम विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों के जरिए जुड़े हैं। हम बाली जात्रा के उत्सव और उसके उल्लास से जुड़े हैं और स्वाद से भी जुड़े हैं। पीएम मोदी ने कहा, कहा जाता है कि सदियों से पहले गुजरात से कुछ व्यापारी और सूफी संत समुद्र के रास्ते ही इंडोनेशिया आए थे। वे अपने साथ इस्लाम के विचार और इस्लाम के जीवन मूल्य भी लेकर आए। आज भी इंडोनेशिया की कला में उनकी छाप दिखाई देती है। इसलिए राष्ट्रपति सुकर्णो ने भी कहा था भारत और इंडोनेशिया के लोग रक्त और संस्कृति के संबंधों से जुड़े हैं। हम लोगों ने लंबे समय तक विदेशी शासन का सामना किया है। हम दोनों देश एक ही समय स्वतंत्र हुए। आजाद देश के तौर पर संप्रभुता की बात आती है तो भारत संयुक्त राष्ट्र में इंडोनेशिया की आजादी की लड़ाई की मजबूत आवाज बना। उस दौर में बीजू पटनायक ने जो भूमिका निभाई। उससे दोनों देश और करीब आए।

पीएम मोदी ने कहा, इसके अलावा हमें जो करीब लाता है वो है हमारा मजबूत लोकतंत्र और विविधता भरा लोकतंत्र है। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं और इंडोनेशिया तीसरा सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की तरह इंडोनेशिया में भी सैंकड़ों भाषाएं और परंपरा हैं। हम दोनों ने अपने लोकतंत्र में इस विविधता को अपनी एकता की नींव बना लिया है।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया

जकार्ता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही। इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) विकसित करने में भी मदद करेगा। इसके बाद पीएम ने इंडोनेशियाई संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यहां सर्वोच्च सम्मान मिलना सौभाग्य है।

'मैं आपकी कई योजनाओं को कॉपी करता हूं खुशी है इस पर कॉपीराइट नहीं'

जकार्ता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित राजकीय भोज के दौरान भारत की विकास यात्रा और मोदी सरकार की नीतियों की जमकर सराहना की। उनके बयान की समारोह में मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर स्वीकृति दी। राष्ट्रपति प्रबोवो ने कहा, मैंने आपके राजनीतिक सफर को फॉलो किया है और आपकी कई योजनाओं की नकल भी करता हूं। अगर वही योजनाएं करोड़ों लोगों के लिए सफल रही हैं, जिनकी चुनौतियां हमारी तरह हैं, तो उन्हें अपनाने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और इंडोनेशिया दोनों ही बड़ी आबादी, कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक आपदाओं जैसी समान चुनौतियों का सामना करते हैं, लेकिन इसके बावजूद भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

आगे थोड़ा मुस्कुराकर अपने अंदाज में बोले, मुझे खुशी है कि आपकी योजनाओं पर कोई कॉपीराइट नहीं है। इसलिए मैं आपकी कई योजनाओं की कॉपी करता हूं। (मुस्कुराकर) हम जो अच्छा है, उसे अपनाने में बिल्कुल संकोच नहीं करते। इस टिप्पणी पर पीएम मोदी संग वहां मौजूद अतिथि खिलखिलाकर हंस पड़े और हॉल तालियों से गूंज उठा।

प्रबोवो ने बताया कि हाल ही में इंडोनेशिया का एक प्रतिनिधिमंडल भारत में दो से तीन सप्ताह के अध्ययन दौरे पर आया था। इस दौरान उसने शुष्क भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने की भारतीय तकनीकों, विशेष रूप से परमाकल्चर के मॉडल का अध्ययन किया।

भारत और इंडोनेशिया के बीच 14 एमओयू पर बनी सहमति

जकार्ता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने वैश्विक और बहुपक्षीय हितों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

साथ ही, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच 14 समझौतों पर सहमति बनी। इसके अलावा छह घोषणाएं भी की गई हैं। भारत और इंडोनेशिया के बीच ये 14 एमओयू एक्सचेंज हुए: शांतिपूर्ण मकसदों के लिए आउटर स्पेस की खोज और इस्तेमाल में सहयोग पर फ्रेमवर्क समझौते का विस्तार, मेडिकल प्रोडक्ट्स रेगुलेशन के क्षेत्र में सहयोग पर सीडीएससीओ और बीपीओएम के बीच एमओयू, मिनरल्स और स्टील सप्लाई चेन की तकनीक के क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू, कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू, समुद्री रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर एमओयू का एक्सटेंशन और इम्प्लीमेंटेशन एग्रीमेंटनेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) और नेशनल एजेंसी फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट, इंडोनेशिया के बीच एमओयू, टेलीकम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी और सर्विसेज के क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू, रिसर्च, तकनीक और इनोवेशन सहयोग पर एमओयू, हेल्थ वर्कफोर्स सहयोग पर इम्प्लीमेंटेशन एग्रीमेंट, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और इंडोनेशिया के जनरल इलेक्शन कमीशन (केपीयू) के बीच एमओयू, ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम पर सहयोग, एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौता, इंडोनेशिया में स्टेनलेस-स्टील स्लैब मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी बनाने के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआईएल) और पं. क्राकाटाऊ स्टील के बीच स्ट्रेटेजिक

फ्रांसीसी राष्ट्रपति की सुरक्षा में बड़ी चूक

> होटल के बाहर हुए बम धमाके

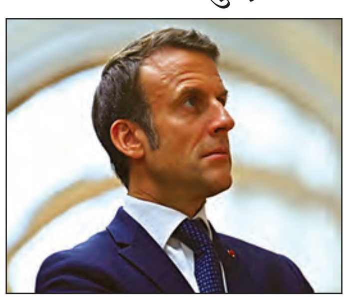

दमिश्क, 7 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सीरिया के ऐतिहासिक दौरे पर हैं। उनके दौरे के बीच ही सीरिया की राजधानी दमिश्क में जोरदार धमाके हुए हैं। सीरियाई सरकारी मीडिया के अनुसार, इस घटना में कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि इन धमाकों के पीछे कौन है? फ्रांसीसी राष्ट्रपति के दौरे के बीच दमिश्क में बम धमाकों से उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि मैक्रों के कार्यालय ने साफ कर दिया है कि मैक्रों सुरक्षित हैं और वे अपना सीरिया दौरा जारी रखेंगे।

दमिश्क में मैक्रों के होटल के बाहर हुए धमाके :

सीरिया की राजधानी दमिश्क में मंगलवार को दो जोरदार धमाकों से हड़कंप मच गया। यह घटना उस समय हुई, जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से एक अहम मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे हुए थे। राष्ट्रपति भवन में बैठक के दौरान दमिश्क में फोर सीजन्स होटल के पास धमाके हुए। धमाकों के बाद भी दोनों नेताओं की बैठक जारी रही।

सीरियाई मीडिया के मुताबिक, राष्ट्रपति मैक्रों दमिश्क प्रवास के दौरान फोर सीजन्स होटल में ही ठहरे हुए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय ने पुष्टि की कि मैक्रों पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनका सीरिया दौरा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि दमिश्क के मध्य क्षेत्र में हुए दोनों धमाके विस्फोटक उपकरणों से किए गए। धमाके के बाद घटनास्थल से धुएं का बड़ा गुबार उठता देखा गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो :

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक वाहन आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है, जबकि सड़क पर खून के धब्बे भी नजर आ रहे हैं। किसी भी संगठन ने अब तक धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी दमिश्क के जस्टिस पैलेस के पास स्थित एक कैफे में विस्फोट हुआ था। उस हमले में 10 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 20 अन्य घायल हो गए थे।

मैक्रों का सीरिया दौरा बेहद अहम :

मैक्रों के सीरिया दौरे की अहमयित इसी बात से लगाई जा सकती है कि सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के सत्ता में आने के बाद किसी बड़े यूरोपीय देश के मुखिया का यह पहला सीरिया दौरा हुआ है। उनका यह दौरा तुर्किए की राजधानी अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हो रहा है। मैक्रों ने यूरोप और अमेरिका से सीरिया पर लगे अधिकांश प्रतिबंध हटाने की पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

11 को उम्रकैद, 18 साल पहले 70 मिनट में 21 धमाके हुए थे

अहमदाबाद, 7 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। निचली अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

दोषियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। आज जस्टिस एवाई कोगजे और समीर दवे की बेंच ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया। कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपये और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए। धमाकों के बाद पुलिस ने अहमदाबाद की सभी ब्लास्ट साइट्स और सूरत में मिले बमों के मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कीं। बाद में करीब 35 मामलों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया। सभी मामलों को एक साथ जोड़ने के बाद 2009 में इस केस का ट्रायल शुरू हुआ।

जांच और अदालत की सुनवाई 12 साल तक चली। करीब 80 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला। कोरोना के समय भी सुनवाई बंद नहीं हुई। प्रॉसिक्यूशन ने जज एआर पटेल की अदालत में 1,100 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज कराए। कोर्ट में 6,000 से अधिक दस्तावेज पेश किए गए। मामले में 5,47 चार्जशीट के कुल 3,47,800 पन्ने दाखिल किए गए, जबकि सिर्फ मुख्य चार्जशीट ही 9,800 पन्नों की थी। जांच के दौरान पुलिस ने दावा किया कि धमाकों के पीछे आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) और प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (एसआईएमआई) से जुड़े लोगों का हाथ था।

चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय ने तोड़ी चुप्पी

एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट के बाद दूंगा हर आरोप का जवाब

अयोध्या, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर के दानपात्र से चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। ट्रस्ट की बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को उन्होंने रामभक्तों के नाम एक पत्र जारी कर अपनी बात रखी। अपने पत्र में चंपत राय ने कहा कि 7 जून 2026 को राम मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के दौरान हुई चोरी की घटना के बाद तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं और उन पर व्यक्तिगत रूप से अनेक निराधार आरोप लगाए गए हैं। इसी कारण उन्होंने अब तक मौन धारण किया था।

उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जो अब सार्वजनिक हो चुकी है। हालांकि यह रिपोर्ट "परम गोपनीय" थी। उन्होंने रामभक्तों को आश्वस्त करते हुए कहा कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोपों और उठाए गए हर बिंदु पर क्रमवार जवाब देंगे। उनका दावा है कि अंतिम रिपोर्ट के बाद पूरा सच सामने आ जाएगा। पत्र में चंपत राय ने अपने सार्वजनिक जीवन का भी उल्लेख किया। उन्होंने लिखा कि अक्टूबर 1991 में उन्हें संगठन द्वारा अयोध्या भेजा गया था और उनका प्रचारक जीवन 45 वर्षों का रहा है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां उन्होंने कार्य किया, उनका जीवन एक खुली पुस्तक की तरह रहा है। अंत में उन्होंने सभी को आदरपूर्वक नमन किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर रामनगरी के संतों ने मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की। संतों ने कहा कि जो भी निर्णय हुआ, वह परिस्थितियों के अनुरूप उचित है। साथ ही उन्होंने चंपत राय को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए कहा कि उनका इस्तीफा नैतिकता के आधार पर दिया गया कदम है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। संतों ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में जो नई व्यवस्था की जा रही है, उसका भी स्वागत है। हालांकि उन्होंने मांग उठाई कि मंदिर की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र निगरानी समिति का गठन किया जाए, जिसमें अयोध्या के वरिष्ठ संतों को प्रमुखता से शामिल किया जाए।

नीट यूजी एग्जाम 2027 से 5-6 दिन में होगी परीक्षा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले के बाद इस परीक्षा में रिफॉर्म करने में जुटी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अगले साल यानी 2027 में होने वाली नीट यूजी परीक्षा को लेकर कुछ बड़े बदलाव किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 में होने वाली नीट यूजी परीक्षा 5-6 दिन में आयोजित होगी। साथ ही एनटीए एग्जाम सेंटर्स में भी कमी करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नीट यूजी 2027 एग्जाम पहली बार कंप्यूटर-बेस्ड टेस्ट आधारित होगा जो कि 500 शहरों में करीब 1000 सेंटर्स पर होगा। अभी तक यह परीक्षा 1 ही दिन लगभग 5 हजार सेंटर्स पर आयोजित होती थी। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि एनटीए 2027 से नीट यूजी परीक्षा को 5-6 दिन में आयोजित कराएगी और जिन सेंटर्स पर यह परीक्षा होगी उनमें मुख्य रूप से केंद्रीय विद्यालय जैसे सरकारी इंस्टीट्यूशन्स शामिल होंगे।

यूपी गवर्नर बोलीं-लड़कियां पढ़ाई के दौरान प्रेग्नेंट हो जाती हैं

जिम्मेदारी सरकार पर आती है, प्रेम कीजिए लेकिन शादी आत्मनिर्भर होने के बाद

लखनऊ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को कहा- पढ़ाई के दौरान लड़कियां प्रेग्नेंट हो जाती हैं। कइयों को बच्चा भी हो जाता है। उस बच्चे की जिम्मेदारी जानते हैं किस पर जाती है? सरकार पर जाती है। ऐसा पराक्रम आप लोग मत करिए। दूर रहिए इन पराक्रमों से।

राज्यपाल लखनऊ स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के 24वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति के तौर पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा- मैं लव मैरिज के खिलाफ नहीं हूं, आप करिए लव मैरिज। आपको उनसे प्रेम है, उनको आपसे प्रेम है तो शादी करिए। लेकिन, शादी तभी करिए जब आत्मनिर्भर हो जाइए। मेरा बेटा बेंगलुरू पढ़ने गया। मैंने उससे कह दिया था कि अगर कोई लड़की पसंद आए तो बता देना, शादी करा देंगे। उसे कोई पसंद ही नहीं आई। राज्यपाल ने 62537 स्टूडेंट्स को डिग्री और 53 रिसर्चर को पीएचडी की उपाधि दी गई। कुलाधिपति ने सबकी डिग्री डिजिलॉकर पर अपलोड की।

बिना खिड़की के हॉस्टल, टंकी में बंदर नहाते हैं :

गर्ल्स हॉस्टल में भी कमी दिखी। अंदर कोई खिड़की नहीं। बुक्स रखने के लिए कोई जगह नहीं थी। जब खोला तो अंदर से चूहा निकला। तीसरी मंजिल में टंकी रहती है, जिस पर कोई ढक्कन नहीं है। बंदर उसमें नहाते हैं। एक क्लासरूम देखने गई तो ब्लैकबोर्ड की ऊंचाई देखी। उसे बच्चे नहीं पहुंच पाते हैं। मेस में देखते रहिए कि मसाला कौन-सा आता है? एक्सपायरी डेट वाला तो नहीं आता? नॉनवेज वाला तो नहीं आता? कंडीशन यहां तक कि छत पर एक-एक फुट के पौधे जम गए। मैंने अपने पीएसओ से कहा कि इनको उखाड़ो। क्लासरूम की डिजाइन में एनईपी में 60 स्टूडेंट्स से ज्यादा नहीं रहना है। हॉस्टल के टॉप फ्लोर में जो पंखा लगा, उसमें सिर लड़ रहा है। लगाने वाले को नहीं दिखा, पर आप लोगों को देखना चाहिए। यूनिवर्सिटी में जब जाती हूं, आंगनबाड़ी में जाती हूं तो बहुत निराशा होती है। कमरे में स्विच बोर्ड गलत जगह होते हैं।

कांग्रेस ने भाजपा-आरएसएस पर 'चोरी पर पर्दा डालने' का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर में चंदे को लेकर उपजे विवाद बीच कांग्रेस पार्टी ने भाजपा और आरएसएस पर चोरी पर पर्दा डालने का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- अयोध्या के भगवान श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी करोड़ों देशवासियों की आस्था के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है।

देशवासियों का मानना है कि इस्तीफों और सीमित कार्रवाई के जरिए पूरे मामले की लीपापोती कर असली गुनाहगारों और बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' को तत्काल भंग किया जाए और शंकराचार्यों, धर्माचार्यों, संतों व धार्मिक प्रतिनिधियों को शामिल कर नया ट्रस्ट गठित किया जाए।

एक मछुआरा बचा, छह अब भी लापता

> नौसेना और कोस्ट गार्ड का सर्च ऑपरेशन जारी

विशाखापट्टनम, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम तट के पास समुद्र में बड़ा बचाव अभियान जारी है। भारतीय नौसेना ने समुद्र में फंसे एक मछुआरे को हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित बचाकर तट तक पहुंचा दिया है, लेकिन उसके साथ गए छह अन्य मछुआरे अब भी लापता हैं। भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) लगातार तीसरे दिन उनकी तलाश में जुटे हैं। खराब मौसम, तेज हवाओं और ऊंची लहरों के बावजूद समुद्र में बड़े स्तर पर खोज अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान दिखाता है कि संकट की घड़ी में भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड मानव जीवन बचाने के लिए किस तरह लगातार काम करते हैं।

यह हादसा उस समय हुआ जब विशाखापट्टनम और विजयनगरम जिले के सात मछुआरे 1 जुलाई को मछली पकड़ने के लिए विशाखापट्टनम फिशिंग हार्बर से समुद्र में निकले थे। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने से समुद्र का मौसम अचानक खराब हो गया। परिवारों ने उन्हें मोबाइल फोन पर वापस लौटने के लिए कहा था। मछुआरों ने 4 जुलाई की दोपहर तक लौटने की बात कही थी, लेकिन इसके बाद उनका संपर्क टूट गया और मोबाइल फोन भी बंद हो गए। इसके बाद परिजनों ने कोस्ट गार्ड और मरीन पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद बड़े स्तर पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया।

क्या अब भी छह मछुआरों की तलाश जारी है :

भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड लगातार तीसरे दिन भी छह लापता मछुआरों की तलाश कर रहे हैं। कोस्ट गार्ड के दो जहाज और दो हेलीकॉप्टर समुद्र में खोज अभियान चला रहे हैं। बचाए गए मछुआरे से मिली जानकारी के आधार पर गंगावरम के आसपास के समुद्री क्षेत्र में तलाश तेज कर दी गई है। हालांकि तेज हवाएं और समुद्र की ऊंची लहरें अभियान में बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। इसके बावजूद राहत दल लगातार समुद्र में खोज कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी अभियान की लगातार निगरानी कर रहे हैं और अधिकारियों को खोज का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। लापता नाव के मालिक कारी चिन्ना को 6 जुलाई को पनामा के झंडे वाले व्यापारी जहाज एमवी यूनिवर्स वेल्दी ने समुद्र से बचाया था। इसके बाद नागरिक प्रशासन के अनुरोध पर भारतीय नौसेना ने हेलीकॉप्टर के जरिए उन्हें जहाज से एयरलिफ्ट किया।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, मौसम हुआ सुहावना

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश, मौसम हुआ सुहावना

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर में मंगलवार को कई इलाकों में झमाझम बारिश देखने को मिली। पिछले गई दिनों से लोगों को उमर भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। मंगलवार को दोपहर में बारिश से मौसम पूरी तरह से बदल गया। नोएडा, गाजियाबाद समेत दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश ने मौसम सुहावना कर दिया। दिल्ली में मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था।

मौसम विभाग ने दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई थी। इस पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर के लोनी देहात, हिंडन एएफ स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा, दादरी, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और बल्लभगढ़ जैसे इलाकों में भी बारिश की उम्मीद थी।

मंगलवार दोपहर हुई झमाझम बारिश से नोएडा में लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। सुबह जहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वहीं बारिश के बाद तापमान गिरकर करीब 34 डिग्री सेल्सियस रह गया। मौसम में अचानक आए बदलाव से वातावरण सुहावना हो गया और कई इलाकों में लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग के अनुसार, 12 जुलाई तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

डोडा में बादल फटा, मलबे में गाड़ियां दबीं:मुंबई में 15 इंच बारिश

जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से मलबा रिहायशी इलाकों में घुस गया। सड़कों पर कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। IMD ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई के सभी सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। नासिक में भी आज सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। त्र्यंबकेश्वर मंदिर और महाराष्ट्र के साढ़े तीन शक्तिपीठों में शामिल सप्तश्रृंगी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए आज बंद रहेंगे।

वायनाड में लैंडस्लाइड, दो की मौत, कई दबे

केरलम के वायनाड में बारिश के बीच लैंडस्लाइड हो गई। हादसे में दो की मौत हो गई, 8 लोग घायल हुए हैं। कई लोगों के फंसे होने की सूचना है। हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ।यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए।

गोल्डन टेंपल में निक्कर पहने विदेशी कपल को रोका

पूछा- कितने का टिकट; सिख बोला- एंट्री फ्री पहले पूरे कपड़े पहनकर आओ

शॉर्ट्स पहनने पर विदेशी कपल को रोक गया।

अमृतसर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में निक्कर पहन कर माथा टेकने जा रहे विदेशी कपल को सिख ने रोक दिया। महिला और युवक दोनों ने निक्कर पहनी हुई थी। सिख ने उन्हें गेट पर रोका और नियमों के बारे में बताया। सिख ने बताया कि निक्कर पहनकर अंदर जाना मना है।

इस दौरान विदेशी महिला ने टिकट के बारे में भी पूछा, जिस पर उसे बताया गया कि यहां एंट्री पूरी तरह फ्री है। दोनों को पूरे कपड़े पहनकर आने की सलाह दी। नियम समझने के बाद विदेशी महिला ने सहमति जताई। ये वीडियो 4 जुलाई का है। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

गुरुघर की मर्यादा से अवगत कराने के लिए सूचना बोर्ड लगाया गया है। इन पर स्पष्ट लिखा है कि कैप, शॉर्ट पैंट (निक्कर), कैप्री, मोजे और मिनी स्कर्ट पहनकर प्रवेश की अनुमति नहीं है। श्रद्धालुओं से सिर ढकने और पूरे कपड़े पहनकर ही गुरुद्वारा साहिब में प्रवेश करने की अपील की गई है।

वीडियो में दिख रहा कि एक विदेशी महिला और उसके साथ मौजूद युवक गोल्डन टेंपल में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक सिख ने उन्हें बताया कि गुरुद्वारा साहिब के अंदर निक्कर या हाफ पैंट पहनकर जाना मना है। उन्होंने समझाया कि दर्शन करने के लिए पूरे कपड़े या पजामा पहनना जरूरी है। बातचीत के दौरान विदेशी महिला ने पूछा कि क्या अंदर जाने के लिए किसी प्रकार का टिकट लेना पड़ता है। इस पर स्पष्ट किया कि गोल्डन टेंपल में प्रवेश पूरी तरह फ्री है और केवल गुरुघर की मर्यादा के अनुसार कपड़े पहनना जरूरी है।

इसके बाद महिला ने अपने साथी की ओर इशारा करते हुए पूछा कि क्या उन पर भी यही नियम लागू होता है। सिख ने बताया कि यह नियम सभी श्रद्धालुओं और टूरिस्टों पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वे किसी भी देश या धर्म से संबंध रखते हों। सिख ने दोनों को पास के बाजार से पायजामा या पूरे कपड़े खरीदने की सलाह भी दी।

सीजेपी को हाईकोर्ट से राहत X हैंडल पर बैन हटेगा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर शुरू हुई मुहिम 'कॉकरोच जनता पार्टी' के एक्स हैंडल को बहाल करने का आदेश दिया है। मंगलवार को पारित अपने फैसले में कोर्ट ने केंद्र सरकार के अकाउंट ब्लॉक करने के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्र के अवरोधक आदेश के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके द्वारा दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया।

सुनवाई के दौरान, सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा नीट के दोबारा आयोजन से पहले 'अराजकता' से बचने के लिए यह अकाउंट ब्लॉक किया गया था। सरकार का तर्क था कि ऐसे अकाउंट से गलत सूचना फैल सकती है, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ सकती है।

उच्च न्यायालय ने सरकार के तर्क को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि नीट को लेकर केंद्र की चिंता अब प्रासंगिक नहीं है। इसका मतलब है कि परीक्षा से संबंधित संभावित गड़बड़ी का खतरा अब समाप्त हो गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध तभी लगाया जा सकता है, जब कोई ठोस और तात्कालिक खतरा हो। इस मामले में ऐसा कोई खतरा मौजूद नहीं था।

यह फैसला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को मजबूत करता है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को नागरिकों के ऑनलाइन विचारों को दबाने के लिए अत्यधिक शक्ति का उपयोग नहीं करना चाहिए। 'कॉकरोच जनता पार्टी' एक व्यंग्यात्मक मुहिम है, जो अक्सर राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर टिप्पणी करती है। अदालत का यह आदेश दर्शाता है कि व्यंग्य और आलोचना को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में माना जाना चाहिए।

पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा

पत्नी नर्स, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था; छत से धक्का भी दिया था, लेकिन बच गया

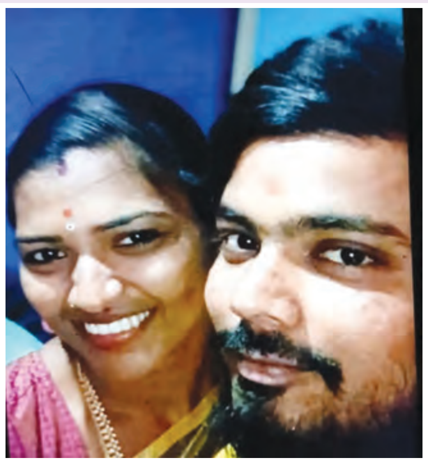
पति प्रशांत के साथ संध्या

निजामाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है।

पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें झगड़े होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले खूब शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि, गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में खुद गिर गए थे। जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का आरोप है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया। प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर संदेह हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। असली राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम हुआ। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है। पुलिस ने संध्या, अनिल और वेंकट साई को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

बंगाल गैंगरेप मर्डर- मुख्य आरोपी समेत 3 गिरफ्तार

बारूईपुर में जिंदा बच्ची तालाब में फेंकी थी

कोलकाता, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल पुलिस ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आनंद सरदार के तौर पर हुई है। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर उसे शहर के बाजार इलाके से पकड़ा।

इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या तीन हो गई है। मामले की जांच के लिए 6 लोगों की SIT बनाई गई है। मासूम 4 जुलाई को लापता हुई थी। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि मासूम सहेली के लिए गिफ्ट खरीदने निकली थी।

जब बच्ची घर नहीं लौटी तो परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। बाद में रविवार को उसकी लाश सूर्यपुर हाट इलाके के तालाब में मिली थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे।

पोस्टमॉर्टम में भी इस बात का खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने रेप के बाद उसे जिंदा ही तालाब में फेंका था। उसके फेफड़ो और पेट में पानी मिला। डूबने और ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई। इससे पहले रविवार को लड़की का शव मिलने के तुरंत बाद, भीड़ ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी, जिस पर लड़की के रेप और मर्डर में शामिल होने का शक था। इसकी पहचान इंद्रजीत तांती के रूप में हुई थी। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की, जिसमें लड़की को चार लोग ले जाते हुए दिखाई दिए हैं। पुलिस इन चारों की पहचान पुख्ता करने में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में लड़की के प्राइवेट पार्ट्स पर चोट के निशान और शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर खरोंच और काटने के निशान मिले हैं। लड़की के सिर पर या तो किसी भारी चीज से वार किया गया था या उसे किसी सख्त सतह पर पटका गया था।

चन्नी गुट का दावा- बघेल ने हाईकमान को गुमराह किया

सही रिपोर्ट नहीं दी, मीटिंग का बायकॉट किया; पंजाब प्रभारी बोले- 2 दिन दो, सब बता दूंगा

लुधियाना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस में चुनाव से 8 महीने मचे घमासान के बीच पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी के गुट ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने हाईकमान को गुमराह किया। उन्होंने पंजाब की सही स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दी। इसी वजह से केंद्रीय नेतृत्व ने राजा वड़िंग की प्रधानगी बरकरार रखी। बघेल का बायकॉट करने के पीछे की भी यही वजह सामने आई है। चन्नी गुट से जुड़े एक नेता ने कहा कि उनसे हमें किसी तरह की उम्मीद नहीं तो फिर मुलाकात करने का कोई फायदा नहीं है। वहीं बघेल ने कहा कि मुझे 2 दिन काम करने दें, सब बता दूंगा। बघेल ने कहा कि मुझे कोई भी चाय के लिए बुलाएंगे तो मैं उनके घर भी चला जाउंगा।

भूपेश बघेल ने आज चंडीगढ़ में 2 मीटिंग बुलाई हैं। पहली मीटिंग कार्यकारी प्रधानों व पदाधिकारियों के साथ है। चन्नी गुट ने इसका बायकॉट किया है। दूसरी मीटिंग जिला प्रधानों के साथ है। जो सभी वड़िंग के समर्थक हैं। इसके बाद बघेल बड़े नेताओं से भी वन टु वन मीटिंग करेंगे। बघेल कल (6 जुलाई) को चंडीगढ़ पहुंचे थे, वह 5 दिन यहां रहेंगे।

इसी बीच पूर्व सीएम चन्नी व जालंधर सांसद मौजूदा प्रधान राजा वड़िंग की बयानबाजियों का डोजियर लेकर दिल्ली में डटे हुए हैं। वहां वे सांसद सुखजिंदर रंधावा, प्रगट सिंह समेत अन्य नेताओं के साथ कांग्रेस हाईकमान से मिलेंगे। राहुल गांधी आज विदेश से लौट रहे हैं। चन्नी को अब तक एक सांसद और 6 एमएलए का समर्थन मिल चुका है। वहीं राजा वड़िंग ने भी तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर चन्नी की मीटिंग को वह यूनिटी ऑफ स्ट्रेंथ (एकता की ताकत) बता रहे और उनके समर्थकों पर एक्शन भी शुरू कर दिया है।

पंजाब कांग्रेस अनुशासनिक कमेटी के चेयरमैन व जालंधर नॉर्थ से एमएलए बावा हैनरी ने पूर्व एमएलए मदनलाल जलालपुर को नोटिस निकालकर 3 दिन में जवाबतलबी कर ली है।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग पूरी तरह पिघला

6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

अमरनाथ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। अभी यात्रा के पांच दिन ही बीते हैं। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। यात्रा के पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पांचवें दिन यह संख्या 1 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यानी कि अभी 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है। 23 मई को BSF के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है।

इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है।

भगदड़ पीड़ितों से सीएम विजय की मुलाकात

अदालत ने डीएमके को सवाल उठाने पर फटकारा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को डीएमके को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों से निर्धारित मुलाकात पर सवाल उठाने के लिए फटकार लगाई। अदालत ने डीएमके की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राज्य के मंत्री मामले में गवाहों को प्रभावित कर रहे हैं। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की खंडपीठ ने डीएमके से पूछा कि अदालत कार्यपालिका प्रमुख के दौरे को कैसे विनियमित कर सकती है। पीठ ने डीएमके के वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार से पूछा कि भगदड़ पीड़ितों से मिलना गवाहों को प्रभावित करने जैसा कैसे है।

मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को भगदड़ पीड़ितों के परिवारों से मिलने वाले हैं। अदालत ने कुमार से कहा कि डीएमके अपनी याचिका वापस ले सकती है और कानून के तहत कोई अन्य उपाय अपना सकती है, अन्यथा अदालत इसे खारिज कर देगी। कुमार ने किसी अन्य मंच पर जाने की स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस लेने पर सहमति व्यक्त की। शीर्ष अदालत ने याचिका को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में किसने दायर की थी याचिका?

डीएमके सचिव आर एस भारती ने यह याचिका दायर की थी। इसमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, राज्य मंत्री आधाव अर्जुन और अन्य आरोपियों को मामले पर सार्वजनिक बयान देने से रोकने की मांग की गई थी। साथ ही, सीबीआई जांच लंबित रहने के दौरान पीड़ितों के परिवारों के साथ उनकी बातचीत को विनियमित करने की भी मांग की गई थी। याचिका में उन रिपोर्टों का उल्लेख किया गया था कि मुख्यमंत्री करूर का दौरा कर मृतक और घायल पीड़ितों के परिवारों को सरकारी आदेश, अनुकंपा नियुक्तियां और अन्य लाभ वितरित करने वाले हैं। भारती ने एक लंबित मामले में हस्तक्षेप की अपील की थी। उन्होंने कोर्ट से कहा, 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद मामले में शुरू में आरोपपत्रित कई लोग अब तमिलनाडु मंत्रिमंडल में मंत्री हैं। पिछले साल 13 अक्तूबर को शीर्ष अदालत ने भगदड़ की सीबीआई जांच का आदेश दिया था, जिसमें 41 लोग मारे गए थे। अदालत ने कहा था कि इस घटना ने राष्ट्रीय अंतरात्मा को झकझोर दिया था और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता थी।

एक्टिवा के लिए खरीदा 8.52 लाख का वीआईपी नंबर

इसमें 8 एक्टिवा आ सकती हैं; ई-ऑक्शन में 25 लाख के बिके 9 नंबर

जालंधर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर में फैंसी नंबरों का क्रेज किसी से छिपा नहीं है। रीजनल परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की ओर से आयोजित ऑनलाइन ई-ऑक्शन में इस बार PB 08 GA सीरीज के 0001 नंबर के लिए सबसे अधिक 8 लाख 52 हजार 500 रुपए की बोली लगी। यह नंबर किसी लग्जरी कार नहीं, बल्कि एक्टिवा के लिए खरीदा गया है। अभी एक्टिवा का ऑन रोड प्राइस करीब 1.10 लाख रुपए है। यानी बोली लगी रकम से करीब 8 एक्टिवा खरीदी जा सकती थीं। वहीं, ई-ऑक्शन में 0007 नंबर 3 लाख 11 हजार रुपए, 0005 नंबर 2 लाख 83 हजार रुपए, 0008 नंबर 2.50 लाख रुपए, जबकि 0002, 0003, 0006 और 0009 नंबर 2-2 लाख रुपए में बिके।

पिछले महीनों से लगातार 000 सीरीज के नंबर लाखों रुपए में बिक रहे हैं। हालांकि ऑक्शन में 8 लाख रुपए से ज्यादा कीमत में भी नंबर बिके हैं, लेकिन पिछले महीनों के मुकाबले यह ऑक्शन सबसे बेहतर रहा। इससे पहले PB 08 FZ सीरीज का 0001 नंबर 8 लाख 61 हजार रुपए में नीलाम हुआ था।

मौजूदा सीरीज का 0001 नंबर उससे महज 8,500 रुपए कम कीमत पर बिका। आरटीओ अधिकारियों के अनुसार, इच्छुक वाहन मालिक पोर्टल पर बोली लगाते हैं। सबसे अधिक बोली लगाने वाले को संबंधित नंबर आवंटित किया जाता है।

मुंबई में देह व्यापार रैकेट पर मकोका, 9 गिरफ्तार

ड्राइविंग लाइसेंस पर फडणवीस सरकार का अहम फैसला

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस ने कल्याण रेलवे स्टेशन के पास देह व्यापार रैकेट चलाने के आरोप में सात महिलाओं और दो पुरुषों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लगाया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (कल्याण) अशोक होनमाने ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता में बताया कि जांच में पाया गया कि आरोपियों ने एक संगठित अपराध सिंडिकेट बनाया था। वे वित्तीय लाभ के लिए महिलाओं का व्यवस्थित रूप से शोषण कर रहे थे। पुलिस ने 20 महिलाओं को पैसे का लालच देकर देह व्यापार में धकेलने की साजिश रचने के आरोप में नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस साल 21 फरवरी को महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन, कल्याण में भारतीय न्याय संहिता और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया था।

इस बार यूरोप नहीं, एशिया बना भारतीयों की पसंद

थाईलैंड-वियतनाम-जापान की बुकिंग तेज, यूरोप की महंगी फ्लाइट्स से बदला ट्रैवल ट्रेंड

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इस बार गर्मियों की छुट्टियों में भारतीय पर्यटक यूरोप के बजाय एशियाई देशों की सैर करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण यूरोप जाने वाली उड़ानों का महंगा किराया, गर्मी और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण उड़ानों के रास्ते को लेकर चिंता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 8 जुलाई, 2026 3
मेरा हैदराबाद

सुविचार: अल्पबुद्धि व्यक्ति थोड़ा-सा ज्ञान प्राप्त कर लेने पर ही स्वयं को महान विद्वान समझने लगता है

राजस्व और पंजीकरण कार्यालयों के लिए 360 करोड़ रुपये मंजूर किए : पोंगुलेटी

> मंत्री ने परियोजनाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना में तहसीलदार, आरडीओ और सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों के लिए स्थायी भवनों के निर्माण हेतु 360 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृतियां प्रदान कर दी गई हैं। मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राज्य में राजस्व प्रशासन को बेहतर बनाना और जनता को आधुनिक, सम्मानजनक सेवाएं प्रदान करना है।

मंगलवार को निर्माण परियोजनाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने खुलासा किया कि पहले चरण में 263 करोड़ रुपये के आवंटन से नए भवनों का निर्माण किया जाएगा। ये भवन किराए पर चल रहे 107 जर्जर तहसीलदार कार्यालयों और 10 आरडीओ कार्यालयों का स्थान लेंगे। इसके अलावा, 97 करोड़ रुपये 48 उप-पंजीयक कार्यालयों की स्थापना के लिए आवंटित किए गए हैं। साथ ही, आदिलाबाद, खम्मम और महबूबनगर जिलों में जिला रजिस्ट्रार कार्यालय और निजामाबाद और वारंगल जिलों में डीआईजी कार्यालय भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन निर्माण परियोजनाओं के लिए 360 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृतियां दी जा चुकी हैं। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि ये सभी भवन मानकीकृत डिजाइन के अनुरूप होंगे और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होंगे, जिनका उद्देश्य जनता को कुशल और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है। निर्माण का दायित्व तेलंगाना हाउसिंग कॉर्पोरेशन को सौंपा गया है। उन्होंने आगे बताया कि आउटर रिंग रोड की सीमा के भीतर स्थित 39 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों को एकीकृत सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों के विकास को सुव्यवस्थित करने के लिए 13 समूहों में पुनर्गठित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को निजी निर्माण कंपनियों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है, जिससे सरकार पर कोई अतिरिक्त लागत नहीं आएगी। मंत्री जी ने यह भी बताया कि निर्माण कंपनियां पांच साल तक रखरखाव का काम संभालेंगी और उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चार स्थलों पर आधारशिला रखी जा चुकी है और निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कल्याणकारी और पोषण योजनाओं से बनेगा स्वस्थ तेलंगाना : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना को एक विकसित और स्वस्थ राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार विभिन्न कल्याणकारी और पोषण योजनाओं को लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों और महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हैदराबाद में मंगलवार को नए बालामृतम प्लांट का उद्घाटन करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गर्भवती महिलाओं की सहायता के उद्देश्य से महबूबनगर जिले में बालामृतम प्लांट की पहल शुरू की थी।

रिपोर्ट दर्ज कराने वाली महिला ही निकली हत्यारोपी

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मियापुर क्षेत्र में पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने वाली एक महिला को करीब सात महीने बाद उसी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने बताया कि नवंबर 2025 में मियापुर थाने में 45 वर्षीय वेंकटेश के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान पुलिस को मिले तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों ने मामले को नया मोड़ दे दिया।

जांच अधिकारियों ने महिला के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की, जिसमें उसके और उसके कथित प्रेमी की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। इसके बाद पुलिस को पता चला कि दोनों ने मिलकर वेंकटेश की हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद दोनों आरोपी शव को महाराष्ट्र सीमा तक ले गए और पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसे वहां दफना दिया। मियापुर पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस की मदद से शव को कब्र से बाहर निकलवाया, जिसकी पहचान वेंकटेश के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान महिला ने कथित तौर पर अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसका पति उसके प्रेम संबंध में बाधा बन रहा था।

भाजपा ने एसआईआर में 'अनियमितताओं' का मुद्दा उठाया

> तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को एक ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में अनियमितताओं का आरोप लगाया है और एक पारदर्शी और निष्पक्ष सत्यापन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सुधारात्मक उपायों की मांग की है।

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव के नेतृत्व में, भाजपा चुनाव आयोग समिति के अध्यक्ष मर्री शशिधर रेड्डी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दावा किया कि हैदराबाद के पुराने शहर के कुछ हिस्सों में बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) अनिवार्य घर-घर सत्यापन करने के बजाय एआईएमआईएम नेताओं द्वारा आयोजित शिविरों के माध्यम से कथित तौर पर जनगणना प्रपत्र वितरित कर रहे थे। इसके अलावा, वे एआईएमआईएम नेताओं को भी बड़े हुए जनगणना प्रपत्र अपलोड करने के लिए ईसीआई ऐप तक पहुंच प्रदान कर रहे हैं। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि जीएचएमसी, साइबराबाद, मलकाजगिरि, वारंगल और करीमनगर नगर निगम क्षेत्रों में कई मतदाताओं को घर-घर जाकर सत्यापन में हुई चूक के कारण जनगणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं। भाजपा ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी से आग्रह किया कि वे अनिवार्य घर-घर जाकर सर्वेक्षण सुनिश्चित करें और उन घरों में दोबारा जाएं जहां मतदाता उपलब्ध नहीं हैं। पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि जनगणना अधिकारी सभी घरों में जाएं और जनगणना प्रपत्र वितरित करें और उनसे प्राप्त करें। पार्टी ने तेलंगाना भर में जनगणना प्रपत्रों के अंग्रेजी संस्करण की मांग की, जिसमें अन्य राज्यों से आए प्रवासियों द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों का हवाला दिया गया, जो तेलुगु नहीं पढ़ सकते। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) मतदाता नामांकन और स्थानांतरण के लिए वैधानिक प्रपत्रों को स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं, जबकि अन्य जनगणना प्रपत्रों को अपलोड करने में तकनीकी समस्याओं का हवाला दे रहे हैं। भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त से कथित अनियमितताओं की जांच करने, चुनाव अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि एसआईआर प्रक्रिया चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित हो।

रिकॉर्ड खोजने में मतदाताओं को हो रही परेशानी

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत जनगणना प्रपत्र भर रहे अनेक मतदाताओं को अपने विवरणों का वर्ष 2002 की मतदाता सूची से मिलान करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नामों की वर्तनी में अंतर, केवल तेलुगु भाषा में उपलब्ध रिकॉर्ड और मतदान केंद्रों की जानकारी खोजने में आ रही दिक्कतें प्रमुख समस्याएं बनकर सामने आई हैं। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने एसआईआर-2002 की मतदाता सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट और ईसीआईनेट ऐप पर उपलब्ध कराई है। आयोग ने मतदाताओं से अपने पुराने रिकॉर्ड को वर्तमान मतदाता सूची से जोड़ने को कहा है। जो लोग वर्ष 2002 में मतदाता नहीं थे, उन्हें अपने माता-पिता या अभिभावकों के मतदाता रिकॉर्ड से अपने विवरण का मिलान करना होगा।

मतदाताओं के अनुसार, हैदराबाद जिले को छोड़कर अधिकांश जिलों में वर्ष 2002 की मतदाता सूची केवल तेलुगु भाषा में उपलब्ध है। ऐसे में जिन लोगों को तेलुगु टाइपिंग नहीं आती, उन्हें अपने नामों का अंग्रेजी से तेलुगु में अनुवाद करने के लिए विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे रिकॉर्ड खोजने में काफी समय लग रहा है। वहीं, हैदराबाद जिले में मतदाताओं के नाम अंग्रेजी में उपलब्ध हैं, लेकिन तेलुगु से अंग्रेजी में अनुवाद के दौरान कई नामों की वर्तनी बदल जाने के कारण भी लोगों को अपने रिकॉर्ड खोजने में परेशानी हो रही है। एक मतदाता श्रीकांत ने बताया कि अलग-अलग वर्तनी से कई बार खोज करने के बाद ही वह अपने माता-पिता का रिकॉर्ड ढूंढ पाए। मतदाताओं ने यह भी बताया कि वर्ष 2002 की सूची में संबंधित मतदान केंद्र और क्रम संख्या (सीरियल नंबर) का पता लगाना भी काफी चुनौतीपूर्ण है।

कई लोगों का कहना है कि अपने या अपने अभिभावकों के पुराने मतदाता रिकॉर्ड ढूंढने में उन्हें कई दिनों तक प्रयास करना पड़ा। इससे विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं की परेशानियां बढ़ गई हैं।

संगारेड्डी पुलिस ने गांजा और अल्प्राजोलम किया नष्ट

संगारेड्डी, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी पुलिस ने जिले में विभिन्न मामलों में जब्त किए गए भारी मात्रा में गांजा और अल्प्राजोलम को मंगलवार को नष्ट कर दिया। पुलिस ने पशामिलाराम औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक औद्योगिक भस्मक में करीब 1485.75 किलोग्राम सूखा गांजा और 5 किलोग्राम अल्प्राजोलम को जलाकर नष्ट किया।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई जिला औषधि निपटान समिति की निगरानी में की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। एसपी ने बताया कि जिले के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज मामलों के दौरान जब्त किए गए मादक पदार्थों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोग अवैध तरीके से अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए इस धंधे में लगे हुए हैं।

सीएम से सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना को छोड़ने का आग्रह

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात शिक्षाविदों, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, अकादमिक जगत के लोगों और नागरिक समाज के नेताओं ने तेलंगाना सरकार से राज्य में सरकारी स्कूलों की संख्या 27,000 से घटाकर 4,000 करने के कथित प्रस्ताव को वापस लेने का आग्रह किया है। यह प्रस्ताव मूल रूप से मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 6 जून को बेंगलुरू में हुई एक चर्चा के दौरान रखा था। मंगलवार को मुख्यमंत्री को सौंपे गए एक खुले पत्र में, हस्ताक्षरकर्ताओं में पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. चंद्र कुमार और न्यायमूर्ति राधा रानी के साथ-साथ प्रोफेसर जी हरगोपाल, एम कोडंडाराम, के नागेश्वर, एमएलसी देशपति श्रीनिवास, गोरेती वेंकन्ना और कई अन्य लोग शामिल थे, जिन्होंने चेतावनी दी कि लगभग 23,000 स्कूलों को बंद करने से गंभीर शैक्षिक और सामाजिक परिणाम होंगे। हस्ताक्षरकर्ताओं ने तर्क दिया कि इस कदम से शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की संवैधानिक गारंटी कमजोर होगी, सैकड़ों ग्राम पंचायतों के पास स्कूल नहीं होंगे, और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के बच्चों, विशेष रूप से लड़कियों पर इसका असमान रूप से प्रभाव पड़ेगा, जिससे स्कूल छोड़ने और बाल श्रम का खतरा बढ़ जाएगा। उन्होंने शिक्षा के लिए राज्य बजट का 15 प्रतिशत आवंटित करने के सरकार के चुनावी वादे पर भी सवाल उठाए और कहा कि सरकारी स्कूलों में नामांकन में गिरावट के लिए मांग की कमी नहीं बल्कि खराब प्रशासन जिम्मेदार है।

छात्रों ने हॉस्टल की बदहाल व्यवस्था को लेकर जताई चिंता

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्रों ने छात्रावास और मेस की खराब व्यवस्थाओं को लेकर चिंता जताई है।

छात्रों ने मंगलवार को अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग करते हुए हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार और मेस में साफ-सफाई की स्थिति बेहतर करने की मांग की। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल परिसर में सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब है और आए दिन सांप व बिच्छू कमरों में घुस रहे हैं। हाल ही में दो छात्रों को बिच्छू के काटने की घटना भी सामने आई है। छात्रों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण सांप और अन्य जहरीले जीवों का खतरा बढ़ गया है।

धमाकों के बीच सामने आया आतंकी नेटवर्क का संबंध

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2007 के हैदराबाद दोहरे बम धमाके और 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों की जांच और अदालती कार्यवाही में दोनों हमलों के बीच कई समानताएं सामने आई हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, दोनों घटनाएं इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के एक ही आतंकी नेटवर्क और साझा साजिश का हिस्सा थीं। अदालती रिकॉर्ड और जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार, दोनों हमलों की योजना, तकनीकी तैयारी, बम निर्माण की प्रक्रिया और इन्हें अंजाम देने के तरीके में काफी समानता थी।

जांच एजेंसियों ने दावा किया कि दोनों हमलों के पीछे एक ही नेतृत्व और एक समान संगठनात्मक ढांचा काम कर रहा था। जांच के अनुसार, इंडियन मुजाहिदीन के संस्थापक रियाज भटकल और इकबाल भटकल ने कथित तौर पर दोनों अभियानों में रणनीतिक दिशा, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया था। हैदराबाद धमाकों में शामिल कुछ आरोपी बाद में उसी नेटवर्क के जरिए अहमदाबाद में हुए सिलसिलेवार धमाकों की साजिश में शामिल पाए गए। दोनों मामलों में मोहम्मद अकबर इस्माइल चौधरी उर्फ इस्माइल चौधरी और अनीक शफीक सईद की भूमिका जांच में सामने आई। आरोपों के अनुसार, चौधरी ने अगस्त 2007 में हैदराबाद के दिलसुखनगर में हुए धमाकों के दौरान एक बिना फटे आईईडी को लगाने में भूमिका निभाई थी।

PUBLIC NOTICE
IN THE COURT OF THE HON'BLE
Ist SENIOR CIVIL JUDGE
CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD
SOP. No. 56 OF 2026

Between:
1. **Mrs. Shashi Chhachharia,** W/o. Mr. Santosh Kumar Chhachharia, Aged about 70 years, Occ: Housewife, R/o. 7-1-69/603 Vamsi Paradise, Street No.1, Balkampet, Near Nature Cure Hospital, Ameerpet, Hyderabad-500016
2. **Mrs. Sudha Modi** W/o Mr. Navneet Modi, Aged about: 67 years, Occ: House wife, R/o Modi House, Kanke Dam Side Road, Opp. Gandhi Nagar, Gandhi Nagar, Kanke Road, Ranchi, Jharkhand-834008 Represented by GPA Holder Mrs. Shashi Chhachharia
3. **Mrs. Mamta Garodia** W/o Late Mr. Garodia, Aged about 62 years, Occ: House wife R/o DSL Green City, Dargah Road, Buxipura, Bahraich-271801 Represented by GPA Holder Mrs. Shashi Chhachharia
4. **Mrs. Vandita Jhunjhunwala** W/o Late Mr. Sushil Jhunjhunwala, Aged about: 68 years, Occ: Business, R/o Flat No. 402/3, Swarna Plaza Building, Dharam Karam Road, Near Nature Cure Hospital, Balkampet, Hyderabad-500016 Represented by GPA Holder Mrs. Shashi Chhachharia
5. **Mr. Vedant Jhunjhunwala** S/o Late Mr. Sushil Jhunjhunwala, Aged about: 43 years, Occ: Business, R/o 2500, 6A Bell Gardens, Lodha Bellezza, Near Kukatpally RTA Office, Kukatpally-500072
6. **Mr. Krishnam Jhunjhunwala** S/o Late Mr. Sushil Jhunjhunwala, Aged about: 40 years, Occ: Business, R/o Flat No. 402/3, Swarna Plaza Building, Dharam Karam Road, Near Nature Cure Hospital, Balkampet, Hyderabad-500016 ...Petitioners

And

1. **State Bank of India** Represented by Authorised Signatory, O/o. S-10, Technocrats Industrial Estates, Balanagar, Hyderabad, Telangana-500037
2. **All Concerned** ...Respondents

This Notice is being issued by Order dated 02-07-2026, passed by the Hon'ble Ist Senior Civil Judge, City Civil Court at Hyderabad, that my Clients, the above said Shashi Chhaochharia & 5 others have filed a suit U/s 372 of the Indian Succession Act, 1925 for grant of Succession Certificate to declare themselves as legal heirs & Successors of **Late Ganga Devi Jhunjhunwala** more particularly with regard to her debts & Securities held in State Bank of India who died on 11-11-2016. Any person(s) having any objection/s, charge, claim, lien over the above said suit shall approach the under-signed office within 7 days from the day and date of publication with concerned documents or appear on 01-09-2026 at 10:30 am before the said Hon'ble Ist Senior Civil Judge, City Civil Court at Hyderabad. No objection or claim will be entertained after the said period.
Hence this Notice.
(By Court Order)
M/s. Amera Pasha ADVOCATES
Office at G5, Pasha Court, Somajiguda, Hyderabad-82, Cell No: 7729958828.

श्रमिकों के परिजनों को मिली 2.6 करोड़ रुपये की राहत

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित भारतीय उद्यमी डॉ. शमशीर वायलील द्वारा दुबई के एमिरेट्स रोड हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय श्रमिकों के परिवारों के लिए घोषित 2.6 करोड़ रुपये के मानवीय राहत पैकेज का वितरण शुरू कर दिया गया है। राहत राशि तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जा रही है। यह सहायता जून में दुबई के एमिरेट्स रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे के बाद घोषित की गई थी। हादसे में श्रमिकों को ले जा रही एक मिनीबस खड़े ट्रक से टकरा गई थी, जिसमें सात प्रवासी भारतीय श्रमिकों की मौत हो गई थी, जबकि नौ अन्य घायल हो गए थे। इस घटना के बाद संयुक्त अरब अमीरात और भारत में शोक की लहर फैल गई थी।

डॉ. शमशीर वायलील के कार्यालय के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के विभिन्न गांवों का दौरा कर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता राशि भी सौंपी। तेलंगाना के जिन तीन श्रमिकों की इस हादसे में मृत्यु हुई, उनमें जगितियाल जिले के नामिलिकोंडा निवासी 51 वर्षीय सलीम सैय्यद हुसैन, निर्मल जिले के कदेम निवासी 37 वर्षीय अब्दुल रफीक अब्दुल रहीम तथा जगितियाल जिले के थक्कल्लापल्ले निवासी 23 वर्षीय तिरुपति गोलापल्ली चंद्रैया शामिल हैं। मानवीय सहायता कार्यक्रम के तहत प्रत्येक मृतक श्रमिक के परिवार को 26 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा प्रभावित परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने की योजना भी बनाई गई है, जिसका समन्वय सीधे संबंधित परिवारों के साथ किया जाएगा।

आयुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त ने मंगलवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को सुचारू और सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त (चुनाव), क्षेत्रीय आयुक्त के. चंद्रकला तथा बसपा, भाजपा, सीपीएम, कांग्रेस, बीआरएस, टीडीपी, एआईएमआईएम और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से एसआईआर-2026 की प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए सभी पक्षों का सहयोग आवश्यक है।

उन्होंने राजनीतिक दलों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को पुनरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने कहा कि बीएलए पात्र मतदाताओं को जनगणना प्रपत्र भरने और उसे जमा करने में आवश्यक सहायता प्रदान करें, ताकि कोई भी योग्य मतदाता प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। अधिकारियों ने कहा कि राजनीतिक दलों और निर्वाचन अधिकारियों के आपसी समन्वय से एसआईआर-2026 की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकेगा।

भाजपा विधायक पर सरकारी जमीन कब्जाने और भूखंड बेचने के आरोप

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद से भाजपा विधायक पायल शंकर कथित सरकारी भूमि पर कब्जे और आवंटित जमीन को आवासीय भूखंडों में बदलकर बेचने के आरोपों को लेकर विवादों में घिर गए हैं। मामले से जुड़े दस्तावेज मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

वायरल दस्तावेजों के अनुसार, आरोप है कि विधायक ने आदिलाबाद ग्रामीण मंडल के बत्तीसावरगांव गांव में निर्माणाधीन एकीकृत जिला अधिकारी परिसर के निकट स्थित करीब तीन एकड़ सरकारी भूमि पर कथित रूप से कब्जा किया है। बताया जा रहा है कि यह भूमि उनकी पत्नी उमा के नाम आवंटित जमीन से सटी हुई है, जिसके चलते सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण के आरोप लगाए जा रहे हैं। विधायक पर यह भी आरोप है कि उन्होंने आवंटित भूमि को आवासीय भूखंडों में परिवर्तित कर बेच दिया। आरोप है कि भूमि के हस्तांतरण पर रोक होने के बावजूद उन्होंने पहले प्राप्त अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) का उपयोग कर संपत्ति का हस्तांतरण कराया। संबंधित भूखंडों का बाजार मूल्य लगभग पांच करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस मामले को लेकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकर्ताओं ने सरकार से भाजपा विधायक के खिलाफ कार्रवाई करने और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने अधिकारियों से संबंधित भूमि का सर्वेक्षण कर यह स्पष्ट करने की भी मांग की कि संबंधित जमीन सरकारी है या नहीं। बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि विधायक मनमाने ढंग से सरकारी भूमि पर कब्जा कर रहे हैं और उसे अपनी पत्नी के नाम स्थानांतरित कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले में भाजपा विधायक पायल शंकर की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

एक जैसे दवा ब्रांड नामों पर सख्ती, मरीजों की सुरक्षा के लिए नए नियम लागू

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक जैसी या मिलते-जुलते नाम वाली दवाओं के कारण मरीजों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर खतरे को देखते हुए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और भारतीय औषधि नियंत्रक जनरल (डीसीजीआई) ने दवा कंपनियों की 'ब्रांड विस्तार' नीति पर सख्ती शुरू कर दी है। नए निर्देशों का उद्देश्य एक ही या भ्रामक रूप से मिलते-जुलते ब्रांड नामों के उपयोग पर रोक लगाना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अधिकारियों के अनुसार, कई दवा कंपनियां पहले से लोकप्रिय दवाओं से मिलते-जुलते नामों का उपयोग कर नई दवाएं बाजार में उतारती हैं। इससे मरीजों और चिकित्सकों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है और गलत दवा के सेवन से गंभीर चिकित्सीय दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

इसी समस्या को रोकने के लिए सीडीएससीओ और डीसीजीआई ने सभी राज्य औषधि नियामकों (जिनमें तेलंगाना ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीडीसीए) भी शामिल है) को 'पहले पंजीकरण कराने वाले को प्राथमिकता' का नियम लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत किसी ब्रांड नाम पर सबसे पहले फॉर्म-51 के माध्यम से आवेदन करने वाली दवा कंपनी को ही उस नाम के उपयोग का विशेष अधिकार मिलेगा। नए निर्देशों के अनुसार, यदि कोई दूसरी कंपनी उसी या अत्यधिक मिलते-जुलते ब्रांड नाम का उपयोग करती पाई जाती है, तो उसके ब्रांड की मंजूरी तत्काल रद्द की जा सकती है। ऐसी कंपनियों को अपना स्टॉक वापस मंगाने, दवा का नाम बदलने और नई पैकेजिंग करने के निर्देश दिए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने पर ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट की धारा 17-बी के तहत कार्रवाई भी की जा सकती है।

टीजीडीसीए को इस प्रक्रिया के लिए 'सुगम' पोर्टल का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। अब सभी दवा निर्माताओं के लिए अपने उत्पाद के फॉर्मूलेशन और प्रस्तावित ब्रांड नाम को इस पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। राज्य औषधि नियंत्रक जब किसी नए लाइसेंस आवेदन की जांच करेंगे, तो सॉफ्टवेयर 'सुगम' डेटाबेस और राष्ट्रीय ट्रेडमार्क रजिस्ट्री में उपलब्ध रिकॉर्ड से नाम का स्वतः मिलान करेगा। यदि किसी नाम में समानता पाई जाती है, तो उसी स्तर पर लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया रोक दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था से दवा कंपनियों द्वारा एक जैसे ब्रांड नामों के उपयोग पर प्रभावी रोक लगेगी और मरीजों को गलत दवा मिलने की आशंका काफी हद तक कम हो सकेगी।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद -500036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 0036, Telangana, India

अधिसूचना. 06/2026

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजना के लिए **"योग थेरेपिस्ट"** के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक उमीदवार विस्तृत विवरण और आवेदन की आवश्यकताओं को आधिकारिक वेबसाइटों http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी अन्य स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, कृपया सभी कार्य दिवसों (working days) में कार्यालय समय के दौरान मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क करें।

प्रभारी सहायक निदेशक

राममंदिर चढ़ावा चोरी का आरोपी अविनाश ने दोस्तों पर उड़ाए 19 लाख

गर्लफ्रेंड को आई फोन गिफ्ट किया, भाई की शादी में दिए 6 लाख

अयोध्या, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ में बड़े खुलासे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, अविनाश ने स्वीकार किया कि दान चोरी का बड़ा हिस्सा परिवार, दोस्तों और अपने शौक पर खर्च किया। परिवार और दोस्तों पर करीब 19 लाख रुपए खर्च किए।

भाई की शादी पर करीब 6 लाख रुपए खर्च किए, दूसरे भाई को 5-6 लाख रुपए दिए। गर्लफ्रेंड को iPhone गिफ्ट दिया, साथ ही 2.5 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए। जांच एजेंसियां अब इस लेन-देन, बैंक खातों और संपत्तियों की पड़ताल कर रही हैं।

जिन लोगों को रुपए ट्रांसफर किए, उनसे वसूली होगी

अविनाश ने करीब 3.5 लाख रुपए देकर लोन पर एक ब्रेजा कार खरीदी थी। इसे पुलिस पहले ही बरामद कर चुकी है। इसके अलावा कई अन्य लोगों को भी छोटी-छोटी रकम देने की बात

जांच में सामने आई है।

पुलिस ने अविनाश के दोनों भाइयों से पूछताछ कर कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। साल-2024 में भाई अभिषेक शुक्ला के नाम खरीदी गई जमीन और संबंधित बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। लोगों को भेजी गई रकम की वसूली के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने अविनाश शुक्ला से अब तक 20.39 लाख रुपए, 1121 अमेरिकी डॉलर (करीब 1.06 लाख रुपए), सोने-चांदी के जेवर और अन्य कीमती सामान बरामद किए हैं। 28 जून को पुलिस ने अयोध्या में अविनाश शुक्ला के योग सेंटर पर छापा मारा था। यहां से 'रामराज्य कोष' लिखा एक संदूक बरामद किया। इस पर पेटीएम का क्यूआर कोड भी लगा था। पुलिस को परिसर से राम मंदिर से जुड़े कई दस्तावेज और पुस्तकें भी मिली थीं।

सूत्रों के अनुसार, अविनाश के भाई अभिषेक ने आरोपी अनुकल्प मिश्रा से एक बार पैसों के स्रोत के बारे में पूछा था। आरोप है कि अनुकल्प ने टालमटोल भरा जवाब देते हुए इस विषय में आगे पूछताछ न करने के लिए चेतावनी दी थी।

5 जून को घर से कैश बरामद हुआ था

अविनाश शुक्ला के अयोध्या स्थित योग केंद्र की तलाशी के दौरान पुलिस को राम मंदिर से जुड़े कई दस्तावेज और पुस्तकें मिलीं।

इससे पहले 5 जून को ट्रस्ट के सुरक्षाकर्मियों ने अविनाश के घर पर छापेमारी की थी। इसमें दावा किया गया था कि वहां से नकदी बरामद हुई थी।

बताया गया कि बरामद कैश को सुरक्षाकर्मी बैग में भरकर अपने साथ ले गए थे। अब अविनाश से मिले दस्तावेजों और अन्य सामान की जांच कर पुलिस मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

ऑप्टिकल शोरूम में लगी भीषण आग

50 लाख से अधिक का सामान जलकर राख

मुजफ्फरनगर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर की नई मंडी कॉलोनी में सोमवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब विजय ऑप्टिकल शोरूम में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते पूरे शोरूम को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक शोरूम में रखा करोड़ों नहीं बल्कि शुरुआती अनुमान के मुताबिक 50 लाख रुपये से अधिक का सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो चुका था। पुलिस और दमकल विभाग फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात शोरूम से अचानक धुआं और आग की तेज लपटें निकलती दिखाई दीं। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सीएम बोले-घुसपैठ-आतंक के लिए बिहार में जगह नहीं

लोगों ने मीट फैक्ट्री बंद करने को लेकर दिखाए पोस्टर, मुख्यमंत्री ने जांच के दिए आदेश

अररिया, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को अररिया के फारबिसगंज प्रखंड स्थित हरिपुर पंचायत पहुंचे। जहां जन सहयोग शिविर और जनसभा हुई।

इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'मैं दो बातों पर कॉम्प्रोमाइज नहीं करता, घुसपैठिया और आतंकवाद के लिए बिहार में कोई जगह नहीं है।' 'सहयोग शिविर में आपके बीच आया हूं। शिविर को मतलब है आपको तकलीफ से निकालना। बिहार में अभी तक 4 लाख 53 हजार 62 लोगों ने आवेदन दिया। जिसमें मात्र 27 हजार आवेदन पेंडिंग है।'

वहीं कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने मीट फैक्ट्री बंद करने की मांग को लेकर पोस्टर दिखाए और हंगामा किया। इस दौरान मंच से अररिया सांसद प्रदीप सिंह ने कहा, मीट फैक्ट्री के कारण लोगों को काफी दुर्गंध आती है, ये बंद होनी चाहिए। इसकी जानकारी

सीएम को मिल गई है।

वही मामले को लेकर सीएम ने कहा, अगर फैक्ट्री अवैध है तो जांच कर उसे अविलंब बंद किया जाएगा। इसके साथ ही अगर क्षेत्र को प्रदूषित कर रहा है तो उसकी जांच भी प्रदूषण डिपार्टमेंट से करने की बात कही है। सम्राट चौधरी ने डीएम को जांच करने को कहा है। अररिया के बाद सम्राट चौधरी खगड़िया चले गएं। शिविर में राजस्व भूमि सुधार, आवास योजना, शौचालय निर्माण, राशन कार्ड और लोक शिकायत निवारण से संबंधित आवेदनों का ऑन द स्पॉट भी निपटारा किया गया।

साथ ही स्वास्थ्य विभाग, बैंक, जीविका और आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा अलग-अलग स्टॉल भी लगाए गए, जहां लोगों के बीच से आई समस्या का निपटारा भी किया गया।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। हेलीपैड से लेकर सभा स्थल तक पूरे मार्ग पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

हजारों स्थानीय लोगों के मन में फारबिसगंज को जिले का दर्जा देने की मांग फिर से जोड़ पकड़ रही है।

क्षेत्र के लोगों का मानना है कि फारबिसगंज वर्षों से जिले के लिए निर्धारित लगभग सभी आवश्यक मानकों को पूरा करता है।

यूपी के 30 शहरों में जोरदार बारिश, 75 में अलर्ट

काशी में घाटों की सीढ़ियों से बहा झरना मगरमच्छ गांव में घुसा, सहारनपुर में नदी उफनाई

वाराणसी, प्रयागराज, 7 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, मुरादाबाद समेत 30 शहरों में बारिश हो रही है। वाराणसी में सीढ़ियों से झरने की तरह बारिश का पानी बहा। शामली में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है। मौसम विभाग ने आज सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 8 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। सोमवार रात पीलीभीत में बारिश के चलते तालाब से निकलकर मगरमच्छ गांव में पहुंच गया। ग्रामीणों ने उसे रस्सी से बांध दिया। बाद में वन विभाग ने उसे नदी में छोड़ा। सहारनपुर के मां शाकंभरी देवी मंदिर के पास गुजरने वाली शाकंभरी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आ गया। अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने लाउडस्पीकर से अनाउंस कर कहा- पानी तेजी से आ रहा है, यहां से जल्दी निकल जाएं।

सोमवार को 48 शहरों में बारिश हुई। काशी में रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-8 पर छत से बारिश का पानी टपकने लगा। पानी पंखे से झरने की तरह बह रहा था। 24 घंटे में सबसे ज्यादा औरैया में 35.9 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 7.5 मिमी से 379 प्रतिशत ज्यादा है।

दान चोरी केस में मायावती ने चला अलग दांव

बोलीं- सपा, कांग्रेस और आप सबूत दिखाए वरना बंद करे ड्रामा

लखनऊ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में दान चोरी मामले पर बचे घमासान के बीच बीएसपी की अध्यक्ष और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बड़े स्तर पर जांच की मांग उठाई है। मायावती ने सोशल मीडिया के जरिए कहा है कि राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम मामले में मुख्य प्रबंधकों की भी सही से जांच होनी चाहिए। इसके अलावा मायावती एक बार फिर प्रदेश के विपक्षी दलों पर बरसी हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर दान चोरी मामले में अगर सपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पास सबूत हैं तो उन्हें सार्वजनिक करें, वरना ये सब राजनीति करना बंद करें।

मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'यूपी के अयोध्या में श्री राम मंदिर के बाद अब उत्तराखंड

में भी बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे में चोरी और गबन आदि होने का मामला काफी सुर्खियों में है। इन दोनों विख्यात धार्मिक स्थलों में इनके ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी सही से जांच होनी चाहिए। वरना फिर, आगे चलकर इनकी आड़ में इनके स्थान पर दूसरे बने मुख्य प्रबंधक भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं।'

मायावती ने आगे कहा, 'ऐसी आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ी हुई है, तो उसके लिए या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत है या फिर उनकी लापरवाही की वजह से यह सब कुछ हुआ है। इसलिए, इस प्रकरण की अब सही से जांच होना बहुत जरूरी है और इस मामले में सरकार व एसआईटी को भी विशेष ध्यान देना है।'

वहीं, एक बार फिर प्रदेश के विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए मायावती ने लिखा, 'इसके साथ ही सपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आदि के जिन वरिष्ठ नेताओं द्वारा यहां श्री राम मंदिर चढ़ावे में काफी मोटी रकम की चोरी और गबन होने की बात कही जा रही है, तो उनसे भी इसके पुख्ता सबूत लेने चाहिए। ताकि, कोई भी चोरी और गबनकर्ता बच ना सके। वरना इसकी आड़ में इसे कोरी राजनीति ही माना जाएगा, श्रद्धा नहीं। ऐसी भी आम चर्चा है कि जनहित के मुद्दों को दरकिनार करके, ये पार्टियां अब इस मुद्दे की आड़ में चुनाव में जाना चाहती हैं।'

आपको बता दें कि सोमवार को ही अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक हुई थी। इस बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार किया गया।

चंचल नगर में बम विस्फोट: दो युवक घायल

दरभंगा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा जिले के पतोर थाना क्षेत्र के चंदनपट्टी पंचायत के चंचल नगर में मंगलवार को बम विस्फोट की एक बड़ी घटना सामने आई। इस बम विस्फोट में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घायल दोनों युवको को इलाज के लिए डीएमसीच में भर्ती करवाया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पतोर थाना सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच करने में लगी है। घटना स्थल पर FSL की टीम ने भी जांच की है। इधर, डीएमसीच के डॉक्टरों ने दोनों घायलों के प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीच रेफर कर दिया है।

बताया जाता है कि इस बम विस्फोट में लक्ष्मी पासवान के पुत्र राम बाबू पासवान और कमलेश पासवान के पुत्र श्रीकांत पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पतोर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विस्फोट किस परिस्थिति में हुआ और बम वहां कैसे पहुंचा।

घटना के बाद पूरे चंचल नगर इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग विस्फोट की आवाज से सहम गए और काफी देर तक घटनास्थल पर भीड़ लगी रही।

एएसपी अनुज चौधरी के ममेरे भाई को फांसी की सजा

16 साल पहले हत्या की थी, कोर्ट बोला- लोकतंत्र पर हमला बर्दाश्त नहीं

मुजफ्फरनगर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर कोर्ट ने सोमवार को 16 साल पुराने हत्याकांड में दो मुख्य आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई। इनमें से पूर्व प्रधान प्रमोद चौधरी, एडिशनल एसपी अनुज चौधरी का ममेरा भाई है। घटना तितावी इलाके के माड़ी गांव में 2010 के प्रधानी चुनाव के दौरान हुई थी। पुलिस ने हत्याकांड के दो आरोपियों को 18 जनवरी, 2011 में एनकाउंटर में मार गिराया था। जज रवि कुमार दिवाकर ने कहा- ग्राम पंचायत लोकतंत्र की पहली सीढ़ी होती है। यहां लोगों के वोट और बैलेट पेपर की इज्जत सबसे ऊपर होनी चाहिए। अगर चुनावी रंजिश में खून-खराबा लोकतंत्र और कानून व्यवस्था पर हमला है। कोर्ट ने इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस मानते हुए दोषियों पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

हत्याकांड में मारे गए राजवीर सिंह के घरवालों ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि हम लोगों को 16 साल बाद इंसाफ मिला। यह हमारी लगातार लड़ाई का नतीजा है। वहीं, गांव के लोगों ने भी कोर्ट के फैसले को न्याय बताया। घटना 24 अगस्त, 2010 की है। ग्राम मांडी के रहने वाले राजवीर सिंह (60) प्रधानी का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। उस समय का प्रधान प्रमोद चौधरी इस बात से रंजिश रखता था। घटना वाले दिन सुबह करीब सवा सात बजे राजवीर सिंह अपने खेत की तरफ जा रहे थे। तभी मांडी के जंगल में पहले से घात लगाए बैठे प्रमोद, उसका साथी सहदेव और उनके दो शूटर अमित और विपिन शर्मा ने राजवीर को घेर लिया।

हथियारों से लैस हत्यारों ने राजवीर के साथ गाली-गलौज की और कहा- बहुत बड़ा आदमी बनता है, आ तुझे गांव का अगला प्रधान बना देते हैं।

इसके बाद उन्होंने राजवीर पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस वारदात को खेतों की तरफ जा रहे दो ग्रामीणों- सुकेन्द्र और सत्यवीर ने अपनी आंखों से देख लिया। जब उन्होंने शोर मचाया तो हमलावरों ने उन पर भी फायर किया और धमकी देते हुए फरार हो गए।

वक्फ के नाम पर कब्जे किए, बाबरी का समर्थन किया और अब गिरगिट जैसे रंग बदल रहे

प्रतापगढ़, 7 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सवाल उठाने पर सपा और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस कहती थी कि राम और कृष्ण हुए ही नहीं। अयोध्या में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी बाबरी ढांचे का समर्थन करके घड़ियाली आंसू बहा रही थीं। अब वही लोग गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं।

अब कह रहे हैं आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है। प्रतापगढ़ में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा- 'तुम्हारी आस्था कब से अयोध्या से हो गई? आस्था की बातें रामभक्त बोलें। इन्हें बोलने का अधिकार है। ये बोल सकते हैं, लेकिन कांग्रेस को बोलने का अधिकार नही है। जो राम के अस्तित्व को नकारती थी। जो समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलाती थी,वो कौन सी आस्था की बातें कर रहे हैं।'

सीएम योगी ने कहा कि जो लोग हिंदू विरासत के धर्मस्थलों के पुनरुद्धार का पैसा कब्रिस्तान के बाउंड्री वॉल पर खर्च कर देते थे,वो किस आस्था की बात कर रहे हैं। जाति के नाम पर विभाजन या आस्था पर प्रहार, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास यही दो मुद्दे बचे हैं आज।

मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड के जरिये लूट का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सपा और कांग्रेस नेताओं का मुंह बंद है। वक्फ बोर्ड के नाम पर हजारों हेक्टेयर जमीन बेच दी गईं। वक्फ के नाम पर लाखों और करोड़ों रुपये की लूट हुई, लेकिन सपा और कांग्रेस के लोगों ने कुछ नहीं किया। सीएम योगी ने कहा कि यूपी पुलिस की 60 हजार भर्तियों में प्रतापगढ़ के भी बच्चे भर्ती हुए। यूपी पब्लिक सर्विस कमीशन और अधीनस्थ चयन आयोग के परिणाम में प्रतापगढ़ के नौजवान भी स्थान प्राप्त करते हैं।

बांकीपुर उपचुनाव : बीजेपी ने अभिषेक कुमार बंटी को बनाया उम्मीदवार

पटना, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर बीजेपी ने अपने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने अभिषेक कुमार बंटी को प्रत्याशी बनाया है। उन्हें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का करीबी माना जाता है।

अभिषेक कुमार बंटी वर्तमान में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। इससे पहले वे पटना महानगर युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे नितिन नवीन के साथ अलग-अलग कार्यक्रमों की जिम्मेदारी भी निभाते रहे हैं।

बीजेपी प्रत्याशी अभिषेक कुमार बंटी का मुकाबला जन सुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर और राजद की उम्मीदवार रेखा कुमारी गुप्ता से होगा। उम्मीदवारों के ऐलान के साथ ही बांकीपुर का चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

पीके के समर्थन में शत्रुघ्न सिन्हा टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने उनका समर्थन किया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने पीके के इस फैसले की

जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने 'जबरदस्त हलचल' मचा दी है, साथ ही जनता से उनके पक्ष में वोट की अपील भी की। शत्रुघ्न सिन्हा पटना साहिब से दो-दो बार सांसद भी रह चुके हैं।

जनसुराज सूत्रों के अनुसार, प्रशांत किशोर बांकीपुर उपचुनाव के लिए 11 जुलाई शनिवार को नामांकन दाखिल करेंगे। पर्चा 13 जुलाई तक भरा जा सकेगा। 30 जुलाई को वोटिंग होगी। जबकि नतीजे 3 अगस्त को आएंगे।

शत्रुघ्न सिन्हा बोले- पीके की एंट्री से जबरदस्त उत्साह

पीके का समर्थन करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने एक्स पर लिखा-बिहार में राजनीतिक धमाका.. सबसे काबिल, दूरदर्शी, बेहतरीन बुद्धिजीवी, जन-जन के नेता और हर तरह से सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले, सराहे जाने वाले और चर्चा में रहने वाले व्यक्तित्व प्रशांत किशोर आखिरकार चुनावी मैदान में उतर आए हैं। पटना, बिहार के बांकीपुर उपचुनाव में उतरकर उन्होंने राजनीतिक हलकों और पूरे देश में जबर्दस्त हलचल मचा दी है।

आज 'सबकी एकता' समय की मांग है। उम्मीद, इच्छा और प्रार्थना है कि आम लोग और खासकर युवा पीढ़ी, जाति, धर्म और पार्टी की सीमाओं से ऊपर उठकर उनका समर्थन करेंगे, कर सकते हैं और उन्हें करना चाहिए।

सिकटी पुलिस ने 72 लीटर नेपाली शराब जब्त किया

गश्ती के दौरान एक तस्कर गिरफ्तार

अररिया, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अररिया जिले के सिकटी थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए 72 लीटर नेपाली देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 300 एमएल की 240 बोतल रेशम लीची नेपाली देशी शराब बरामद की।

बरामद शराब को जब्त कर आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

थाना अध्यक्ष रौशन कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को गश्ती के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर दहगामा पंडित टोला स्थित पक्की सड़क पर घेराबंदी की गई। इस दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 300-300 एमएल की 240 बोतल रेशम लीची नेपाली देशी शराब मिली।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान संजीव कुमार उर्फ भोला कुमार पासवान (20 वर्ष) के रूप में हुई है।

वह सैदाबाद वार्ड संख्या-13, थाना सिकटी, जिला अररिया का निवासी है। पूछताछ में आरोपी ने नेपाल सीमा से शराब लाकर क्षेत्र में सप्लाई करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस ने बरामद शराब और तस्करी में प्रयुक्त सामग्री को जब्त कर लिया है। अभियुक्त के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे माननीय न्यायालय, अररिया में पेश किया गया है।

6 हत्याएं करने वाला आसिफ अली मारा गया

अंबेडकरनगर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी एसटीएफ ने अंबेडकरनगर में बदमाश आसिफ अली (40) को मंगलवार सुबह 4 बजे एनकाउंटर में मार गिराया। एसटीएफ ने उसे घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में सीने में दो गोली लगने से वह ढेर हो गया। मुठभेड़ जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर जगदीशपुर गांव के पास हुई।

आसिफ छैमार गैंग का सरगना था। पति-पत्नी समेत 6 हत्याओं में वांटेड था। बदमाश रात के वक्त कच्छा बनियान पहनकर अपने गुर्गों के साथ घर में घुसकर लूट की वारदात करता था। वह परिवार को बंधक बनाता था। डकैती के बाद हत्या करके भाग जाता था। फिर नाम बदलकर दूसरे राज्य और जिले में छिप जाता था। उसने जितनी भी वारदातें कीं, लगभग सभी का यही पैटर्न था।

नोएडा एसटीएफ यूनिट के एडिशनल एसपी राजकुमार मिश्रा ने बताया- जौनपुर में डकैती डालकर दो महिलाओं की हत्या कर दी थी। 3 और लोगों पर भी जानलेवा हमला किया था, लेकिन उनकी जान बच गई थी। तब उस पर जौनपुर पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। उसके खिलाफ यूपी, राजस्थान और हरियाणा में 20 मुकदमे दर्ज थे।

यूपी एसटीएफ के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिली थी कि आसिफ अंबेडकरनगर में छिपा है। वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इसके बाद टीम ने उसकी घेराबंदी की। खुद को घिरता देखकर वह बाइक मोड़कर भागने लगा। टीम ने पीछा किया तो उसने फायरिंग कर दी। एक सिपाही के दाहिने हाथ में गोली लग गई। इसके बाद टीम ने जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। इसमें उसे सीने में दो गोली लगीं। वह जमीन पर गिर पड़ा। टीम ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसटीएफ ने बदमाश से पिस्टल, एक 12 बोर का तमंचा और बाइक बरामद की है।

आसिफ की बड़ी वारदातें

19 अक्टूबर 2013 को सुल्तानपुर में गैंग के 10 गुर्गों के साथ घर में घुसकर डकैती डाली थी। परिवार को बंधक बना लिया था। एक की हत्या भी कर दी थी।

2014 में जौनपुर के शाहगंज में साथियों के साथ घर में घुसकर परिवार को बंधक बनाया और लाखों रुपए के जेवरात और कैश लूटे थे। परिवार के 5 लोगों पर धारदार हथियार से हमला किया था। इसमें स्वाति और सुमन की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

15 अगस्त 2015 को कौशांबी में गैंग के गुर्गों के साथ मिलकर घर में डकैती डाली थी। परिवार को बंधक बना लिया था। इस दौरान पति-पत्नी की हत्या कर दी थी।

राम मंदिर विवाद : निशिकांत दुबे को सपा का मानहानि नोटिस, थाने में शिकायत

अखिलेश ने दिया था 10 मिनट का अल्टीमेटम

निशिकांत दुबे को समाजवादी पार्टी ने भेजा मानहानि नोटिस

लखनऊ, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावा गड़बड़ी मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी अब कानूनी लड़ाई में बदलती नजर आ रही है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। विवाद सोशल मीडिया पर किए गए उस दावे को लेकर है, जिसमें अयोध्या के चढ़ावा गड़बड़ी मामले के आरोपी टिन्नू यादव का नाम सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से जोड़ते हुए दावा किया गया था। सपा ने इसे पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए पोस्ट हटाने, सार्वजनिक माफी मांगने और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। विवाद की शुरुआत भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की सोशल मीडिया पोस्ट से हुई। पोस्ट में दावा किया गया कि राम मंदिर में चढ़ावा गड़बड़ी मामले के आरोपी टिन्नू यादव ने पिछले ढाई वर्षों में अखिलेश यादव से 980 बार फोन पर बात की। इस दावे के बाद समाजवादी पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आरोपों को निराधार बताया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर निशिकांत दुबे को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों को समान संसदीय विशेषाधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने भगवान राम की मर्यादा, संसदीय परंपराओं और सामाजिक शिष्टाचार का हवाला देते हुए कहा कि निशिकांत दुबे अपनी 'झूठी पोस्ट' 10 मिनट के भीतर हटा लें, अन्यथा उनके खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

गुंडरम चट्टानों की गुफा में हाथ लगा बहुत बड़ा 'खजाना', ब्राह्मणों का था यहां राज

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने दो ब्राह्मी लिपियों के अभिलेखों की खोज की

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने तेलंगाना के गुंडरम चट्टानों की गुफाओं में दो ब्राह्मी लिपियों से जुड़े अभिलेखों की खोज की है। जो लिपियां मिली हैं, वो किसी खजाने से कम नहीं हैं, क्योंकि उनसे भारत के प्राचीन इतिहास के बारे में अमूल्य जानकारी मिलती है। ब्राह्मी लिपि भारत की सबसे पुरानी लिपि मानी जाती है, जो भारत के इतिहास को जानने में बेहद अहम है। इस लिपि से सातवाहन वंश के शासकों के इतिहास की जानकारी मिलती है। सातवाहन ऐसे शासक थे, जिनकी कमान ब्राह्मणों के हाथ में थी।

ब्राह्मी लिपि के अभिलेखों की खोज के बारे में जानकारी

एएसआई ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए ब्राह्मी लिपि के अभिलेखों की खोज की जानकारी दी। एएसआई ने लिखा-इससे इस क्षेत्र के शुरुआती इतिहास और यहां पर राज करने वाले सातवाहन वंश के बारे में

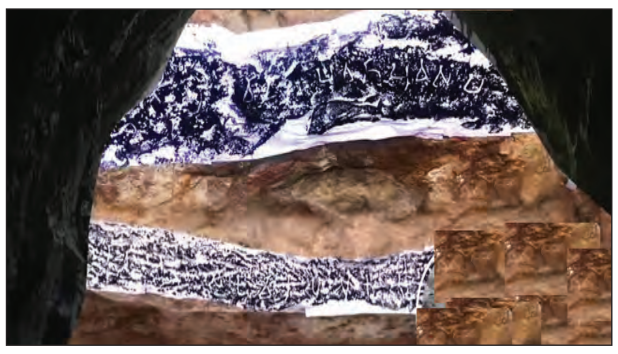

जानकारी मिलने में आसानी होगी।

एएसआई ने लिखा-'एक शिलालेख से पता चलता है कि हारितिपुत्र वंश के एक सदस्य ने बौद्ध भिक्षुओं के लिए गुफा खुदवाई थी। जो शायद चुटु राजवंश से थे और सातवाहन राजकुमार कुमार हकूसिरी के मित्र थे। इससे चुटु और सातवाहन वंशों के बीच संबंध का संकेत मिलता है।'

ब्राह्मी लिपि में डमरू और त्रिशूल के चित्र

एएसआई के अनुसार, 'दूसरे शिलालेख में बताया गया है कि पहाड़ी के पूर्व का इलाका सिरी देवरान के अधिकार क्षेत्र में था। इसमें त्रिशूल और डमरू के चिह्न भी बने हैं, जिससे यह दक्षिण भारत का सबसे पुराना ज्ञात शिलालेख बन जाता है। जिसमें लेख के साथ-साथ ये शुभ चिह्न भी शामिल हैं।'

दूसरे शिलालेख में बताया गया है कि पहाड़ी के पूर्व का इलाका सिरी देवरान के अधिकार क्षेत्र में था। इसमें त्रिशूल और डमरू के चिह्न भी बने हैं, जिससे यह दक्षिण भारत का सबसे पुराना ज्ञात शिलालेख बन जाता है।

क्या है ब्राह्मी लिपि और क्या हैं इसकी खूबियां

ब्राह्मी लिपि प्राचीन भारत की सबसे पुरानी और प्रभावी लिपियों में से एक है। यह लिपि कम से कम तीसरी सदी ईसवी पूर्व की मानी जाती है।

इस लिपि को तकरीबन सभी आधुनिक भारतीय लिपियों देवनागरी, तमिल और बंगाली की जननी मानी जाती है। यह लिपि बाएं से दायें लिखी जाती है। वहीं, खरोष्ठी लिपि दायें से बायें लिखी जाती रही है।

कौन थे सातवाहन वंश के शासक

सातवाहन वंश को आंध्र भी कहा जाता है। सातवाहन वंश के शासक ब्राह्मण थे। इनका राज पूरे दक्कन में ईसा की पहली सदी पूर्व से लेकर तीसरी सदी तक हुआ करता था। इस वंश की स्थापना सिमूक ने की थी। इनकी राजधानी प्रतिष्ठानपुर थी, जो वर्तमान में महाराष्ट्र के पैठन में थी। इसका विस्तार बाद में आंध्र प्रदेश के अमरावती में हुआ।

कौन थे राजकुमार हकूसिरी

राजकुमार कुमार हकूसिरी प्राचीन सातवाहन राजवंश के एक शाही व्यक्ति थे, जो साम्राज्य के शुरुआती दौर में संभवतः पहली सदी ईसा पूर्व में हुए थे। इतिहास में उन्हें मुख्य रूप से पारंपरिक साहित्यिक ग्रंथों के बजाय पुरातात्विक और अभिलेखीय साक्ष्यों के माध्यम से जाना जाता है।

रानी नागनिका से भी कनेक्शन

महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में स्थित नानेघाट गुफा दर्रे में एक अहम शिलालेख पर हकूसिरी का नाम मिलता है। इस गुफा को रानी नागानिका ने शाही मूर्तियों की गैलरी के तौर पर बनवाया था। रानी नागनिका राजा सातकर्णि प्रथम की पत्नी थीं।

पाकिस्तान में आतंकी हमला नौ पुलिसकर्मियों की मौत, पांच लापता

इस्लामाबाद, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक बांध परियोजना के चेकपोस्ट पर हमला हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने नौ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी और कई अन्य लापता हैं। एक वरिष्ठ जिला अधिकारी अब्दुल कुदूस ने बताया कि 'मंगी बांध परियोजना की रखवाली कर रहे एक चेकपोस्ट पर हमले के बाद नौ पुलिसकर्मी मारे गए हैं और कई लापता हैं'। प्रांतीय सरकार के एक प्रवक्ता ने इस संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कई पुलिस थानों के वरिष्ठ अधिकारी मृतकों में शामिल हैं। उन्होंने इस हमले के लिए इस्लामी आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया।

बलूचिस्तान की सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि अर्धसैनिक बल, पुलिस और आतंकवाद विरोधी

बलूचिस्तान में हुई वारदात के बाद हालात कैसे?

कर्मियों ने आतंकवादियों के खिलाफ 'संयुक्त अभियान सफलतापूर्वक चलाए हैं'। पाकिस्तान वर्षों से बलूचिस्तान में अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। इस खनिज-समृद्ध प्रांत की सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां आतंकवादी राज्य बलों और विदेशी निवेश तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं।

यह पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ते आतंकवादी हमलों का हिस्सा है। इस्लामाबाद का कहना है कि ये हमले अफगानिस्तान से होते हैं, जहां के अधिकारी लगातार किसी भी संलिप्तता से इन्कार करते रहे हैं। पाकिस्तान ने हाल के महीनों में अफगान क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान का कहना है कि ये हमले आतंकवादियों को निशाना बनाते हैं, लेकिन तालिबान सरकार के अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इन हमलों में दर्जनों नागरिक मारे गए हैं। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और लापता पुलिसकर्मियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

सीबीआई की 11 राज्यों में 26 ठिकानों पर छापेमारी

4 एफआईआर दर्ज, लेफ्टिनेंट कर्नल-मेजर समेत 10 आरोपी

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के फंड में गड़बड़ी को लेकर सीबीआई ने सोमवार को 11 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 26 ठिकानों पर छापा मारा। यह छापेमारी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में की गई।

एजेंसी ने इस मामले में 4 अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें लेफ्टिनेंट कर्नल, मेजर और इंजीनियर रैंक के 10 अफसरों सहित कुछ निजी लोगों को आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई के मुताबिक, मामला लद्दाख में बीआरओ के प्रोजेक्ट विजयक और योजक से जुड़ा है। आरोप है कि इन प्रोजेक्ट्स में कैजुअल मजदूरों की तैनाती में अनियमितताएं की गईं और फर्जी मजदूरों के नाम पर भुगतान जारी किया गया।

आरोपों में सरकारी धन का गबन, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी शामिल हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आपराधिक कदाचार और रिश्वतखोरी से जुड़े आरोपों की भी जांच की जा रही है।

भारतवंशी बिजनेसमैन ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति से 425 करोड़ ठगे

सीआईए एजेंट बताकर प्रेसिडेंट का भरोसा जीता बोला- 36 फाइटर प्लेन, मिलिट्री सिस्टम दिला दूंगा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में धोखाधड़ी के मामलों का सामना कर रहे भारतवंशी कारोबारी गौरव श्रीवास्तव पर अब इंडोनेशिया में भी बड़े फर्जीवाड़े का आरोप लगा है। ओसीसीआरपी और इंडोनेशियाई मैगजीन टेम्पो की रिपोर्ट के मुताबिक, गौरव ने खुद को सीआईए एजेंट बताकर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो (तब रक्षा मंत्री) का भरोसा जीता और रक्षा सौदों के नाम पर 425 करोड़ रुपए का फर्जी कर्ज मंजूर करा लिया।

रिपोर्ट के अनुसार, गौरव ने 36 एफ-15 लड़ाकू विमान, ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर और मिलिट्री कमांड सिस्टम दिलाने का दावा किया। जांच में पता चला कि जिन चार कंपनियों के जरिए उसने पांच रक्षा सौदे हासिल किए, वे सभी शेल कंपनियां थीं। बाद में टैक्स नहीं चुकाने पर इन्हें बंद कर दिया गया। सिर्फ 36 एफ-15 लड़ाकू विमानों की संभावित डील ही करीब 1.32 लाख करोड़ रुपए की थी। बताया गया है कि यह कथित फर्जीवाड़ा 2020 से 2022 के बीच हुआ। आरोप है कि इसी रकम से गौरव ने लॉस एंजिलिस

में करीब 208 करोड़ रुपए का आलीशान बंगला खरीदा। अमेरिका में उसके खिलाफ 2024 से धोखाधड़ी समेत कई मामले दर्ज हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक गौरव ने प्रबोवो का इतना भरोसा जीत लिया था कि वे उसे 'मिस्टर जी' कहकर बुलाते थे। उसने राष्ट्रपति के निजी जीवन से जुड़ी ऐसी जानकारियों का भी इस्तेमाल किया, जो केवल उनके करीबी लोगों को पता थीं। इनमें यह बात भी शामिल थी कि प्रबोवो अपने घर के मकड़ी के जालों को प्रकृति का हिस्सा मानते हैं और उन्हें साफ नहीं कराते। गौरव ने यह भी दावा किया कि उसने 2002 के बाली बम धमाकों के आतंकियों को पकड़वाने और प्रबोवो का नाम अमेरिकी इमिग्रेशन की ब्लैकलिस्ट से हटवाने में मदद की थी। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको सिराइत ने कहा कि जिन रक्षा सौदों पर बातचीत हुई थी, वे आखिरी समझौते तक नहीं पहुंचे थे। इसलिए सरकार को कोई सीधा आर्थिक नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स और अदालत में दायर मुकदमे के मुताबिक गौरव श्रीवास्तव खुद को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन, सीनेटर चक शूमर और कई सैन्य अधिकारियों का करीबी बताता था। वह इन नेताओं और अधिकारियों के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर लोगों को यकीन दिलाता था कि उसकी पहुंच अमेरिकी सत्ता और सुरक्षा तंत्र के टॉप तक है। हालांकि, बाद में आईं रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि इन नेताओं तक उसकी पहुंच किसी सरकारी भूमिका की वजह से नहीं, बल्कि राजनीतिक चंदे, सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों के जरिए बनी थी। मुकदमे में आरोप है कि गौरव ने इसी छवि का इस्तेमाल कर कई कारोबारियों और विदेशी अधिकारियों का भरोसा जीता।

अमेरिका में दायर केस के मुताबिक गौरव श्रीवास्तव खुद को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का 'नॉन-ऑफिशियल कवर (एनओसी)' एजेंट बताता था। लोगों का भरोसा जीतने के लिए वह जासूसी मिशनों से जुड़ी कई कहानियां सुनाता था।

गौरव दावा करता था कि उसने सीआईए के ट्रेनिंग सेंटर 'द फार्म' में विशेष प्रशिक्षण लिया है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के तीन करीबी अफसर एक साथ हटाए गए

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के तीन करीबी अफसरों को एक साथ हटा दिया गया है। इनमें प्राइवेट सेक्रेटरी अमर सिंह और एडिशनल प्राइवेट सेक्रेटरी शैलेश कुमार सिंह और आयुष सरन शामिल हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने 3 जुलाई को अलग-अलग आदेश जारी किए। सरकार ने इन बदलावों की वजह नहीं बताई है।

2010 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी अमर सिंह को उनके मूल विभाग यानी राजस्व विभाग वापस भेज दिया गया है। वे 2021 से भूपेंद्र यादव के साथ काम कर रहे थे। वहीं, एडिशनल प्राइवेट सेक्रेटरी शैलेश कुमार सिंह को भी उनके मूल कैडर, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), भेज दिया गया है।

दूसरे एडिशनल प्राइवेट सेक्रेटरी आयुष सरन को भी पद से हटा दिया गया है।

उनके आदेश की कॉपी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कैबिनेट सचिवालय और डीओपीटी को भी भेजी गई है।

बस और ट्रक की टक्कर, ड्राइवर समेत 2 की मौत

बैंगलूरू, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर जिले में नेशनल हाईवे-44 पर मंगलवार सुबह आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। इसमें बस ड्राइवर लक्ष्मण (58) और यात्री उमाकांत राव (75) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसा चिक्कबल्लापुर तालुक के डोड्डापायलगुर्की के पास हुआ।

सूरत में 7 इंच बारिश से कई इलाके डूबे

करंट लगने से तीन की मौत, दक्षिण गुजरात में भारी बारिश का अलर्ट

सूरत, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सूरत और आसपास के जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात बन गए हैं। पिछले 24 घंटों में जिले में 7 इंच बारिश दर्ज की गई है। सूरत के कई इलाके में जलभराव की हालात हैं और फंसे लोगों को निकालने का काम जारी है।

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, आगामी 24 घंटों के दौरान सूरत और दक्षिण गुजरात में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। हालांकि, 9 जुलाई से बारिश में कमी आएगी। मनपा के आंकड़ों के मुताबिक, सेंट्रल जोन में सबसे ज्यादा 105 मिमी बारिश दर्ज की गई। सूरत के कापोद्रा में सोमवार को बिजली गिरने से एक महिला और करंट लगने से एक

लड़की की मौत हो गई। करंट लगने की घटना रांदेर इलाके में हुई।

बिजली का तार गिरने से आजम नाम का किशोर करंट की चपेट आ गया। उसे बचाने के लिए दौड़े एक सलमान शेख (35) को भी करंट लग गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। भारी बारिश के कारण शहर के कोट विस्तार, रांदेर, कतारगाम समेत कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। शाम के पीक आवर्स में हजारों लोग ट्रैफिक में फंस गए। विजिबिलिटी घटकर महज 500 मीटर रह गई थी। भारी बारिश के कारण कई जगहों पर मोपेड, बाइक और कार पानी में बंद हो गईं। वाहन चालकों को अपने वाहनों को धक्का मारकर बाहर निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा। कई इलाकों में बड़े पेड़ों के गिरने की घटनाएं हुईं।

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश के अलर्ट के चलते प्रशासन ने नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी आपदा या परेशानी की सूचना तुरंत जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 1077 पर दें और अफवाहों से दूर रहें। मौसम विभाग से हर तीन घंटे मिलने वाले मौसम अपडेट के आधार पर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट: रिटायरमेंट वाले दिन प्रमोशन का चार्ज लिया तो भी पेंशन फायदे मिलेंगे

बैंगलूरू, 7 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को रिटायरमेंट वाले दिन प्रमोशन मिलता है और वह उसी दिन प्रमोटेड पोस्ट का चार्ज वैध रूप से ले लेता है, तो उसे उस तारीख से सभी प्रमोशनल और उससे जुड़े पेंशनरी फायदे मिलेंगे। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि चार्ज दोपहर 12 बजे के बाद लेने के आधार पर प्रमोशनल लाभ नहीं रोके जा सकते। मामले में कर्मचारी 31 मई 2023 को प्रोफेसर पद पर प्रमोट हुआ। उसने उसी दिन शाम 5.20 बजे चार्ज लिया और उसी दिन रिटायर भी हो गया। बाद में उसने प्रमोशन डेट से लाभ मांगे, लेकिन राज्य सरकार ने इनकार कर दिया।

अधिकारी को रिश्वत लेने के मामले में मौत की सजा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। चीन में एक अधिकारी को रिश्वत लेने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई है। यह अधिकारी नानजिंग शहर में आर्थिक विकास विभाग में तैनात था। उसकी पहचान यांग योलिन के तौर पर हुई है। यांग योलिन को गबन करने, रिश्वत लेने, सरकारी फंड के गलत इस्तेमाल और पद के दुरुपयोग समेत मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामलों में दोषी पाया गया। अधिकारी पर पिछले 30 साल में 325 मिलियन डॉलर यानी करीब 31 अरब रुपये की रिश्वत लेने की बात साबित हुई है।

चीन में बीते लंबे वक्त से भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसे शी चिनफिंग ने शुरू किया था। हालांकि

31 अरब रुपयें की रिश्वत और फैसला सीधा सजा ए मौत..!

आलोचक चिनफिंग के इस भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान को राजनीतिक विरोधियों को रास्ते से हटाने की साजिश करार दे रहे हैं। इस अभियान के तहत अभी तक जितने भी मामले उजागर हुए हैं, उनमें से यांग योलिन की रिश्वत की रकम सबसे बड़ी बताई जा रही है। कोर्ट में दिए बयान में कहा गया है कि यांग योलिन को प्रोजेक्ट शुरू करने, जमीन आवंटन और वर्किंग कैपिटल में मदद के बदले में यह रिश्वत ऑफर की गई।

सुनवाई के दौरान यांग ने अदालत में अपनी गलती मान ली और पछतावा जाहिर किया। अदालत ने यांग की निजी संपत्ति जब्त करने और रिश्वत की पूरी रकम वसूलने का आदेश दिया है। चीन में भ्रष्टाचार के मामले में मौत की सजा पाने वाले के मामलों में यांग का उदाहरल बिल्कुल नया है। इसके पहले 2021 में सरकारी कंपनी के पार्टी सेक्रेटरी लाई जियाओमिन को रिश्वत लेने, गबन करने और एक से ज्यादा शादी करने के अपराध में फांसी दी गई थी। 2024 में इनर मंगोलिया में तैनात ली जियानपिंग को गबन और रिश्वतखोरी का दोषी पाए जाने के बाद फांसी दी गई थी।

हाथियों ने एक व्यक्ति को कुचला

हजारीबाग, 7 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड की बेलकप्पी पंचायत के जलहैया टोला बंडासिंगा में सोमवार देर रात जंगली हाथियों के झुंड ने उत्पात मचाया। इस घटना में एक व्यक्ति की हाथियों के कुचलने से मौत हो गई। हाथियों ने एक प्राथमिक विद्यालय और काली मंडा मंदिर परिसर को भी भारी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद से पूरे गांव में भय का माहौल है। मृतक की पहचान जलहैया टोला निवासी मुकेश गोस्वामी के रूप में हुई है। वह प्रतिदिन की तरह गांव के मॉडल स्कूल के सामने स्थित प्राथमिक विद्यालय के बरामदे में सो रहे थे। देर रात हाथियों का झुंड अचानक वहां पहुंच गया और उन्हें कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

तिरुचिरापल्ली में प्लास्टिक गोदाम में आग लगी

चेन्नई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के अरियामंगलम इलाके में मंगलवार को एक प्लास्टिक गोदाम में आग लग गई। आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पीओके के विरोध प्रदर्शनों को कुचलने की तैयारी, भारी फोर्स तैनात

बस असीम मुनीर के इशारे का इंतजार

इस्लामाबाद, 7 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए भारी मात्रा में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। यह तैनाती रावलकोट समेत उन जगहों पर ज्यादा की गई है, जहां प्रदर्शन जारी हैं। पीओके में 27 जुलाई को आम चुनाव भी होने हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पाकिस्तान किसी भी कीमत पर उससे पहले विरोध प्रदर्शनों को दबाना चाहता है। ऐसी आशंका है कि पाकिस्तानी सुरक्षाबल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बर्बरता से पेश आ सकते हैं, जैसा उन्होंने बलूचिस्तान और गिलगित बाल्टिस्तान में किया है।

पाकिस्तान की सेना और दूसरे

प्रशासनिक तंत्र मतदान से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में शांतिपूर्ण माहौल बनान चाहते हैं। ऐसे में पाकिस्तान सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों को सीधा निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि आगामी चुनावी प्रक्रिया में विरोध प्रदर्शन से कोई बाधा उत्पन्न न हो। पीओके में जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में हफ्तों से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यह प्रदर्शन पाकिस्तानी सेना की ज्यादतियों और सरकार की विफलताओं के खिलाफ है।

पाकिस्तानी सेना ने प्रदर्शनकारियों को अल्टीमेटम दिया है कि वे अब बातचीत नहीं करेंगे और प्रदर्शन की अनुमति भी नहीं देंगे। सूत्रों ने बताया कि सैन्य अधिकारियों ने रावलकोट में जमा प्रदर्शनकारियों को अंतिम अल्टीमेटम जारी किया है, जिसमें उनसे शांतिपूर्वक अपना धरना समाप्त करने या जबरन हटाए जाने की कार्रवाई का सामना करने को कहा गया है। माना जा रहा है कि सुरक्षा अधिकारियों ने अवामी एक्शन कमेटी के नेताओं को चेतावनी भी दी है कि यदि वे स्वेच्छा से आंदोलन वापस लेने से इनकार करते हैं, तो सुरक्षा बल विरोध स्थल को खाली कराने के लिए अभियान शुरू कर सकते हैं।

ऐसी आशंका है कि पाकिस्तानी सेना अगले 24 से 48 घंटों के भीतर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने या न करने पर अंतिम निर्णय ले सकती है।

आरक्षक भर्ती रद्द करने से हाईकोर्ट का इनकार : याचिकाएं खारिज

बिलासपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने आरक्षक भर्ती परीक्षा को पूरी तरह रद्द करने से इनकार कर दिया है। डिवीजन बेंच ने कहा कि, कुछ उम्मीदवारों की गड़बड़ी के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना न्यायसंगत नहीं है।

छत्तीसगढ़ में आरक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने की मांग कर रहे याचिकाकर्ताओं को हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है।

डिवीजन बेंच ने साफ कहा कि, उम्मीदवारों की गड़बड़ी के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना न्यायसंगत नहीं है। कोर्ट ने अब उन 129 संदिग्ध उम्मीदवारों की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से जांच कराने के निर्देश दिए हैं, जिनकी भूमिका पर सवाल उठे थे।

याचिकाकर्ता बिलासपुर निवासी विवेक दुबे, मनोहर पटेल, मृत्युंजय श्रीवास और अश्वनी कुमार ने बिलासपुर केंद्र में शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी थी। उनका दावा है कि, लंबी कूद, गोला फेंक और दौड़ में हेर-फेर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने भर्ती की पूरी प्रक्रिया को रद्द कर सीबीआई जांच की मांग की थी।

याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा, यदि गड़बड़ी करने वालों को अलग किया जा सकता है, तो निर्दोष उम्मीदवारों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना मनमाना और अनुचित होगा।

डिवीजन बेंच ने माना कि यह मामला बड़े पैमाने पर सुनियोजित भ्रष्टाचार का नहीं है। विभाग ने खुद गड़बड़ी मिलने पर जांच की है, इसलिए सीबीआई जांच की आवश्यकता नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 8 जुलाई - 2026

बंगाल के भूचाल से सदन का नया भूगोल

अशोक भाटिया

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यसभा (उच्च सदन) को हमेशा से राज्यों के प्रतिनिधित्व और विधायी संतुलन के केंद्र के रूप में देखा गया है। हाल ही में पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव परिणामों और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस में मचे अभूतपूर्व राजनीतिक घमासान के बाद संसद के इस ऊपरी सदन का भूगोल पूरी तरह बदल चुका है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपनी स्थिति को सुदृढ़ करते हुए दो-तिहाई बहुमत की दहलीज पर दस्तक दे दी है। वर्तमान संख्या बल को देखें तो एनडीए दो-तिहाई के जादुई आंकड़े से महज 9 से 11 सीटें दूर खड़ा है। इस राजनीतिक सफर का सबसे अहम मोर्चा दिल्ली नहीं, बल्कि कोलकाता बन चुका है, जहां से राज्यसभा के समीकरण तय हो रहे हैं।

ज्ञात हो कि राज्यसभा की कुल प्रभावी सदस्य संख्या 245 है। सामान्य विधेयकों को पारित कराने के लिए 123 सदस्यों के साधारण बहुमत की आवश्यकता होती है, जिससे एनडीए बहुत पहले ही आगे निकल चुका है। हाल ही में विपक्षी खेमे से हुए दलबदल और क्षेत्रीय दलों के रुख के बाद एनडीए की अपनी ताकत बढ़कर लगभग 141 हो गई है। यदि इसमें सरकार के अनुकूल रुख रखने वाले निर्दलीय और राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्यों को जोड़ दिया जाए, तो सत्ता पक्ष के पास 152 से 155 सांसदों का ठोस समर्थन दिखाई देता है। इसके विपरीत, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी 'इन्डिया' गठबंधन कमजोर होकर महज 64 सीटों पर सिमट गया है। दो-तिहाई बहुमत के लिए आवश्यक 163-164 के आंकड़े को छूने के लिए अब सरकार को केवल कुछ और सीटों की दरकार है, और यह राह बंगाल के रास्ते खुलती दिख रही है।

इस पूरे संख्या बल में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ पश्चिम बंगाल से आया है। हालिया विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर उठे सवालों के बीच टीएमसी के तीन वरिष्ठ राज्यसभा सांसदों-सुखेंदु शेखर रॉय, सुस्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाइक-ने जून में उच्च सदन और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया। भारत निर्वाचन आयोग ने बंगाल की इन तीन खाली सीटों पर 24 जुलाई को उपचुनाव कराने का ऐलान किया है। चूंकि पश्चिम बंगाल विधानसभा में अब भाजपा के पास 208 विधायकों का भारी बहुमत है, इसलिए गणितीय रूप से यह बिल्कुल साफ है कि ये तीनों सीटें सीधे तौर पर भाजपा (एनडीए) के खाते में जा रही हैं। यह टीएमसी के लिए संसदीय स्तर पर अब तक का सबसे बड़ा झटका है और एनडीए के लिए अपने दम पर सीटों की संख्या 154 तक पहुंचाने का सीधा रास्ता। इसके अलावा, टीएमसी के लोकसभा सांसदों में भी बड़ी बगावत की खबरें हैं, जिसने विपक्षी खेमे के मनोबल को पूरी तरह तोड़ दिया है।

गौरतलब है कि साधारण विधायी कार्यों के लिए तो सरकार को कोई चुनौती नहीं है, लेकिन एनडीए का असली लक्ष्य दो-तिहाई बहुमत (कम से कम 163 सीटें) हासिल करना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत किसी भी संवैधानिक संशोधन विधेयक को संसद के दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित होना अनिवार्य है। सरकार के एजेंडे में कई ऐसे बड़े और दूरगामी सुधार शामिल हैं, जिनके लिए संविधान में संशोधन करना आवश्यक है। इनमें शामिल हैं:'एक देश, एक चुनाव' देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव।लोकसभा सीटों का नया परिसीमनः नए संसद भवन की क्षमता के अनुरूप लोकसभा सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 तक करने की योजना। महिला आरक्षण का पूर्ण क्रियान्वयनः वर्ष 2029 से पहले महिलाओं के लिए विधायी सीटों के आरक्षण को जमीन पर उतारना। इन ऐतिहासिक विधेयकों को कानून का रूप देने के लिए राज्यसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पार करना मोदी सरकार के लिए अनिवार्य बन चुका है, और बंगाल की तीन सीटें इस दिशा में पहला मजबूत कदम हैं। बंगाल उपचुनावों के बाद भी दो-तिहाई के लक्ष्य से जो 9 सीटों की दूरी बचेगी, उसे पाटने के लिए भाजपा के रणनीतिकार निर्दलीय और क्षेत्रीय दलों पर नजरें टिकाए हुए हैं। राज्यसभा के इस चक्रव्यूह में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सबसे बड़े 'किंगमेकर' की भूमिका में हैं।

बीजेडी के पास 6 और वाईएसआरसीपी के पास 7 सीटें हैं। हालांकि ये दल एनडीए का औपचारिक हिस्सा नहीं हैं, लेकिन राष्ट्रीय महत्व और विकास से जुड़े मुद्दों पर इनका झुकाव अक्सर सरकार के पक्ष में रहा है। यदि किसी संवेदनशील संविधान संशोधन बिल पर इन दोनों दलों का परोक्ष या प्रत्यक्ष समर्थन मिल जाता है, तो एनडीए का आंकड़ा आसानी से 164 को पार कर जाएगा। एनडीए के लिए यह राह पूरी तरह बाधा रहित नहीं है। राज्यसभा की संरचना ऐसी है कि यह कभी पूरी तरह भंग नहीं होती और हर दो वर्ष में इसके एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं। इसी राजनीतिक चक्र के तहत, वर्ष के उत्तरार्ध (विशेषकर नवंबर) में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के 10 सदस्य सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी की मौजूदा मजबूत स्थिति को देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि इन 10 सीटों में से कुछ सीटें सपा के खाते में जाएंगी। इसका सीधा असर यह होगा कि नवंबर के बाद राज्यसभा में एनडीए की ताकत में मामूली गिरावट आ सकती है और दो-तिहाई से उसकी दूरी फिर से बढ़ सकती है। यही कारण है कि भाजपा बंगाल जैसे राज्यों से मिलने वाली हर एक सीट को अपने पाले में सुरक्षित करने के लिए इतनी आक्रामक रणनीति अपना रही है।

राज्यसभा में बंगाल के रास्ते दो-तिहाई बहुमत के बेहद करीब पहुंचने के बाद भी सरकार के सामने एक बड़ा संवैधानिक विरोधाभास खड़ा है। संविधान संशोधन के लिए केवल राज्यसभा में ही नहीं, बल्कि लोकसभा (निचले सदन) में भी दो-तिहाई बहुमत (363 सीटें) की आवश्यकता होती है।

भले ही राज्यसभा में एनडीए विपक्षी गठबंधन को पछाड़कर जादुई आंकड़े के करीब पहुंच रहा हो, लेकिन लोकसभा में उसकी दलीय स्थिति ऐसी नहीं है कि वह अपने दम पर या वर्तमान सहयोगियों के साथ मिलकर 363 का आंकड़ा छू सके। बंगाल में टीएमसी की टूट से लोकसभा में सरकार को वॉकओवर जैसा समर्थन मिल सकता है, लेकिन फिर भी पूर्ण दो-तिहाई के लिए विपक्ष के बड़े हिस्से को साथ लेना होगा।

अब ऊर्जा नीति की परीक्षा

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और होर्मुज जलमार्ग पर सामान्य स्थिति बहाल होने की संभावना ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को बड़ी ताकत दी है। इसका असर कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों पर भी दिखाई देने लगा है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए यह सकारात्मक संकेत है, क्योंकि ऊर्जा संकट महंगाई, परिवहन लागत, उद्योगों की उत्पादन क्षमता और आम नागरिक के घरेलू बजट को प्रभावित करती है। राहत के इन संकेतों के बीच प्रश्न यह है कि क्या वैश्विक बाजार में आई इस नरमी का वास्तविक लाभ उपभोक्ताओं तक समय पर और उचित अनुपात में पहुँच सकेगा? ईरान-इज़राइल तनाव के कारण होर्मुज़ जलमार्ग पर जब संकट की आशंका बनी थी, तब अपनी सरकार ने एलएनजी आयात से जुड़े आपातकालीन प्रावधान लागू किए थे। अब जब हालात सामान्य होते दिख रहे हैं और 'ओपेक प्लस' के कुछ सदस्य देशों ने तेल उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया है, तब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति में सुधार और कीमतों में नरमी की उम्मीद दिखने लगी है। ऐसे में कच्चे तेल और गैस की कीमतों पर दबाव कम होगा, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी राहत मिलेगी। अब सरकार की वास्तविक परीक्षा यह सुनिश्चित करने की है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई इस राहत का लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुँचे। जब वैश्विक बाजार में कीमतें बढ़ती हैं, तब पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस महंगी होने में देर नहीं लगती। लेकिन जब घटती है, तब उसी गति से राहत दिखाई नहीं देती। यदि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सस्ती हो रही है, तो उसका प्रभाव घरेलू ईंधन कीमतों और परिवहन लागत में भी स्पष्ट रूप से दिखना चाहिए। यही सुशासन, पारदर्शिता और आर्थिक न्याय की असली कसौटी है। आज देश अपनी कुल कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत तथा प्राकृतिक गैस की लगभग आधी आवश्यकता आयात के माध्यम से पूरी करता है। पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भरता के कारण किसी भी भू-राजनीतिक संकट का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब ऊर्जा क्षेत्र में भी आयात पर निर्भरता लगातार कम की जाए। इसके लिए केवल संकट के समय आपातकालीन प्रबंधन पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बढ़ाने, घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन को प्रोत्साहित करने, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण करने तथा सौर, पवन, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन और विद्युत वाहनों जैसी स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना होगा। इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्य भी प्राप्त होंगे। वर्तमान राहत स्थायी समाधान मानना भूल होगी। सरकार को चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई कीमतों की नरमी का लाभ पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से आम जनता तक पहुंचाए, साथ ही दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा के लिए ठोस नीतिगत सुधारों को प्राथमिकता दे। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक स्वावलंबन और दीर्घकालिक विकास की आधारशिला भी है।

वायुमण्डलीय ट्रेफिक जाम की चपेट में योरोप

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बात थोड़ी अचरजभरी लग सकती है पर सही मायने में देखा जाएं तो योरोप जिस तरह से हीटवेव की चपेट में आया हुआ है उसका बड़ा और प्रमुख कारण वायुमण्डलीय ट्रेफिक जाम है। योरोपीय देश गंभीर हीटवेव की चपेट में हैं। इस तरह की हीटवेव का कारण ओमेगा ब्लॉक की स्थिति होती है। दरअसल योरोप के वायुमण्डल में हीट डोम बनने के कारण ऐसा हुआ है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि सामान्य रुप से हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हुए आगे बढ़ती है। ओमेगा ब्लॉक की स्थिति में यह हवाएं उत्तर और दक्षिण की ओर मुड़कर ग्रीक शब्द ओमेगा का आकार बना लेती है और इस तरह से वायुमण्डल में ट्रेफिक जाम के हालात हो जाते हैं। इस कारण से आसमान साफ हो जाता है, गर्म हवाएं क्षेत्र विशेष में फंस जाती है और सूरज की किरणें सीधे उस इलाकें में पड़ने लगती है और इस कारण से तेज गर्मी अपना असर दिखाने लगती है। इसी कारण से हीटवेव का असर अधिक हो जाता है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि सामान्यतः यह हालात दो तीन दिन या सप्ताह तक रह सकते हैं पर इस बार योरोप में यह दौर लंबा चला है। इससे योरोप के इंग्लैण्ड, फ्रांस, इटली, जर्मनी सहित करीब 23 देश प्रभावित हुए हैं।आस्ट्रेलियाई नेशनल यूनिवर्सिटी और सिड्नी यूनिवर्सिटी की नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार वैज्ञानिकों ने छह बड़े हीटवेवों का अध्ययन किया है। जलवायु परिवर्तन, नमी बढ़ने गगनचुंबी इमारतों में तापमान रोधक सामग्री का उपयोग ना के बराबर होने और सुविधा के नाम पर इलेक्ट्रोनिक उत्पादों के अत्यधिक उपयोग से वातावरण प्रभावित हो रहा है। सामान्यतः यह माना जाता है कि अधिक गर्मी बच्चों और बुजुर्गो के लिए जानलेवा तक हो जाती है पर इस बार की हीटवेव अपना रौद्र रुप दिखा रही है। दरअसल योरोपवासी इतनी गर्मी के आदी भी नहीं है। इसके साथ ही हीटवेव का असर इतना अधिक है कि शरीर स्वयं अपनेआपको तापमान अनुकूल भी नहीं बना पर रहा है।

ओमेगा ब्लॉक के कारण योरोप में हीटवेव के चलते हालात यहां तक खराब हो गए कि सड़कों की डामर पिघल गई, रेल की पटरियां टेड़ी-मेड़ी हो गई। इससे ही हालात की गंभीरता को समझा जा सकता है। इसके कारण यातायात तक बाधित हो गया है। हीटवेव के कारण जंगलों में आग के समाचार आम हो रहे हैं तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालात के चलते चेतावनी जारी की है।

योरोप के देशों में तापमान 40 सेल्सियस से अधिक पहुंच गया और इससे जनजीवन तक बुरी तक प्रभावित हो गया है। देखा जाएं तो योरोप का मौसम संतुलन तक बिगड़ गया है। हांलाकि प्रकृति के साथ अत्यधिक छेड़-छाड का परिणाम समूचा विश्व भुगत रहा है। तापमान में बढ़ोतरी वैश्विक है पर योरोप में इस बार हीटवेव के हालात अधिक गंभीर हो गये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की माने तो हीटवेव के कारण योरोप में एक तरह से हेल्थ इमरजेंसी के हालात बन गए और तेज गर्मी के कारण मौसम जनित बीमारियों और हीटवेव के चपेट में आने से हजारों लोगों को जीवन से हाथ धौना पड़ा है।

प्रकृति की इस नाराजगी का असर अब गंभीरता से सामने आ रहा है। जनजीवन जहां अस्तव्यस्त हो रहा हैं वही विश्लेषकों की माने तो योरापीय देशों की अर्थव्यवस्था पर आज के हालात में 11 लाख करोड़ का असर पड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है वहीं 2030 तक 61 लाख करोड़ का नुकसान भुगतने के लिए योरोप को तैयार रहना होगा। सीधी सी बात है कि यह प्राकृतिक प्रकोप कोई एक दिन की देन नहीं है। हालात को देखते हुए योरोपीय देशों में एयर कण्डीशनर जैसे उपकरणों की अत्यधिक मांग बढ़ी है। यहां तक कि इंग्लैण्ड में 300 फीसदी से अधिक तो फ्रांस में हजार फीसदी तक मांग बढ़ गई है। इसके साथ ही तापमान नियंत्रित करने वाले अन्य उपकरण फ्रीज आदि की मांग बढ़ी है।

पीडीए से प्लान-100 तक सपा का नया दांव

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी रणनीति जितनी बूथ पर बनती है, उतनी ही सामाजिक समीकरणों की प्रयोगशाला में भी तैयार होती है। 2027 विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन समाजवादी पार्टी ने जिस तरह अपनी रणनीति को जमीन पर उतारना शुरू किया है, उसने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। 2024 लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फॉर्मूले की सफलता के बाद अब अखिलेश यादव उसी रणनीति को और बड़ा आकार देने की तैयारी में हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लक्ष्य केवल भाजपा को चुनौती देना नहीं, बल्कि बहुजन समाज पार्टी के पारंपरिक दलित वोट बैंक में स्थायी सेंध लगाना भी है। समाजवादी पार्टी के अंदर चल रही तैयारियों के मुताबिक, पार्टी 2027 विधानसभा चुनाव में करीब 100 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उम्मीदवारों को टिकट देने की रणनीति पर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति के लिए 84 और अनुसूचित जनजाति के लिए दो सीटें आरक्षित हैं। इसके अलावा लगभग 14 सामान्य सीटों पर भी दलित उम्मीदवार उतारने की तैयारी है। अगर ऐसा होता है तो उत्तर प्रदेश के चुनावी इतिहास में यह पहली बार होगा, जब समाजवादी पार्टी इतनी बड़ी संख्या में दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। यह सिर्फ टिकट वितरण नहीं होगा, बल्कि दलित राजनीति में अपनी नई पहचान गढ़ने की कोशिश भी होगी।

इस रणनीति की शुरुआत दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। फैजाबाद (अयोध्या) की सामान्य सीट से पासी समाज के अवधेश प्रसाद को टिकट देकर सपा ने बड़ा राजनीतिक जोखिम उठाया था। भाजपा के सबसे प्रतिष्ठित राजनीतिक और वैचारिक गढ़ माने जाने वाले अयोध्या में अवधेश प्रसाद की जीत ने पूरे देश का ध्यान खींचा। इसी तरह मेरठ जैसी सामान्य सीट पर दलित चेहरा सुनीता वर्मा को मैदान में उतारा गया। वह चुनाव भले हार गईं, लेकिन भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल को महज 10,585 वोटों के अंतर तक सीमित कर दिया। इन दोनों नतीजों ने सपा नेतृत्व को यह भरोसा दिलाया कि यदि सही सामाजिक समीकरण और मजबूत स्थानीय उम्मीदवार मिले, तो सामान्य सीटों पर भी दलित उम्मीदवार जीत का समीकरण बना सकते हैं। यही कारण है कि अब पार्टी इस प्रयोग को पूरे प्रदेश में दोहराने की तैयारी कर रही है। पार्टी का मानना है कि सामान्य सीटों पर दलित उम्मीदवार उतारने से दो बड़े संदेश जाएंगे। पहला, दलित समाज को यह महसूस होगा कि समाजवादी पार्टी उन्हें केवल आरक्षित सीटों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि सत्ता में व्यापक भागीदारी देना चाहती है। दूसरा, पार्टी अपनी वर्षों पुरानी 'यादव-मुस्लिम पार्टी' वाली छवि से बाहर निकलने की कोशिश करेगी। दरअसल, समाजवादी पार्टी की पूरी रणनीति का केंद्र उत्तर प्रदेश की बदलती दलित राजनीति है। 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में अनुसूचित जाति की आबादी लगभग 21 प्रतिशत है। लंबे समय तक यही वोट बैंक मायावती और बहुजन समाज पार्टी की सबसे बड़ी ताकत रहा। लेकिन पिछले कुछ चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि यह आधार लगातार कमजोर हुआ है। 2017 विधानसभा चुनाव में बसपा को 22.23 प्रतिशत वोट मिले थे और पार्टी ने 19 सीटें जीती थीं। 2022 में उसका वोट शेयर घटकर 12.88 प्रतिशत रह गया और पार्टी केवल एक सीट जीत सकी। 2024 लोकसभा चुनाव में तो बसपा एक भी सीट नहीं जीत पाई और उसका वोट शेयर 2019 के 19.43 प्रतिशत से गिरकर 9.4 प्रतिशत रह गया। यही वह राजनीतिक खाली जगह है, जिस पर समाजवादी पार्टी अपनी पूरी ताकत लगा रही है। सपा की राजनीतिक गणित केवल दलितों तक सीमित नहीं है। पार्टी ने 2024 लोकसभा चुनाव में 62 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें सिर्फ पांच यादव और चार मुस्लिम उम्मीदवार थे। दिलचस्प बात यह रही कि सभी नौ उम्मीदवार जीतकर संसद पहुंचे। सात दलित सांसद भी समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा पहुंचे। पार्टी इसे अपने सामाजिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण मानती है। यही वजह है कि 2027 में टिकट वितरण के दौरान यादव और मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या सीमित रखने तथा दलित, पिछड़े और अन्य समुदायों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की रणनीति पर काम हो रहा है। लेकिन चुनाव सिर्फ टिकटों से नहीं जीते जाते। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी ने संगठन के स्तर पर भी बड़ा अभियान शुरू किया है। पार्टी ने उन 100 विधानसभा सीटों की पहचान की है, जहां उसे लगातार तीन चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। 2012, 2017 और 2022 के चुनावी आंकड़ों की समीक्षा के बाद इन सीटों को सबसे कमजोर कड़ी माना गया। अब इन्हें जीतने के लिए अलग से अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 40 कमजोर बूथों की पहचान की गई है। इन बूथों पर सक्रिय और जुझारू कार्यकर्ताओं की तैनाती की जा रही है। निर्देश दिया गया है कि पदाधिकारी महीने में कम से कम 15 दिन क्षेत्र में सक्रिय रहें। जो नेता क्षेत्र में समय नहीं दे सकते, उन्हें जिम्मेदारी छोड़ने तक की सलाह दी गई है। इसके साथ ही हर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 5,000 वोटों का प्रभाव रखने वाली जातियों के प्रभावशाली लोगों को संगठन में पद देकर जोड़ने की योजना बनाई गई है। शहरों में यही मॉडल वार्ड स्तर पर लागू किया जा रहा है।सपा की नजर विशेष रूप से गैर-जाटव दलितों पर है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जाटव समुदाय का बड़ा हिस्सा अभी भी मायावती के साथ खड़ा दिखाई देता है, लेकिन गैर-जाटव दलितों का मतदान व्यवहार पिछले कुछ चुनावों में तेजी से बदला है। 2017 विधानसभा, 2019 लोकसभा और 2022 विधानसभा चुनाव में इस वर्ग का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर गया था। जबकि 2024 लोकसभा चुनाव में बड़ी संख्या में गैर-जाटव दलित मतदाता समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन की ओर झुकते दिखाई दिए। सपा चाहती है कि यही बदलाव 2027 तक स्थायी राजनीतिक समर्थन में बदल जाए।

हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं है। भाजपा भी पिछले कई वर्षों से गैर-यादव पिछड़ों और दलित समुदायों में लगातार अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। सरकार और संगठन, दोनों स्तरों पर सामाजिक संतुलन बनाने की कोशिशें जारी हैं। दूसरी तरफ मायावती भी दलित-ब्राह्मण सोशल इंजीनियरिंग को नए रूप में फिर से खड़ा करने में जुटी हैं। ऐसे में दलित वोटों की लड़ाई इस बार त्रिकोणीय होने के पूरे आसार हैं। कांग्रेस भी इस मुकाबले में पीछे नहीं रहना चाहती। संविधान बचाओ अभियान, दलित प्रतीकों पर फोकस और दलित नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति के जरिए कांग्रेस भी दलित मतदाताओं में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पतन: 13 साल की नाबालिग बच्ची चार होटल और 32 दरिंदे

मनोज कुमार अग्रवाल

राजस्थान के श्रीगंगानगर में उस समय बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओ अभियान व नारी सशक्तिकरण के तमाम नारे धूल धुसरित हो गए जब एक तेरह साल की नाबालिग बच्ची को चार होटलों में ले जाकर तीस से अधिक नर पिचाश दरिंदों ने बेरहमी से दरिंदगी की। जहां एक शर्मनाक और खौफनाक वारदात ने इंसानियत और कानून व्यवस्था दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।महज 13 साल की एक बच्ची के साथ ऐसी हैवानियत की गई, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया।इस घिनौनी वारदात के सामने आने के बाद पूरे जिले में गुस्सा फूट पड़ा और लोग सड़कों पर उतर आए हैं।पुलिस प्रशासन, संगठित अपराधियों और अवैध होटलों के नेटवर्क को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं।मगर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या उस मासूम को इंसाफ मिल पाएगा?

आपको बता दें 18 जून 2026 के दिन जब इस खौफनाक कहानी की शुरुआत हुई।पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, 13 साल की पीड़ित बच्ची अपनी एक सहेली से मिलने श्रीविजयनगर गई थी।परिवार को उम्मीद थी कि वह जल्द घर लौट आएगी, लेकिन अचानक घरवालों से उसका संपर्क टूट गया।और वो लौटकर घर नहीं आई।उसे तलाश किया गया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।उसकी कोई खबर ना मिलने से घरवालों की चिंता बढ़ती गई और कुछ ही घंटों में यह मामला एक रहस्यमय गुमशुदगी में बदल गया.घरवाले पुलिस के पास पहुंचे।मदद की गुहार लगाई।तहरीर लेने के बाद पुलिस हरकत में आ गई।पुलिस जांच के मुताबिक, उसी रात बच्ची श्रीगंगानगर पहुंची थी और घर जाने के लिए एक ई-रिक्शा में बैठी।शैतान की एंट्री - आरोप है कि उसी दौरान रामबाबू नाम का एक ई-रिक्शा चालक उसे मिल गया।उसने बच्ची को बातों ही बातों में विश्वास में ले लिया और उसे घर छोड़ने का भरोसा दिया।लड़की उसके साथ ई रिक्शा में बैठ गई।उसे इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि अगले कुछ मिनटों में उसके साथ क्या होने वाला है।रामबाबू उसे घर पहुंचाने के बजाय एक होटल में ले गया।जहां उसने लड़की को होटल संचालक के हवाले कर दिया।बताया जा रहा है कि इसके बदले उसे अच्छे खासे पैसे मिले।अब वो मासूम बच्ची ऐसे जाल में फंस चुकी थी, जहां से निकलना उसके लिए नामुमकिन सा हो गया था.इस मामले की तफ्तीश में जुटी पुलिस बताती है कि जांच में सामने आया कि बच्ची को सबसे पहले 'होटल जॉय इन' ले जाया गया था।इसके बाद अगले कई दिनों तक उसे एक होटल से दूसरे होटल में ले जाया जाता रहा।शुरुआती जांच में तीन होटलों की जानकारी पुलिस को मिली थी, लेकिन बाद में बीरबल चौक के पास मौजूद 'ड्रीम' नाम के चौथे होटल का भी पता चला।पुलिस के अनुसार, एक बाद एक इन सभी होटलों में बच्ची को छिपाकर रखा गया था।और वहीं उसकी आबरू लूटी गई।जिस्म का धंधा - आरोप है कि होटल मालिकों और मैनेजरों ने पांच दिनों के भीतर उस मासूम बच्ची को 30 से ज्यादा लोगों के सामने परोसा किया।आरोपों के मुताबिक, दिन के समय भी कई कई लोग उसके साथ रेप करते थे।कहा जाए तो उसके साथ लगातार गैंग रेप किया गया।दरिदों ने मौका मिलते ही उसके साथ दरिंदगी की।मामले में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब दरिंदगी के दौरान वो बच्ची दर्द से तड़पती थी, तब उसे शांत करने और सुलाने के लिए जबरन उसे शराब पिलाई जाती थी।और फिर उसकी इज्जत को तार तार किया जाता था।बताया जा रहा है कि होटल मालिकों ने एक एक दिन में कई लोगों को बच्ची के साथ दरिंदगी करने की छूट दी थी।

इस पूरी कहानी ने प्रदेश को ही नहीं देश को झकझोर दिया है.वहशीपन की ये कहानी यहीं खत्म नहीं हो जाती।इस मामले में एक और सनसनीखेज आरोप तब सामने आया, जब जांच एजेंसियों को पता चला कि एक होटल मैनेजर ने उस बच्ची की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर भेजी थीं।इसी के बाद दरिंदगी का वो शर्मनाक खेल शुरू हुआ, जिसके चलते कई लोगों ने उस बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया।इसी तरह से कई अन्य लोग भी इस गुनाह की कड़ी से जुड़ते चले गए।ये वही लोग थे, जो बच्ची की आबरू का सौदा करने के लिए बारी-बारी से होटल पहुंचे थे।

पुलिस का शिकंजा - पुलिस के अनुसार, बच्ची की उन्हीं तस्वीरों के जरिए कई अहम सुराग जांच करने वाली टीम के हाथ लगे.उधर, बच्ची के लापता होने के बाद परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।पुलिस ने जांच शुरू की और 22 जून को 'होटल जॉय इन' से बच्ची को बरामद कर लिया गया।इसके बाद मामले की परतें खुलनी शुरू हुईं।

जांच आगे बढ़ी तो यह मामला कथित तौर पर संगठित अपराध और मानव तस्करी के एंगल तक पहुंच गया.पुलिस ने इस मामले में अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार किए गए लोगों में ई-रिक्शा चालक रामबाबू, होटल मालिक मयंक सैन, होटल मैनेजर हरदीप नाथ और सचिन सहित कई अन्य आरोपी शामिल हैं।इसके अलावा दीपक और तरुण नामक दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है।पुलिस का कहना है कि कुछ आरोपियों ने सीधे अपराध किया, जबकि कुछ ने इस गुनाह में सहयोग किया है। बुलडोजर एक्शन - होटलों पर चला बुलडोजर जिला प्रशासन ने उन होटलों को चिन्हित किया जहां इस वारदात को अंजाम दिया गया था और जो अवैध रूप से निर्मित थे। इनमें होटल जॉय इन , होटल सफायर और होटल ड्रीम लैंड शामिल हैं, जिन्हें पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया।

स्वामी जी की सोच निराली

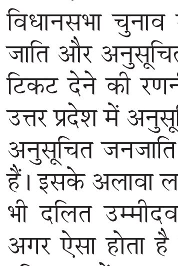

डॉ टी महादेव राव

आईआईटी वाले संन्यासी की चर्चा कुंभ मेले के दौरान खूब हुई कि इतना पढ़ा लिखा, तेजस्वी व्यक्ति संन्यासी हो गया। मैंने देखा मेरे पड़ोसी का लड़का जिसने पीएच डी किया था, सरकारी दफ्तर में चपरासी हो गया, लेकिन किसी ने चर्चा नहीं की, बातें नहीं की। दोनों पढ़े लिखे भारत के भविष्य निर्माता हो सकते थे। दोनों खासे पढ़े लिखे और दोनों के परिवर्तित पोजीशन का नाम सी से समाप्त होता है। संन्यासी और चपरासी।

जब यह बात मैं अपने संपादक महोदय से कर रहा था, उन्होंने कहा अच्छा याद दिलाए। अपने शहर के पांच सितारा होटल नोवाटेल में एक संत महात्मा मोक्षानंद महानंद स्वामी पधारे हुए हैं। उनके पीए से मैंने बात कर ली है। वे अपने प्रवचन के समय ही इंटरव्यू देने के लिए तैयार हो गए। आप जाइए और इंटरव्यू कीजिए। हम अपने अखबार में और चैनल पर भी डालेंगे।

स्वामी जी का देव आनंद से कोई रिश्ता है जो नाम के साथ इतने आनंद लगाए बड़े आनंद के साथ फाइव स्टार होटल में परमानंद प्राप्त कर रहा है।

राव! आप अपना व्यंग्य बाद में सुनाना। काम पूरा हो जाए पहले।

मैं बॉस में हास्य ग्रंथि की कमी पर हंसता हुआ बाहर आ गया।

फाइव स्टार होटल का सम्मेलन कक्ष खचाखच भरा हुआ था। सामने से दूसरी और तीसरी पंक्तियों में पत्रकारों के लिए कुर्सियां खाली थीं। मुझे देख कर उनके शिष्य ने कान में कुछ कहा, शायद उनका निजी सचिव था। सभी अपने ऑफिशियल ड्रेस यानी पीताम्बर और गेरुआ वस्त्र धारे हुए थे। स्वामी महानंद ने मेरी तरफ आशीष का हाथ दिखाया और पूछने को कहा। मैं मुस्कुरा दिया। कैमरामैन को हिदायत दे रखी थी मैंने कि मुझे शूट न करे।

स्वामी जी। संन्यासी के लक्षण और गुण क्या होने चाहिए?

सुंदर सामयिक प्रश्न। संन्यासी को मोह, माया और सांसारिक सुखों का परित्याग करना चाहिए। काम, क्रोध, मद, लोभ से दूरी बनाए रखनी चाहिए।

मोह यानी किसी चीज से लगाव, माया मतलब धन, दौलत आदि, विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण अर्थात काम, भावनाओं की भड़ास अर्थात क्रोध, दूसरों के प्रति अहंकारी व्यवहार मद, और लोभ से बचना चाहिए। यही न स्वामी जी?

सर्वसंग परित्याग का वही अर्थ है! उन्होंने पास बुलाकर पीए से शायद मेरा नाम पूछा फिर बोले महादेव जी। आप तो काफी कुछ जानते हैं। सही कह रहे हैं।

प्रश्न यह है स्वामी जी कि जब सब कुछ छोड़ देना है तो फाइव स्टार होटल में आपके प्रवचन के क्या अर्थ हैं? बाहर कहीं पंडाल लगाकर भी तो यह कार्यक्रम किया जा सकता है न? और तो और मैंने सुना है कि एक प्रवचन का आप पांच लाख रुपए चार्ज करते हैं।

उनके चेहरे पर कई रंग आए गए। शांत मुद्रा बनाकर आंखे मूंदी फिर बोले सत्य प्रश्न। हम यहां अपने लिए थोड़े ही हैं। भक्तों को कष्ट न हो इसलिए उन्हीं लोगों ने यह व्यवस्था की है। रही बात पांच लाख की यह हम नहीं लेते हैं आश्रम की व्यवस्था के लिए उन्हीं लोगों ने दिया है, दे रहे हैं।

उन्हीं लोगों ने बार बार कहते हुए वे मुझे फिल्म पाकीज़ा का इन्हीं लोगों ने ले ली ना दुपट्टा मेरा गीत याद दिला गए। बहुत अच्छा कहा स्वामीजी अपने।

भगवान जगन्नाथ को तुलसी व कमल हैं प्रिय जिनको चढ़ाने से तुरंत हो जाते हैं खुश

पुरी में 16 जुलाई से शुरू हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगवान महाप्रभु की विशेष पूजा होती है. शास्त्रों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ को तुलसी और कमल के फूल अत्यंत प्रिय हैं, इन्हें अर्पित करने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं.

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का भव्य उत्सव 16 जुलाई से शुरू होगा और 24 जुलाई तक चलने वाला है। इस शुभ अवसर पर पुरी धाम से लेकर देशभर में भक्त भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा देवी की पूजा करेंगे। सनातन धर्म में यह माना जाता है कि भक्ति के अनुष्ठानों से भगवान खुश होते हैं। हालांकि, हर देवी-देवता के अपने प्रिय फूल और वस्तुएं होती हैं। शास्त्रों और पुरी मंदिर की सदियों पुरानी परंपरा के मुताबिक, भगवान जगन्नाथ देव के कुछ विशेष प्रिय फूल हैं, जिनकी पूजा करने पर वे तुरंत खुश हो जाते हैं।

यदि आप भी घर या मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा करना चाहते हैं, तो भगवान जगन्नाथ के प्रिय फूलों की लिस्ट और उनकी पूजा में वर्जित फूलों के बारे में जान लीजिए। भगवान जगन्नाथ वास्तव में भगवान विष्णु या कृष्ण का अवतार हैं इसलिए भगवान विष्णु की तरह तुलसी के पत्ते भगवान जगन्नाथ के चरणों को अत्यंत प्रिय हैं। तुलसी के बिना भगवान महाप्रभु की पूजा या 56 भोग अपूर्ण रहते हैं।

इसके अलावा, उनकी पूजा में कमल का फूल सर्वोपरि है। कमल का फूल पवित्रता और सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, जिसे भगवान महाप्रभु को अर्पित करने से भक्त के हृदय की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। भगवान महाप्रभु को सुगंधित फूल बहुत पसंद हैं। इन फूलों का उपयोग पुरी मंदिर में दैनिक सजावट और पूजा अनुष्ठानों में किया जाता है।

भगवान जगन्नाथ को ये फूल हैं प्रिय

चमेली और मालतीः इन सफेद सुगंधित फूलों का उपयोग प्रतिदिन भगवान महाप्रभु के लिए माला बनाने में किया जाता है।

चंपाः चंपा के फूलों की सुगंध भगवान जगन्नाथ को बहुत पसंद आती है।

पारिजातः इन फूलों का व्यापक रूप से पूजा-अर्चना और सजावट में उपयोग किया जाता है।

कदंब और रजनीगंधाः कदंब का फूल भगवान कृष्ण का पसंदीदा है और इसका जगन्नाथ पूजा में विशेष महत्व है।

पुरी के जगन्नाथ संप्रदाय से जुड़े लोगों के अनुसार, तुलसी के अलावा भगवान महाप्रभु की पूजा में विशेष रूप से 'दयाना' नामक सुगंधित पत्ते का उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त हर रात्रि को सोने से पहले भगवान महाप्रभु को सुगंधित फूलों और तुलसी से बनी एक विशेष 'बनमाला' पहनाई जाती है, जिसे 'बनमाला बेश' कहा जाता है।

जगन्नाथ पूजा के दौरान कौन से फूल वर्जित हैं?

धतूरा और आकः हालांकि इन फूलों का उपयोग शिव पूजा में किया जाता है, लेकिन जगन्नाथ पूजा में इनका उपयोग वर्जित है।

जावा फूलः देवी काली को प्रिय लाल जावा फूल का उपयोग आमतौर पर भगवान जगन्नाथ की पूजा में नहीं किया जाता है।

केतकी या कीयाः पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, विष्णु या कृष्ण की पूजा में केतकी के फूलों का उपयोग वर्जित है।

शास्त्रों के अनुसार, यदि आप भगवान महाप्रभु के चरणों में श्रद्धापूर्वक एक तुलसी का पत्ता और एक ताजा कमल का फूल भी अर्पित करते हैं, तो भगवान जगन्नाथ अत्यंत प्रसन्न होते हैं और भक्त को सुख, समृद्धि और मन की शांति प्रदान करते हैं।

सागर मंथन से निकलीं वो चीजें, जिनको देवताओं ने भी हाथ लगाने से कर दिया था इनकार

पौराणिक कथाओं में सागर मंथन के बारे में विस्तार से बताया गया है। सागर मंथन देवताओं और असुरों दोनों ने मिलकर किया था। सागर मंथन की कथा हिंदू धर्म की सबसे प्रसिद्ध और रहस्यमयी घटनाओं में से एक बताई जाती है। ये देवताओं और असुरों के बीच हुए संघर्ष की कहानी भर नहीं है, बल्कि इसमें जीवन, धैर्य, ज्ञान और आध्यात्मिकता के कई गहरे संदेश मिलते हैं। पुराणों में बताया गया है कि संसार में एक समय ऐसा आया जब असुरों की शक्तियां बढ़ती गईं और देवताओं की शक्ति क्षीण होने लगी।

उस समय देवताओं ने भगवान विष्णु की शरण ली। उन्होंने देवताओं को सागर का मंथन करने की सलाह दी, जिससे अमृत मिल सके। सागर मंथन के लिए मंदराचल पर्वत को मथनी और नागराज वासुकि को रस्सी के रूप में उपयोग किया गया। देवता और असुर दोनों ने मिलकर सागर मंथन प्रारंभ किया। फिर सागर से से एक से बढ़कर एक चमत्कारी रत्न बार आए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सागर मंथन से तीन ऐसी चीजें भी निकली थीं, जिनको देवताओं ने भी छूने से इनकार कर दिया था सागर मंथन में सबसे पहले बाहर आया कालकूट विष। ये कोई साधारण विष नहीं था, बल्कि इसकी गर्मी और धुएं में तीनों लोकों को जला देने की शक्ति थी। इस विष के असर से देवता और असुर दोनों ही अपनी जान बचाकर भागने लगे। किसी में भी हिम्मत नहीं हुई कि वो इसको हाथ लगा सके। तब संसार की रक्षा के भगवान शिव ने कालकूट विष को अपने कंठ में धारण किया।

वारुणी यानी मदिरा

मंथन के दौरान एक और चीज को देवताओं ने हाथ लगाने से साफ मना कर दिया। ये चीज थी वारुणी, जिसे मदिरा या शराब कहा जाता है। वारुणी का प्राकट्य एक ऐसी देवी शक्ति के रूप में हुआ था, जोकि नशे और तामसिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देने वाली थी। देवताओं को इस बात का ज्ञान था कि मदिरा का सेवन करने से बुद्धि का नाश हो सकता है, इसलिए पवित्र आचरण को बनाए रखने के लिए देवताओं ने वारुणी को छूने से मना कर दिया।

दरिद्रता की देवी

सागर मंथन से देवी लक्ष्मी के निकलने से ठीक पहले उनकी बड़ी बहन ज्येष्ठा निकली थीं, जिन्हें अलक्ष्मी, मूदेवी या दरिद्रता की देवी भी कहते हैं। ज्येष्ठा बहुत डरावनी थीं। वे जहां जातीं, वहां दुख, बीमारी और दरिद्रता लेकर जाती थीं। उनके इस विनाशकारी स्वभाव के कारण देवताओं ने उन्हें अपने साथ रखने या छूने से बिल्कुल इनकार कर दिया।

शत्रु शनि के नक्षत्र में जा रहे हैं सूर्य देव 20 जुलाई से इन राशियों की चमकेगी किस्मत!

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के राजा सूर्य देव का नक्षत्र परिवर्तन एक बहुत ही महत्वपूर्ण खगोलीय घटना माना जाता है। इस साल 20 जुलाई 2026 को सूर्य देव एक बड़ा फेरबदल करने जा रहे हैं। सूर्य देव, शनि के स्वामित्व वाले और सभी नक्षत्रों के राजा माने जाने वाले पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। आइए जानते हैं इस परिवर्तन से किन 4 राशि वालों की किस्मत चमकने वाली है,

ज्योतिष में ग्रहों के राशि परिवर्तन के साथ-साथ नक्षत्र परिवर्तन को भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। नक्षत्र बदलने से ग्रहों के प्रभाव में सूक्ष्म लेकिन गहरा बदलाव आता है, जिसका असर सभी 12 राशियों पर देखने को मिलता है।

20 जुलाई 2026 को ग्रहों के राजा सूर्य देव शनि के स्वामित्व वाले पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। सूर्य और शनि के बीच शत्रुता का संबंध माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद पुष्य नक्षत्र को सबसे शुभ और कल्याणकारी नक्षत्रों में गिना जाता है। ऐसे में सूर्य का इस नक्षत्र में प्रवेश कई लोगों के लिए तरक्की, मान-सम्मान और आर्थिक लाभ के नए अवसर लेकर आ सकता है। आइए जानते हैं पुष्य नक्षत्र क्या है, किन राशियों को इस गोचर का सबसे अधिक लाभ मिलेगा और बाकी राशियों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पुष्य नक्षत्र क्या होता है?

पुष्य नक्षत्र वैदिक ज्योतिष के 27 नक्षत्रों में आठवां नक्षत्र है। इसका स्वामी शनि ग्रह है, जबकि इसकी अधिष्ठात्री देवता देवगुरु बृहस्पति माने जाते हैं। यही कारण है कि यह नक्षत्र अनुशासन, ज्ञान, समृद्धि, पोषण और शुभ कार्यों का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में पुष्य नक्षत्र को इतना शुभ माना गया है कि विवाह को छोड़कर सभी मांगलिक कार्य, नया व्यापार शुरू करना, वाहन खरीदना, गृह प्रवेश, निवेश और धार्मिक कार्य इस नक्षत्र में शुभ माने जाते हैं।

सूर्य का पुष्य नक्षत्र में प्रवेश क्यों है खास?

सूर्य आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सरकारी कार्य, पद-प्रतिष्ठा, पिता, ऊर्जा और सम्मान के कारक ग्रह हैं। जब सूर्य पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तो व्यक्ति को अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलती है। लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ सकते हैं और मेहनत का बेहतर परिणाम मिलने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि सूर्य और शनि के बीच शत्रुता का संबंध माना जाता है, लेकिन पुष्य नक्षत्र की शुभ ऊर्जा इस गोचर के प्रभाव को संतुलित करने का काम करती है। इसलिए कई राशियों को इस दौरान अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए यह गोचर सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिलने के साथ पदोन्नति के अवसर बन सकते हैं। कारोबार में नई योजनाएं सफल हो सकती हैं और आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए सूर्य का यह नक्षत्र परिवर्तन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि

सूर्य सिंह राशि के स्वामी हैं, इसलिए इस गोचर का सकारात्मक असर सिंह राशि वालों पर अधिक देखने को मिल सकता है। करियर में नई उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि वालों के लिए यह समय करियर और आर्थिक मामलों में शुभ साबित हो सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने लगेंगे। व्यापार में विस्तार के नए अवसर मिल सकते हैं और आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं।

अन्य राशियों के लिए कैसी रहेगी स्थिति?

सूर्य का पुष्य नक्षत्र में प्रवेश सभी राशियों पर अलग-अलग प्रभाव डालेगा। जिन राशियों को विशेष लाभ नहीं मिलेगा, उन्हें भी घबराने की जरूरत नहीं है। इस दौरान धैर्य और अनुशासन बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण रहेगा।

बापटला जिले में शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए हो रही थी खुदाई में जमीन के नीचे मिलीं अद्भुत मूर्तियां

आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में 300 साल पुराने श्री विश्वेश्वरैया मंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान 15 प्राचीन पत्थर की मूर्तियां मिली हैं। इनमें मां लक्ष्मी सहित कई देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। शिव मंदिर परिसर में वैष्णव मूर्तियों का मिलना चर्चा का विषय बना हुआ है।

आंध्र प्रदेश के बापटला जिले के भट्टीप्रोलू मंडल के ओलेरू गांव में स्थित श्री विश्वेश्वरैया मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है। इस दौरान प्राचीन पत्थर की मूर्तियां मिलना चर्चा का विषय बन गया है। लगभग 300 वर्ष पुराने इस मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य की अधिकारी निगरानी कर रहे हैं। मंदिर परिसर में बुलडोजर से खुदाई की जा रही थी, जिसमें भारी पत्थरों के नीचे से टकराने की आवाजें सुनाई दीं। इस पर संदेह होने पर स्थानीय लोगों ने मशीन से खुदाई रोक दी और बड़ी सावधानी से हाथों से खुदाई शुरू की।

इस प्रक्रिया में एक-एक करके पत्थर की मूर्तियां मिलने पर, इस आशंका के साथ खुदाई जारी रखी गई कि शायद वहां और भी मूर्तियां हों। अंत में, कुल 15 प्राचीन पत्थर की मूर्तियां मिलीं। इनमें से 12 अलवार की मूर्तियां, एक लक्ष्मी देवी की मूर्ति, एक नरसिम्हा स्वामी की मूर्ति और एक विश्वक्षेना की मूर्ति की पहचान की गई।

ग्रामीणों ने सावधानीपूर्वक जमीन से मूर्तियों को निकाला और विशेष पूजा-अर्चना करके उन्हें मंदिर परिसर में सुरक्षित रख दिया। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी मल्लेला रमेश को जब इस मामले की जानकारी मिली तो उन्होंने उच्च अधिकारियों को सूचित किया। ओलेरू गांव के पूर्व बंदोबस्ती विभाग आयुक्त मुक्तेश्वर राव ने मूर्तियों का निरीक्षण किया और पुरातत्व विभाग के अधिकारियों की मदद से उनके काल का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

मूर्ति मिलने से उठे सवाल

हालांकि, शिव मंदिर परिसर में वैष्णव परंपरा की अलवार, लक्ष्मी देवी, नरसिम्हा स्वामी और विश्वक्षेना की मूर्तियों का मिलना रोचक तथ्य है। क्या अतीत में इस क्षेत्र में कोई वैष्णव मंदिर था या इन मूर्तियों को किसी कारणवश जमीन में दबाकर रखा गया था? **अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।**

प्राचीन मूर्तियों का यह खजाना सामने आने के बाद से यह घटना स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गई है। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने इन मूर्तियों के काल और इन्हें स्थापित करने वाले व्यक्ति के बारे में शोध शुरू कर दिया है। रिपोर्ट जारी होने के बाद और अधिक जानकारी मिलने की संभावना है।

जुलाई में खरीदनी है नई गाड़ी? घर लाने से पहले नोट कर लें ये सबसे शुभ मुहूर्त

किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले शुभ मुहूर्त देखने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। घर खरीदना हो, विवाह करना हो या नया वाहन लेना हो, लोग पंचांग में शुभ समय देखा जाता है। ऐसे में अगर आप जुलाई 2026 में नई कार, बाइक, स्कूटर या कोई अन्य वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो पहले इस महीने के शुभ मुहूर्त जरूर जान लें। भारतीय परंपरा में किसी भी बड़े कार्य की शुरुआत या कीमती वस्तु की खरीदारी करने से पहले पंचांग देखकर शुभ मुहूर्त चुनने की सदियों पुरानी परंपरा रही है। गाड़ी या कोई भी नया वाहन खरीदना हर व्यक्ति के जीवन का एक बड़ा सपना और बड़ा निवेश होता है। यही वजह है कि आज भी लोग सही दिन, शुभ तिथि और नक्षत्र देखे बिना न तो गाड़ी की बुकिंग करते हैं और न ही उसे अपने घर लेकर आते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि कोई भी वाहन शुभ समय में खरीदा जाए तो वह लंबे समय तक परिवार के लिए सुख, सुरक्षा, सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का कारण बनता है। अगर आप भी जुलाई 2026 के इस महीने में अपने लिए नई कार, बाइक, स्कूटर खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले जुलाई के सभी शुभ मुहूर्तों की यह पूरी लिस्ट जरूर नोट कर लें।

जुलाई 2026 में वाहन खरीदने के शुभ मुहूर्त

8 जुलाई 2026 सुबह 5:30 बजे से दोपहर 12:21 बजे तक।

12 जुलाई 2026 सुबह 5:32 बजे से रात 10:29 बजे तक।

19 जुलाई 2026 शाम 6:12 बजे से 20 जुलाई सुबह 3:29 बजे तक।

24 जुलाई 2026 सुबह 5:38 बजे से 25 जुलाई सुबह 4:36 बजे तक।

29 जुलाई 2026 दोपहर 3:37 बजे से 30 जुलाई सुबह 5:41 बजे तक।

30 जुलाई 2026 सुबह 5:41 बजे से रात 9:30 बजे तक शुभ मुहूर्त रहेगा।

वाहन खरीदने के बाद क्या करें?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नया वाहन घर लाने के बाद उसकी पूजा करना शुभ माना जाता है। वाहन पर स्वास्तिक का चिह्न बनाना, भगवान गणेश का स्मरण करना और नारियल फोड़कर या आरती उतारकर वाहन की पूजा करने की परंपरा है। कई लोग वाहन पर शुभ प्रतीक या रक्षा सूत्र भी बांधते हैं। मान्यता है कि इससे यात्रा मंगलमय रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है

शुभ मुहूर्त में वाहन खरीदने का क्या है धार्मिक महत्व?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार,जब हम किसी शुभ चौघड़िया, अनुकूल नक्षत्र और शुभ तिथि में कोई नया वाहन घर लाते हैं, तो उस समय की सकारात्मक ऊर्जा वाहन के साथ हमारे जीवन में प्रवेश करती है। इसलिए इसे शुभ समय में खरीदना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि सही मुहूर्त में वाहन खरीदने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव मिलता है, यात्रा सुरक्षित रहती है और आर्थिक समृद्धि बनी रहती है। यही कारण है कि आज भी बड़ी संख्या में लोग वाहन खरीदने से पहले पंचांग और शुभ मुहूर्त का ध्यान रखते हैं।

दिलजीत दोसांझ की 'सतलुज' पर सरकार का नया कदम, कंटेंट की होगी जांच

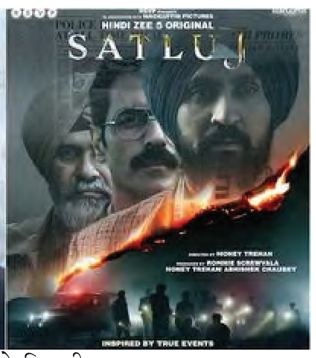

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' के कंटेंट की जांच के लिए एक हाई-लेवल इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी बनाई है। यह फिल्म पंजाब के एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के लापता होने की घटना से प्रेरित है। यह कमेटी सोमवार को बनाई गई। जानिए क्या है फिल्म 'सतलुज' से जुड़ा पूरा विवाद?

फिल्म 'सतलुज' को लेकर क्यों हुआ विवाद?

दिलजीत दोसांझ ने 'पंजाब95' नाम से एक फिल्म की थी, जो सेंसर बोर्ड के पास तीन साल तक अटकी रही। फिर 'सतलुज' नाम से शुक्रवार को ओटीटी पर रिलीज हुई। लेकिन दो दिन बाद इसे ओटीटी प्लेफॉर्म से हटा दिया गया। हनी त्रेहान की निर्देशित फिल्म 'सतलुज' पंजाब के एक्टिविस्ट जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित है।

बता दें कि जसवंत सिंह ने 1984 से 1994 के बीच पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के अंतिम संस्कार की जांच की थी। 1995 में उनका अपहरण कर लिया गया था और उसके बाद वे कभी नहीं दिखे।

फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने जसवंत सिंह खालरा का किरदार निभाया है।सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाने को कहा। अब इसके कंटेंट की जांच की जाएगी।

क्यों फिल्म को ओटीटी से हटाया गया?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि फिल्म को जरूरी सर्टिफिकेशन प्रोसेस पूरा किए बिना ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था। जी5 ने भी पुष्टि की है कि फिल्म अगले आदेश तक भारत में उपलब्ध नहीं रहेगी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक फिल्म के पास थिएटर में रिलीज के लिए जरूरी सर्टिफिकेशन नहीं था। एएनआई के मुताबिक अधिकारी ने कहा, 'फिल्म 'सतलुज' के मेकर्स ने 2022 में इसके ओरिजिनल टाइटल 'पंजाब 95' के तहत सेंसर सर्टिफिकेशन के लिए अप्लाई किया था, लेकिन उन्होंने सेंसर बोर्ड द्वारा सुझाए गए 127 कट्स को स्वीकार नहीं किया और फिल्म की रिलीज रोक दी।

अधिकारी ने कहा, 'फिल्ममेकर्स सुझाए गए कट्स पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे थे और आखिरकार उन्होंने नए टाइटल के साथ ओटीटी पर चुपचाप फिल्म रिलीज कर दी। ओटीटी सेंसर बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। जब यह मामला सरकार के संज्ञान में आया, तो जी प्लेटफॉर्म से इसे हटाने के लिए कहा गया।

दिलजीत और निर्देशक ने फिल्म हटाए जाने पर क्या कहा?

जब फिल्म को ओटीटी से हटाया गया तो दिलजीत काफी दुखी हुए। लेकिन उन्होंने लोगों से कहा कि जहां पर भी फिल्म देखने को मिले, वह देखें। वहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने दर्शकों से पायरेसी का समर्थन न करने की बात कही है। इसके अलावा डायरेक्टर हनी त्रेहान ने भी पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'भगवान की मर्जी मीठी लगती है।' वह फिल्म को लेकर उम्मीद भरे हैं।'

'मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए' कृति सेनन ने क्यों उठाया यह कदम? एक्ट्रेस ने सुनाया पुराना किस्सा

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन ने इस वजह से एग्स फ्रीज करवाए थे

कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे 'मिमी' फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।'

फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं?

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

पति से तलाक के बीच सेलिना जेटली ने महिलाओं से की खास अपील; बोलीं 'यह बात मुझे सबसे ज्यादा दुख देती है'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली अपने पति के साथ मुश्किल भरे तलाक को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने महिलाओं से एक गुजारिश की है। सभी महिलाओं से उन्होंने अपील की है कि प्री-नअपशियल एग्रीमेंट (शादी से पहले का समझौता) जरूर करें।

सेलिना की महिलाओं से गुजारिश

सेलिना जेटली ने दावा किया कि पीटर ने उन्हें अपनी निजी संपत्ति उनके नाम करने के लिए मजबूर किया। ऐसे में अलग होते समय उनके पास कुछ भी नहीं बचा। इसीलिए, सेलिना ने कहा कि महिलाओं को शादी से पहले प्री-नअप पर साइन करना चाहिए, खासकर उन महिलाओं को जिनके पास अपनी निजी संपत्ति है।

क्यों जरूरी है समझौता करना?

उन्होंने कहा 'मैं लड़कियों को सलाह दूंगी कि अगर आपके पास अपनी संपत्ति है, तो प्लीज प्री-नअप जरूर करें। शादी से पहले प्री-नअप जरूर करें। अपनी संपत्ति हमेशा अलग रखें। क्योंकि, आप जानते हैं, आखिर में सब कुछ संपत्ति पर ही आकर रुकता है। सारा प्यार, सारी देखभाल, साथ रहने के वादे, बच्चे, मौत और जन्म सब कुछ आखिर में संपत्ति पर ही सिमट जाता है। यही बात मुझे सबसे ज्यादा दुख देती है।' सेलिना ने आरोप लगाया कि उनसे 20 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी ट्रांसफर करवाई गई और उन्होंने अपनी निजी संपत्ति भी खो दी।

सेलिना को मिला नोटिस

इस साल मई में, मुंबई की लॉ फर्म 'सेमवाल एंड कंपनी' ने बताया कि सेलिना को उनके अलग हो चुके पति पीटर हाग और उनके पिता वोल्फगैंग जे. हाग से कानूनी नोटिस मिले। इन नोटिस में उन पर आरोप लगाया गया था कि तलाक और बच्चों की कस्टडी की चल रही कार्यवाही के दौरान उन्होंने इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर अपमानजनक बातें कही थीं।

रणबीर कपूर की वजह से एक्टर बने वीर हिरानी? बेटे को लेकर राजकुमार हिरानी का दिलचस्प खुलासा

राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी ने एक्टिंग डेब्यू किया है। ओटीटी पर हालिया रिलीज सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में वे नजर आए हैं। यह राजकुमार हिरानी का ओटीटी डेब्यू है, तो वहीं बेटे वीर का एक्टिंग डेब्यू। राजू हिरानी का कहना है कि उनके बेटे को डायरेक्शन की बजाय एक्टिंग में कदम रखने की प्रेरणा शायद रणबीर कपूर से मिली।

राजकुमार हिरानी के मुताबिक फिल्म 'संजू' के दौरान रणबीर कपूर के साथ काम करने से शायद उनके बेटे वीर हिरानी को डायरेक्टर बनने के बजाय एक्टर बनने की प्रेरणा मिली। फिल्ममेकर ने यह भी बताया कि 'प्रीतम एंड पेड्रो' से वीर के एक्टिंग डेब्यू को सपोर्ट करने से पहले, उन्होंने शुरू में वीर को एक्टिंग न करने के लिए मनाने की कोशिश की थी। राजकुमार हिरानी ने इंडिया टुडे के साथ एक खास बातचीत में यह भी बताया कि उन्होंने हमेशा सोचा था कि वीर डायरेक्टर बनेंगे, इसलिए जब वीर ने एक्टिंग करने का फैसला बताया, तो उन्होंने बेटो को ऐसा नहीं करने के लिए मनाने की पूरी कोशिश की थी।

उन्होंने कहा, 'वह अच्छी फिल्में बना रहा था। स्कूल के दिनों में भी उसने बहुत प्यारी फिल्में बनाई थीं। मुझे हमेशा लगता था कि वह डायरेक्शन करेगा। उसने 'संजू' फिल्म में मेरे साथ काम किया था और मुझे असिस्ट भी किया था, क्योंकि 12वीं के बाद उसने स्कूल से ब्रेक ले लिया था।

वह 'पीके' के कुछ शेड्यूल के दौरान भी मौजूद था। मुझे लगा कि वह काम सीख रहा है, फिर एक दिन उसने कहा कि वह एक्टर बनना चाहता है। मुझे लगता है कि उसने रणबीर को देखा और उससे प्रभावित हुआ।

राजकुमार हिरानी ने आगे कहा, 'रणबीर ने शायद उससे कहा होगा, 'तुम तो एकदम हीरो जैसे लगते हो'। तो उसने सोचा होगा, 'बस अब यही करना है, मुझे एक्टिंग करनी है'। अक्सर जहां फिल्ममेकर्स अपने बच्चों को लॉन्च करने के लिए उत्साहित रहते हैं, वहीं हिरानी का पहला रिएक्शन यही था कि वे बेटे को एक्टर बनने से रोंके। राजू हिरानी ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को कभी एक्टिंग करते हुए नहीं देखा था और उन्हें यकीन नहीं था कि एक्टिंग सही करियर ऑप्शन है।

वे बोले, 'मैंने उससे पूछा कि तुम ऐसा क्यों करना चाहते हो? लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा और उसने मुझसे यह भी कहा, 'आपने ही तो '3 इडियट्स' में कहा था कि वही करो जो तुम्हारा दिल चाहे'। तो, इस बात ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया'।

इसके बाद वीर ने छह-सात साल एक्टिंग की ट्रेनिंग लेने, थिएटर की पढ़ाई करने और अपनी कला को निखारने में बिताए। फिर उन्होंने 'प्रीतम एंड पेड्रो' के लिए संपर्क किया। दिलचस्प बात यह है कि फिल्ममेकर शुरू में इस रोल के लिए बेटे को लेने की नहीं सोच रहे थे।

उन्होंने कहा, 'जब वह आया, तब हम इसे बनाने की प्रक्रिया में आगे बढ़ चुके थे। हम किसी और को कास्ट करने की सोच रहे थे। उसने मुझे बताया भी नहीं और सीधे अविनाश से मिलकर ऑडिशन देने की बात कही। उसने स्क्रिप्ट पढ़ ली थी और लगभग 30-40 सीन शूट भी कर लिए थे। अविनाश ने उसका नाटक भी देखा और तब उन्होंने मुझसे कहा कि जब वह हमारे पास है ही, तो हम किसी और को क्यों देख रहे हैं। लेकिन मेरे मन में यह बात नहीं थी कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेगा'।

'वह मेरी जिंदगी से कभी दूर नहीं...', पांचवीं पुण्यतिथि पर सायरा ने किया दिलीप साहब को याद

आज दिग्गज दिवांगत अभिनेता दिलीप कुमार की 5वीं पुण्यतिथी है। इस खास मौके पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री सायरा बानो ने दिलीप साहब को याद करते हुए पोस्ट साझा किया। इसके साथ ही अभिनेत्री ने उन्हें अपने जीवन का सबसे खूबसूरत हिस्सा बताया। पढ़िए अभिनेत्री ने पोस्ट में क्या लिखा?

सायरा ने लिखा 'यादें कभी खत्म नहीं होतीं'

सायरा बानो और दिलीप कुमार का साथ लगभग 45 साल का रहा। शादी से लेकर दिलीप साहब से अंतिम वक्त तक सायरा उनके साथ रहीं। दिलीप साहब की पुण्यतिथी के दिन सायरा ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जिंदगी की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह कभी पूरी तरह से खत्म नहीं होती। यह यादों में बनी रहती है और यादें, समय की तरह नहीं, बल्कि वफादार साथी की तरह होती हैं। वे बिना बुलाए लौट आती हैं, हर मुस्कान, हर नजर, हर शब्द को साथ लेकर, जैसे कुछ भी कभी खोया ही न हो। किसी को याद करना शायद इस बात का सबसे पक्का सबूत है कि उन्हें कभी भुलाया नहीं गया।'

सायरा बोलीं- 'मैं उनकी शुक्रगुजार हूं'

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'साहिब के मेरी नजरों से दूर हुए पांच साल बीत चुके हैं, लेकिन वह मेरी जिंदगी से कभी दूर गए ही नहीं। हमारे प्यार मे इतनी गहराई है कि समय भी इसे रोक नहीं सकता। इतनी शालीनता वाला साथ किसी की गैर-मौजूदगी में खत्म नहीं होता। वह वहां रहते हैं जहां मेरी यादें जाती हैं और मेरी यादें हर रोज उन्हीं के पास जाती हैं। मैं उनकी शुक्रगुजार हूं।'

45 साल का रहा सायरा- दिलीप का साथ

दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार और एक्ट्रेस सायरा बानो की शादी 11 अक्टूबर 1966 में हुई थी। अपनी शादी से लेकर दिलीप जी की अंतिम यात्रा तक सायरा साये की तरह उनके साथ रहीं। सायरा सिर्फ 22 साल की थीं जब उन्होंने 44 साल के मशहूर अभिनेता से शादी की। हालांकि इस जोड़े की कोई संतान नहीं हुई। कई हिट फिल्मों में भी यह जोड़ा साथ नजर आया। फिल्म 'गोपी', 'सगीना', 'बैराग' में इस जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

98 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

दिवांगत अभिनेता दिलीप कुमार लंबे समय से सांस संबंधित समस्याओं से जूझ रहे थे। इसी बीमारी के साथ 98 साल की उम्र में उन्होंने 7 जुलाई 2021 को आखिरी सांस ली। उनकी पत्नी सायरा बानो ने अंतिम समय तक उनकी देखभाल की। मगर अंत में दिलीप कुमार सायरा को यादों के सहारे छोड़ अपनी अंतिम यात्रा पर निकल पड़े।

अमीषा पटेल ने सनी देओल और बॉबी के बीच बताया बड़ा फर्क, 'हमराज' और 'गदर 2' का सुनाया दिलचस्प किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने हाल ही में बॉलीवुड के दो मशहूर भाई, सनी देओल और बॉबी देओल के स्वभाव के बीच का अंतर बताया। उन्होंने दोनों भाइयों के स्वभाव को एक-दूसरे से बिल्कुल अलग बताया है। इसके साथ ही अमीषा ने फिल्म 'हमराज' और 'गदर 2' का एक किस्सा भी बताया।

सनी देओल और बॉबी देओल में क्या फर्क है?

हाल ही में अमीषा डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में नजर आईं। इस शो के दौरान अमीषा ने सनी और बॉबी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया।

अमीषा ने बताया कि सनी देओल स्वभाव से बहुत शर्मीले और शांत हैं, लेकिन उनके साथ वह खुलकर बात करते थे। वह बहुत केयरिंग और प्रोटेक्टिव हैं। अगर शूटिंग पर कोई समस्या होती, तो सनी हमेशा उनके आगे ढाल बनकर खड़े हो जाते थे। 'गदर' फिल्म की सफलता के पीछे यह भी एक बड़ी वजह थी।

बॉबी देओल को लेकर कही यह बात

अमीषा ने बॉबी देओल को सनी से बिल्कुल अलग इंसान बताया। अमीषा ने कहा बॉबी बहुत बिंदास और पार्टियों के शौकीन हैं। वह सेट पर मजाक करते रहते थे और काम को लेकर बहुत रिलैक्स्ड रहते थे।

'हमराज' की शूटिंग का एक मजेदार किस्सा

अमीषा ने साल 2002 में आई फिल्म 'हमराज' की शूटिंग का एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। जयपुर के एक किले में जब वह बॉबी देओल के साथ इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तब 'गदर' फिल्म की लोकप्रियता की वजह से एक अजीब घटना हुई।

अमीषा ने कहा, 'जैसे ही क्लाइमैक्स सीन में बॉबी को मुझे गले लगाया, वहां मौजूद भीड़ चिल्लाने लगी, 'इसे छोड़ दो, यह तुम्हारे भाई की (तारा सिंह की) पत्नी है। वह इसे पाकिस्तान से वापस लाए हैं, इसे मत छुओ।' इसके बाद मेकर्स और स्टार्स को भीड़ को समझाना पड़ा कि यह सिर्फ एक फिल्म की शूटिंग है, जिसके बाद जाकर सीन पूरा हो सका।

देओल के साथ काम करने को लेकर अमीषा की राय?

अमीषा पटेल ने कहा कि देओल परिवार के साथ काम करना हमेशा से उनके लिए बेहद खुशी की बात रही है। अमीषा पटेल को आखिरी बार साल 2023 की सुपरहिट फिल्म 'गदर 2' में 'सकीना' के किरदार में देखा गया था, जिसमें उनके साथ एक बार फिर सनी देओल नजर आए थे।

'जब मैं दुल्हन बनी', अंशुला ने शादी में पहना मां का 42 साल पुराना जरदोजी दुपट्टा

फिल्म निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने 6 जुलाई को रोहन ठक्कर के साथ शादी कर ली है। आज शादी के एक दिन बाद अंशला ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फैंस को खुश कर दिया है। इसी के साथ अंशुला ने अपने लुक को लेकर एक खास बात भी लिखी है।

अंशुला का लुक

अंशुला कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी में पहने इस खास लहंगे में कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में अंशुला बेहद सुंदर दिखाई दे रही हैं। अंशुला ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'जब मैं दुल्हन बनी, तो मैं अपने साथ सिर्फ एक ही चीज ले जाना चाहती थी और वो है मेरी मां का 42 साल पुराना जरदोजी का दुपट्टा।'

दुपट्टे को ध्यान में रखकर तैयार किया लुक

अंशुला ने आगे लिखा, 'मेरी शादी के जोड़े की बाकी सभी चीजें इसी दुपट्टे को ध्यान में रखकर तैयार की गईं।' अंशुला ने आगे लिखा, 'अपनी जिंदगी के इस नए सफर की शुरुआत पर, मुझे अपनी मां की यादों के अहसास में लिपटे रहना सबसे सही लगा, जिसने मुझे पाल-पोसकर बड़ा किया है।'

किसने किया अंशुला का लुक तैयार

अंशुला का लुक कई फैशन डिजाइनर ने मिलकर तैयार किया है। अंशुला ने लिखा, 'डिजाइनर तरुण तहिलियानी, मोहित राय और रुचि कृष्णा की मदद से इस पुरानी और कीमती चीज के इर्द-गिर्द मेरा पूरा लुक तैयार किया गया।'

'भारत की कला का एक खूबसूरत संगम'

अंशुला ने आगे लिखा, 'यह ब्राइडल लुक पूरे भारत की कला का एक खूबसूरत संगम है, जिसमें, बारीक कसीदा कढ़ाई और शानदार जरी का काम है। मेरे परिवार को सम्मान देने के लिए एक बंधनी घरचोला दुपट्टा शामिल किया गया। इसका रंग हल्के गुलाबी जैसा है।'

अंशुला ने किया तरुण तहिलियानी का शुक्रिया

अंशुला ने आगे लिखा, 'मेरी पंजाबी जड़ों को याद करने के लिए इसमें सुंदर फुलकारी बॉर्डर भी जोड़ा गया। तरुण, मेरी इस भावना को समझने और मेरे लिए एक ऐसा लहंगा बनाने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया, जो हमेशा के लिए यादगार और बिल्कुल मेरे जैसा है।'

पति के साथ प्रियंका चोपड़ा ने पेरिस फैशन वीक में दिखाया जलवा, बेटी मालती भी आईं नजर

प्रियंका चोपड़ा ने पेरिस फैशन वीक में हिस्सा लिया है। उन्होंने इस इवेंट से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। प्रियंका ने अपने पति निक जोनस के साथ जब स्टाइलिश अंदाज में एंट्री की, तो सबकी नजरें उन्हीं पर टिकी रह गईं। इस स्टार कपल ने इवेंट में फ्रंट रो में बैठकर अपने बेहतरीन फैशन सेंस का जलवा दिखाया।

पेरिस में दिखे प्रियंका और निक

प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि दोनों हाथ में हाथ डाले हुए हैं। प्रियंका चोपड़ा ने ऑरेंज रंग का ड्रामेटिक लेयर्ड गाउन पहना। साथ में सन ग्लास लगाया। वहीं निक जोनस ने क्लासिक ग्रे सूट पहना। उनके जूतों ने लोगों का ध्यान खींचा है।

कैमरे के सामने दिए पोज

वेन्यू पर पहुंचने पर प्रियंका और निक ने कैमरे के सामने पोज दिए। एक अच्छे पति की तरह निक ने अपनी पत्नी की कमर पर हाथ रखा और फोटो के लिए पोज दिया। फोटो सेशन के बाद, यह कपल वेन्यू के अंदर गया और वहां अपनी फ्रंट-रो सीट पर बैठ गया।

शेयर की बेटी की तस्वीर

प्रियंका चोपड़ा ने जो पोस्ट शेयर की है, उसमें उन्होंने लिखा 'बेहतरीन कलेक्शन के लिए शुक्रिया निक जोनस'। प्रियंका ने इवेंट में जाने से पहले की अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है। इवेंट में प्रियंका अपनी बेटी मालती को भी ले गईं। उन्होंने उसकी तस्वीर भी शेयर की है।

प्रियंका चोपड़ा का वर्कफ्रंट

प्रियंका इन दिनों एसएस राजामौली और महेश बाबू के साथ अपनी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए पेरिस में मौजूद डायरेक्टर ने बताया कि उनकी टाइम-ट्रैवल कहानी वाली फिल्म की शूटिंग के अभी भी 80 दिन बाकी हैं।

शादी से पहले इन बातों को याद रखना जरूरी

सफल और खुशहाल वैवाहिक जीवन के कुछ नियम हैं, जिनके बारे में अगर आप जान लें और अपने जीवन में शामिल कर लें तो आपका रिश्ता मजबूत और सुखी बना रहता है। ये नियम न तो आपको शादी के दिन मंडप के नीचे सिखाए जाते हैं और न ही फेरों और वादों में शामिल होते हैं। कई दंपत्तियों के वैवाहिक जीवन के अनुभव के आधार पर ये नियम बनाए गए हैं। शादी करने जा रहे हैं तो आपको ऐसी 20 बातों का ध्यान रखना चाहिए जिसे शादी के बाद अपनाना बहुत जरूरी है।

विवाह जीवन में बड़े बदलाव लेकर आता है। शादी से पहले तक लड़के या लड़की के लिए यह समझ पाना मुश्किल होता है कि विवाह के बाद सिर्फ उन्हें एक साथी नहीं मिलता, बल्कि जिम्मेदारियां, भावनाओं का उतार चढ़ाव भी मिलता है। उन्हें सिर्फ खाना बनाना, परिवार संभालना, एक दूसरे की देखभाल व प्यार करना नहीं आना चाहिए, बल्कि रिश्ते को संभालने के लिए कुछ सच्चाई को भी अपनाना आना चाहिए।

अगर आपकी शादी होने वाली है तो उसके पहले विवाह के 20 नियमों को गांठ बांध लें ताकि आपका जीवन खुशहाल रहे।

प्यार पर्याप्त नहीं- प्यार रिश्तों को शुरू करता है, अनुशासन उन्हें जिंदा रखता है। भावनाएं फीकी पड़ सकती हैं, दिनचर्या निरस हो सकती और गुस्सा बढ़ सकता है। लेकिन सिर्फ वही जोड़े अंत तक टिक पाएंगे जो प्यार कमजोर होने पर भी साथ निभाते हैं।

सम्मान रोमांस से अधिक जरूरी- रोमांस आपको उत्साहित रखता है, लेकिन सम्मान सुरक्षित रखता है। सम्मान के बिना प्यार नाराजगी में बदल जाता है। जल्दबाजी या गुस्से में कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति से शादी न करें, जिसकी आप प्रशंसा नहीं करते।

संवाद जरूरी- चुप रहना, चिल्लाने से ज्यादा जल्दी रिश्ता खत्म करता है। अगर आप शादी से पहले पैसों, भावनाओं या उम्मीदों पर बात नहीं कर सकते हैं, तो शादी के बाद गलतफहमियों में डूब जाएंगे।

रूप नहीं चरित्र चुनें- आकर्षण कम हो सकता है लेकिन ईमानदारी, धैर्य और सहानुभूति कभी कम नहीं होती है। सही साथी आकर्षक या रूपवान नहीं, बल्कि चरित्रवान होता है, जो स्थायी रहता है।

शादी एक दिन का वादा नहीं- शादी का बंधन में बंधने में भले ही एक दिन का वक्त लगे लेकिन इस बंधन में बंध जाने के बाद हजारों-लाखों सुबह एक साथ बितानी होती हैं। यानी शादी एक रोज में होती हैं, पर निभाना हर रोज पड़ता है। प्रतिबद्धता का अर्थ है, तब भी उपस्थित रहना जब यह असुविधाजनक हो।

संभावित से विवाह न करें- वे जैसे हैं, वैसे ही शादी करें। ये न सोचे कि वह आपकी उम्मीद के मुताबिक ढल जाएं। प्यार आलस्य, अहंकार और अपरिपक्वता को ठीक नहीं करता है।

भावनात्मक सुरक्षा आकर्षण से पहले - अगर आप उनके सामने कमजोर नहीं पड़ सकते, रो नहीं सकते, अपना दर्द नहीं दिखा सकते हैं तो यह प्यार नहीं, सिर्फ दिखावा है। शारीरिक आकर्षण से ज्यादा शादी में भावनात्मक सुरक्षा मायने रखती हैं।

शादी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं- शादी कोई स्कोरबोर्ड नहीं है। इसमें एक जीतता है तो दोनों जीतते हैं। जब एक हारता है तो दोनों को उसकी कीमत चुकानी पड़ती है। कपल एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं होते, बल्कि एक ही टीम में खिलाड़ी होते हैं।

खूबियां नहीं, आदतें देखें- वे वेटरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, तनाव में कैसे प्रतिक्रिया देते हैं और दूसरों के बारे में कैसे बात करते हैं, ये देखकर शादी करें। खूबसूरती, स्टाइल, आकर्षण और आदतें बदल सकती हैं लेकिन आदतें जीवनभर साथ रहती हैं।

क्षमा करें, पर सबक न भूलें- द्वेष आत्मीयता को नष्ट कर देता है। सबक सीखो, क्रोध को त्याग दो। क्षमा करना कमजोरी नहीं, यह बुद्धिमता है।

तर्क करें, अनादर नहीं- स्वस्थ जोड़ें लड़ाई निष्पक्षता से करते हैं। वे समझने के लिए बहस करते हैं, हावी होने के लिए नहीं। आपका लक्ष्य जीतना नहीं, बल्कि रिश्ते को ठीक रखना है।

समस्याएं बाहर न ले जाएं- आपके दोस्तों और परिवार को आपके विवाह के बारे में जीवनसाथी से ज्यादा जानकारी कभी नहीं होनी चाहिए। अपने रिश्ते को सार्वजनिक सलाह बनाने से बचें।

डेट करना बंद न करें- शादी से रोमांस खत्म नहीं होता, बल्कि उपेक्षा से खत्म होता है। उन छोटी-छोटी चीजों को करते रहिए जिनसे आपको प्यार हुआ था। हमेशा एक दूसरे को चुने, हर दिन-हर पल।

सही साथी का चयन- ऐसे व्यक्ति से शादी करें जो समस्याएं पैदा न करें, बल्कि समाधान करें। जीवनसाथी अराजकता में शांति लाने वाला हो, न कि उसे बढ़ाने वाला। सही साथी वह है जो तूफान में भी आपका हाथ थामे रखे।

वफादारी चुनें- जीवनसाथी की अनुपस्थिति में भी उनकी और रिश्ते की रक्षा करना कर्तव्य बनाएं। उनके नाम की इज्जत रखना, जब कोई न देख रहा हो तब भी अपनी प्राथमिकताओं को सीधा रखना है।

सीमाएं प्रेम को स्वस्थ रखती हैं- बहुत ज्यादा नजदीकियां दम घोंट देती हैं। बहुत ज्यादा दूरी दिल मार देती है। अपने समय, अपनी निजता और अपने व्यक्तित्व की रक्षा करें। यहां तक कि वैवाहिक जीवन में भी स्वस्थ सीमाएं ही रिश्ते को सांस देती हैं।

शारीरिक अंतरंगता के लिए भावनात्मक जुड़ाव जरूरी- यदि दिल करीब नहीं हैं तो शरीर भी ज्यादा समय तक करीब नहीं रह पाएंगे। अंतरंगता हमेशा भावनात्मक सुरक्षा से शुरू होती है, वासना से नहीं। सुरक्षित दिल ही सच्चा स्पर्श स्वीकार करता है।

विवाह से ठीक होने की उम्मीद न करें- अगर आप शादी से पहले अकेले, असुरक्षित या गुस्सैल हैं तो वही दर्द आप रिश्ते में भी लेकर आएंगे। शादी किसी को ठीक नहीं करती, वह पहले से मौजूद चीजों को और स्पष्ट कर देती है। पहले खुद को ठीक करें, तभी रिश्ता खिलता है।

हास्य को जीवित रखें- हंसी तनाव को हल्का कर देती है। यह मुश्किल हालातों को भी सहने लायक बनाती है। जो जोड़े साथ मिलकर हंस सकते हैं, वे लगभग हर तूफान का सामना कर सकते हैं। हास्य रिश्ते की धड़कन है।

एक साथ बढ़ें- लोग समय के साथ बदलते हैं, विकसित होते हैं। जुड़े रहने का एकमात्र तरीका है, एक ही दिशा में बढ़ना, मानसिकता में मूल्यों में और प्राथमिकताओं में। साथ बढ़ेंगे तभी साथ रहेंगे।

सर्दियों में गमलों में उगाएं सब्जियां बाजार जाना भूल जाएंगे

अनिता एक कुशल गृहिणी है, जो अपने परिवार की सेहत का पूरा ध्यान रखती है। पहले वह महंगी और कभी-कभी बासी सब्जियां खरीदने को मजबूर थी, लेकिन दो वर्ष पहले टमाटर के बढ़ते दाम देखकर उसने गमलों में टमाटर उगाना शुरू किया और धीरे-धीरे अपना किचन गार्डन तैयार कर लिया। अब न बाजार की भीड़ का झंझट है और न महंगी सब्जियों की चिंता। घर में उगी ऑर्गेनिक सब्जियां स्वादिष्ट भी हैं और सेहत के लिए लाभकारी भी। ऐसे में इस सर्दी क्यों न आप भी अपना एक छोटा-सा किचन गार्डन तैयार करें।

कौन से पौधे लगाएं

किचन गार्डन में ऐसे पौधे लगाएं, जो जल्दी बढ़ें और रोजाना के भोजन में काम आएं। आप टमाटर, हरी मिर्च, पालक, मेथी, धनिया, मूली और गाजर जैसे पौधे आसानी से उगा सकती हैं। ये पौधे माइक्रोग्रीन्स के रूप में भी इस्तेमाल होते हैं और बेहद पौष्टिक होते हैं। हर्ब्स के लिए तुलसी, पुदीना, धनिया और लेमनग्रास अच्छे विकल्प हैं। बेल वाली सब्जियां, जैसे कि लौकी और कद्दू ट्रेलिस के सहारे आसानी से बढ़ती हैं। इसके अलावा गोभी और ब्रोकली भी घर में आसानी से उगाई जा सकती हैं। ये सभी पौधे कम जगह और कम खर्च में उग जाते हैं।

सही जगह का चयन

अच्छे किचन गार्डन के लिए सही जगह का चयन बहुत जरूरी है। पौधों को रोजाना 3-5 घंटे धूप, हल्का गरम तापमान और अच्छी हवा चाहिए। टमाटर, हरी मिर्च, पालक, मेथी, धनिया, मूली और गाजर 18-30 डिग्री सेल्सियस में धूप वाली जगह पर अच्छी तरह बढ़ते हैं। हर्ब्स, जैसे तुलसी, पुदीना और लेमनग्रास आधी धूप या हल्की छाया में 15-28 डिग्री सेल्सियस तापमान में सही रहते हैं। बेल वाली सब्जियों को खुली धूप और ट्रेलिस वाली जगह पर 20-32 डिग्री सेल्सियस तापमान चाहिए। रोशनी कम हो तो ग्रो लाइट का उपयोग करें।

गमले और मिट्टी

टमाटर, हरी मिर्च, पालक जैसी चीजें सिरेमिक गमलों में उगाएं, क्योंकि इनमें नमी संतुलित रहती है। तुलसी, पुदीना, धनिया जैसी चीजें सिरेमिक या प्लास्टिक गमलों में अच्छी तरह बढ़ती हैं। बेल वाली सब्जियों को बड़े और गहरे सीमेंट या प्लास्टिक टब में उगाएं। किचन गार्डन की मिट्टी हल्की, भुरभुरी और पोषण युक्त हो। इसके लिए 60 प्रतिशत बगीचे की मिट्टी में 20 प्रतिशत खाद और 20 प्रतिशत रेत मिलाएं। लंबी जड़ों वाले पौधों के लिए 6 इंच गहरा गमला और नीचे कंकड़ की लेयर रखें, ताकि पानी न रुके।

पानी की मात्रा

सर्दियों में सब्जी के पौधों को कम मात्रा में और हमेशा दिन में पानी देना चाहिए, क्योंकि ठंड में मिट्टी देर तक गीली रहती है। पानी देने से पहले मिट्टी की ऊपरी सतह छूकर देखें। अगर वह सूखी लगे, तभी पानी दें। बहुत अधिक पानी जड़ों को सड़ा सकता है। गमलों में जल निकासी अच्छी होनी चाहिए। ठंडी हवा या कोहरे के दिनों में पानी कम दें और पौधों के आस-पास की मिट्टी को हल्का भुरभुरा रखें, ताकि नमी संतुलित बनी रहे।

नीम तेल आएगा काम

कृषि विशेषज्ञ ऋषिका कौशिक बताती हैं, होम गार्डनिंग में पौधों की स्वस्थ वृद्धि के लिए संतुलित पोषण, सही तकनीक और प्राकृतिक सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए गोबर खाद, वर्मी कंपोस्ट या पत्तियों की खाद का उपयोग करें और हर 2-3 हफ्ते में हल्की मात्रा में खाद डालें। मिक्स्ड प्लांटिंग, जैसे कि टमाटर के साथ धनिया या गाजर के साथ प्याज लगाएं। यह प्राकृतिक कीट नियंत्रण और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने का आसान तरीका है। मल्चिंग से मिट्टी की नमी बनी रहती है और तापमान नियंत्रित रहता है। सर्दियों में पौधों को ठंड से बचाने के लिए रात में कवर करें या तापमान बहुत घटने पर अंदर रखें। कीट नियंत्रण के लिए नीम तेल स्प्रे प्रभावी है। जगह कम है तो दीवारों पर वर्टिकल गार्डनिंग करें।

पढ़ाई के लिए बच्चा विदेश जाना चाहता है तो मां के लिए ये फैसले सबसे अहम

जब बच्चा स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद आपके आगे अपने मन की इच्छा जाहिर करे और कहे, "मम्मी, मैं विदेश में पढ़ना चाहता हूं", तो आपका भी दिल दो हिस्सों में बंट जाता है न? एक तरफ गर्व और हां कह देने की भावना, दूसरी तरफ चिंता और अकेलेपन का डर। यही वह घुमावदार रास्ता है, जहां मां होने के नाते आपको धैर्य, अनुभव और अपनी समझ से बच्चे के सपनों को केवल पूरा नहीं करना, बल्कि उसे सुरक्षित, सार्थक और उड़ान भरने योग्य भी बनाना है।

क्यों जाना है?

जब बच्चा विदेश में पढ़ने की इच्छा जताता है तो हर मां का पहला सवाल होना चाहिए, "तुम क्यों जाना चाहते हो?" यह शक नहीं, बल्कि दिशा तय करने का तरीका है। इस स्थिति में मां को बच्चे के शब्दों के पीछे छिपे सही कारणों को समझना होता है, जैसे कि बेहतर शिक्षा, किसी विषय को पढ़ने का जुनून, दुनिया देखने की चाह या दोस्तों की प्रेरणा। अक्सर बच्चे के हाव-भाव सब बता देते हैं, जिन्हें आपको भांपना है। इसलिए सबसे पहले कारण को जानें और फिर आगे बढ़ें।

जानकारी इकट्ठा करें

अगर आपका बच्चा विदेश में पढ़ाई को लेकर गंभीर है तो उसकी मदद करें। कोर्स के अनुसार उस देश का बेहतर विश्वविद्यालय चुनें, फीस, स्कॉलरशिप और रहने-खाने की व्यवस्था देखें। साथ मिलकर योजनाएं बनाएं और रिसर्च करें। अगर उसके पास पहले से योजना है तो उसे ध्यान से देखें और आवश्यक सुझाव जोड़ें। आपकी मदद उसे व्यवस्थित योजना बनाने में मदद कर सकती है।

डायरी में बजट बनाएं

इसके बाद आप फीस, रहने-खाने का खर्च, टिकट, इंश्योरेंस और सभी आर्थिक पहलुओं को एक डायरी में बजट की तरह तैयार करें। स्कॉलरशिप खोजें, बैंक लोन के तकनीकी पहलुओं को जानें और अपनी बचत पर नजर डालें। पूरी योजना इस तरीके से बनाएं, जिससे आर्थिक बोझ को संभाला जा सके।

भरोसे के साथ कुछ सीख

विदेश भेजना बच्चे को ऊंची शिक्षा दिलाना भर नहीं है। यह वह पल है, जब मां मानती है कि बच्चा बड़ा हो गया है। ऐसे में मन में सवाल उठना लाजिमी है कि बच्चे को खाना कौन खिलाएगा, नई भाषा और संस्कृति में कैसे रहेगा, बीमार पड़ेगा, तब कैसे अपनी देखभाल करेगा?

इन सब बातों को सोचकर आपको डरना नहीं है, बल्कि बच्चे पर भरोसा करना है। बेशक नई जगह की शुरुआत मुश्किल होगी, लेकिन आपका विश्वास उसे हिम्मत देगा। आप उसे समझाएं कि "परेशान हो तो फोन करना, रोना पड़े तो रो लेना, लेकिन रुकना नहीं।" आपका यह वाक्य उसे संतुलन, मजबूती और टूटने की इजाजत देगा, जो उसकी असली ताकत बनेगा।

जीवन कौशल सिखाएं

एक मां जानती है कि विदेश जाने से पहले बच्चे को सिर्फ दस्तावेज नहीं, बल्कि जीवन कौशल भी चाहिए, जैसे कि कपड़े धोना, खाना बनाना, पैसे संभालना, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की समझ। आप भी उसे सिखाएं कि दाल कैसे धुलती है, सब्जी कैसे कटती है, भले बच्चा यह कहे कि उसे सब आता है। आखिर यही छोटी-छोटी बातें उसे विदेश में सही ढंग से जीवन जीने में मदद करेंगी।

नए ढंग से जीया जाए

करियर काउंसलर प्रवेन्द्र सिंह बिरला बताते हैं, बच्चों के करियर के असली एक्सपर्ट उनके माता-पिता होते हैं। इसलिए जब बच्चा विदेश जाने की इच्छा जताए तो सीधे मना करने के बजाय हर पहलू पर सोचें। अधिकतर माता-पिता आर्थिक कारणों या दूर हो जाने के डर से मना कर देते हैं, लेकिन आप ऐसा न करें।

यदि आप खर्च वहन नहीं कर सकतीं तो उसे शांत मन से स्थिति समझाएं और अन्य विकल्प बताएं। अगर पूरी योजना बन चुकी है तो उसे समझाएं कि नई जगह से जुड़े, मगर परिवारिक मूल्यों को हमेशा याद रखे। मुश्किलों में बेझिझक बात करे। आप उससे कभी यह न कहें कि "वह अकेले नहीं रह सकता।" ऐसी बातें मनोबल तोड़ती हैं। बच्चे की हर संभव मदद करें, ताकि उसके सपने टूटें नहीं।

स्कूल जाने वाले बच्चे का आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं?

बच्चे के जीवन में पहली बार स्कूल जाना एक बड़ा और भावनात्मक बदलाव होता है। यह केवल बच्चे के लिए ही नहीं, बल्कि माता-पिता के लिए भी नई शुरुआत होती है। घर के सुरक्षित माहौल से निकलकर नई जगह, नए दोस्त, नई टीचर और नए नियमों के बीच खुद को ढालना छोटे बच्चों के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में कई बच्चे पहले कुछ दिनों तक रोते हैं, माता-पिता से अलग होने में घबराते हैं या स्कूल जाने से मना भी कर देते हैं। यह स्थिति सामान्य हो सकती है, क्योंकि हर बच्चा अपनी गति से नए माहौल में सहज होता है। इस दौरान सबसे महत्वपूर्ण भूमिका माता-पिता और परिवार की होती है। यदि बच्चे को प्यार, धैर्य और सही मार्गदर्शन मिले, तो वह धीरे-धीरे स्कूल के माहौल में घुलने-मिलने लगता है और उसका आत्मविश्वास भी बढ़ने लगता है।

आत्मविश्वास से भरपूर बच्चा न केवल पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, बल्कि नए दोस्त बनाने, सवाल पूछने, अपनी बात रखने और चुनौतियों का सामना करने में भी अधिक सहज महसूस करता है।

पहली बार स्कूल जाने वाले बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए कौन-सी आसान और प्रभावी आदतें अपनाई जा सकती हैं, किन गलतियों से बचना चाहिए और कब किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित हो सकता है।

स्कूल के बारे में सकारात्मक बातें करें

स्कूल को मजेदार जगह के रूप में बताएं।

नए दोस्तों और खेलों के बारे में उत्साह बढ़ाएं।

डराने या सजा की तरह स्कूल का जिक्र न करें।

सकारात्मक भाषा का इस्तेमाल करें।

बच्चे की भावनाओं को समझें

यदि बच्चा डर रहा है, तो उसकी बात ध्यान से सुनें।

उसकी भावनाओं को नजरअंदाज न करें।

उसे भरोसा दिलाएं कि आप समय पर लेने आएंगे।

शांत और स्नेहपूर्ण व्यवहार रखें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना करें

समय पर तैयार होना। खुद बैग उठाना। टीचर से बात करना। नए दोस्त बनाना। स्कूल की कोई नई बात साझा करना। प्रशंसा प्रयास की करें, केवल परिणाम की नहीं।

नियमित दिनचर्या बनाएं

समय पर सोना। पौष्टिक नाश्ता करना। समय पर स्कूल पहुंचना। होमवर्क के लिए निश्चित समय। खेलने और आराम का समय।

बच्चे को छोटे-छोटे फैसले लेने दें

पानी की बोतल चुनना। टिफिन बॉक्स चुनना। हेयरबैंड या रूमाल चुनना। बैग व्यवस्थित करने में भाग लेना। इससे जिम्मेदारी और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं।

सामाजिक कौशल विकसित करें

पार्क में दूसरे बच्चों के साथ खेलने दें। कृपया, धन्यवाद और माफ कीजिए जैसे शब्द सिखाएं। बारी-बारी से खेलना सिखाएं। अपनी बात विनम्रता से कहना सिखाएं।

तुलना करने से बचें

देखो, बाकी बच्चे तो नहीं रो रहे। तुम्हारा दोस्त तुमसे बेहतर है। तुम हमेशा डरते हो। दूसरों से अपने बच्चे की तुलना करने वाली ऐसी बातें बच्चे का आत्मविश्वास कम कर सकती हैं।

खुद आत्मविश्वास का उदाहरण बनें

बच्चे अपने माता-पिता को देखकर बहुत कुछ सीखते हैं। ध्यान रखें,

स्कूल छोड़ते समय शांत रहें।

विदाई को छोटा और सकारात्मक रखें। बच्चे के सामने अपनी चिंता बहुत अधिक व्यक्त न करें।

शिक्षक से संपर्क बनाए रखें

बच्चे की प्रगति समझने में मदद मिलती है। यदि बच्चा लगातार परेशान है, तो समय रहते समाधान खोजा जा सकता है। घर और स्कूल मिलकर बेहतर सहयोग कर सकते हैं।

किन गलतियों से बचें?

बच्चे को डांटना या शर्मिंदा करना। झूठा वादा करना। उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना। जरूरत से ज्यादा दबाव डालना। हर छोटी समस्या का समाधान खुद कर देना।

खुशहाल रिश्ते का राज; सिर्फ प्यार नहीं, ये चीजें भी हैं बेहद जरूरी

हर रिश्ता एक खूबसूरत सफर की तरह होता है, जिसे मजबूत बनाए रखने के लिए केवल प्यार ही नहीं, बल्कि समझ, धैर्य और आपसी प्रयास भी जरूरी होते हैं। शुरुआत में रिश्ते में उत्साह और आकर्षण स्वाभाविक रूप से होता है, लेकिन समय के साथ जिम्मेदारियां, काम का दबाव, गलतफहमियां और व्यस्त जीवन रिश्ते की गर्माहट को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में कई लोग यह महसूस करते हैं कि पहले जैसा जुड़ाव अब नहीं रहा।दरअसल, किसी भी रिश्ते की मजबूती छोटे-छोटे रोजमर्रा के व्यवहार से तय होती है। एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनना, भावनाओं का सम्मान करना, मुश्किल समय में साथ खड़े रहना और भरोसे को बनाए रखना ऐसे गुण हैं जो रिश्ते को समय के साथ और मजबूत बनाते हैं। इसके विपरीत, संवाद की कमी, बार-बार आलोचना, विश्वास की कमी या एक-दूसरे के लिए समय न निकाल पाना रिश्ते में दूरी बढ़ा सकते हैं।

अगर आप चाहते हैं कि आपका रिश्ता लंबे समय तक खुशहाल, सम्मानपूर्ण और मजबूत बना रहे, तो कुछ बुनियादी आदतों को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं वे पांच बातें जो किसी भी रिश्ते की मजबूत नींव मानी जाती हैं।

भरोसा

विश्वास रिश्ते की सबसे मजबूत नींव है। भरोसा किसी भी रिश्ते की बुनियाद होता है। इससे सुरक्षा और अपनापन महसूस होता है। विश्वास होने पर छोटी-छोटी गलतफहमियां भी आसानी से सुलझ सकती हैं।

खुलकर और सम्मानपूर्वक बातचीत करें

बातचीत से गलतफहमियां कम होती हैं। भावनाओं को समझने में मदद मिलती है। समस्याओं का समाधान आसान हो जाता है।

एक-दूसरे का सम्मान करें

स्वस्थ रिश्ते में दोनों की भावनाएं और विचार महत्वपूर्ण होते हैं। सम्मान से आत्मविश्वास और जुड़ाव बढ़ता है। मतभेद होने पर भी रिश्ता संतुलित रहता है।

साथ में समय बिताएं

भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होता है। व्यस्त जीवन में भी रिश्ता प्राथमिकता बना रहता है। यादगार पल रिश्ते को सकारात्मक ऊर्जा देते हैं।

मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ दें

चुनौतियां किसी भी रिश्ते की असली परीक्षा होती हैं। भावनात्मक सहयोग से भरोसा गहरा होता है। साथ मिलकर समस्याओं का सामना करना रिश्ते को मजबूत बनाता है।

सॉरी के जवाब में माफ करना भी जरूरी होता है

रिश्तों में गलतफहमी, नाराजगी या मनमुटाव होना लाजमी है। कई बार तो छोटी सी बात इतनी बड़ी हो जाती है कि वर्षों पुराने रिश्ते दूरियों में बदल जाते हैं। लेकिन क्या ऐसे रिश्तों को बचाया नहीं जा सकता, क्या टूटे रिश्ते का आखिरी पड़ाव अलगाव ही होता है?

नहीं रिश्ते को संभालने के लिए ईगो छोड़कर माफी मांगने से भी बात बन जाती है लेकिन ये सिर्फ माफी मांगने वाले पक्ष पर निर्भर नहीं करता है। एक ईमानदार बातचीत और सॉरी के जवाब में माफ करना भी जरूरी होता है। कई बार बहुत सारे प्रयासों के बाद भी रिश्ते इसलिए टूट जाते हैं क्योंकि एक पक्ष अपनी गलती मान लेता है लेकिन दूसरी पक्ष माफ करने को राजी ही नहीं होता।

यही अलगाव की असली वजह बन जाता है। माफ करके रिश्तों को नई शुरुआत दे सकते है। माफ करने के इसी महत्व को समझाने के लिए एक खास दिन मनाया जाता है, जिसे वैश्विक क्षमा दिवस के तौर पर मान्यता मिली है।

हर साल जुलाई महीने में वैश्विक क्षमा दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल किसी से माफी मांगने या दूसरों को माफ करने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने मन में जमा गुस्सा, शिकायत और कड़वाहट को छोड़कर मानसिक शांति की ओर बढ़ने का भी अवसर माना जाता है। परिवार, दोस्ती, प्रेम संबंध या कार्यस्थल, हर जगह संवाद और क्षमा रिश्तों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

आज के डिजिटल दौर में, जहां कई रिश्ते चैट, सोशल मीडिया और गलतफहमियों के बीच उलझ जाते हैं, वैश्विक क्षमा दिवस हमें याद दिलाता है कि कभी-कभी सबसे मजबूत रिश्ता वही होता है जिसमें अहंकार से ज्यादा इंसानियत को महत्व दिया जाए।

आइए जानते हैं कि वैश्विक क्षमा दिवस कब है, इसका इतिहास क्या है, इसे क्यों मनाया जाता है और यह हमारे रिश्तों और मानसिक स्वास्थ्य के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है।

वैश्विक क्षमा दिवस कब है?

वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2026 को मनाया जा रहा है। हर वर्ष यह दिवस 7 जुलाई को मनाया जाता है और लोगों को क्षमा, मेल-मिलाप और सकारात्मक रिश्तों की ओर प्रेरित करता है।

क्षमा दिवस क्यों मनाया जाता है?

इस दिवस का उद्देश्य लोगों को यह याद दिलाना है कि जीवन में हर व्यक्ति से कभी न कभी गलती हो सकती है। किसी को माफ़ करना या अपनी गलती स्वीकार कर माफ़ी मांगना केवल रिश्तों को ही नहीं, बल्कि मन की शांति और भावनात्मक संतुलन को भी बेहतर बना सकता है। यह दिन कटुता छोड़कर संवाद और समझ की दिशा में कदम बढ़ाने का संदेश देता है।

क्षमा दिवस का इतिहास

वैश्विक क्षमा दिवस मनाने की शुरुआत लोगों में क्षमा और मेल-मिलाप की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई। समय के साथ यह दिवस दुनिया के कई देशों में व्यक्तिगत संबंधों, सामुदायिक सौहार्द और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से जुड़ गया।

रिश्तों में माफ करना क्यों जरूरी है?

किसी को माफ करना हमेशा यह नहीं दर्शाता कि सामने वाला सही था। कई बार इसका अर्थ यह होता है कि आप अपने मन की शांति को लंबे समय तक गुस्से से अधिक महत्व दे रहे हैं। स्वस्थ रिश्ते केवल प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद और गलतियों को सुधारने की इच्छा से भी बनते हैं। माफ़ी से परिवार, दोस्ती और वैवाहिक जीवन में नई शुरुआत का अवसर मिल सकता है।

माइलेज घटा और इंजन खराब हुआ तो जिम्मेदारी किसकी?

ई20 पेट्रोल पर भड़के ट्रांसपोर्टर्स, सरकार पर दागे सवाल

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल को तेजी से लागू किया जा रहा है। सरकार इसे हरित ऊर्जा, विदेशी मुद्रा की बचत और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में अहम कदम बता रही है। हालांकि, ट्रांसपोर्ट उद्योग ने इस नीति के तकनीकी और आर्थिक प्रभावों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि यदि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से इंजन की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, माइलेज कम होता है या रखरखाव का खर्च बढ़ता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, इस पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

छोटे ट्रांसपोर्टरों पर बढ़ सकता है आर्थिक दबाव

ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का कहना है कि देश में लाखों छोटे और मध्यम ट्रांसपोर्टर बैंक से ऋण लेकर ट्रक, हल्के वाणिज्यिक वाहन और अन्य कमर्शियल वाहन संचालित कर रहे हैं। ऐसे में यदि ई-20 पेट्रोल के कारण ईंधन की खपत बढ़ती है या वाहनों के रखरखाव पर अतिरिक्त खर्च आता है, तो इसका सीधा असर ट्रांसपोर्ट कारोबार की लागत पर पड़ेगा।

माइलेज घटने का दावा, बढ़ सकती है परिवहन लागत

एसोसिएशन का दावा है कि विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों में ई-20 ईंधन के उपयोग से लगभग 2 से 6 प्रतिशत तक माइलेज कम होने की बात सामने आई है। भले ही यह आंकड़ा देखने में छोटा लगे, लेकिन रोजाना लंबी दूरी तय करने वाले व्यावसायिक वाहनों के लिए यह हर महीने हजारों रुपये का अतिरिक्त ईंधन खर्च बन सकता है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि यदि ऐसा होता है तो अंततः इसका असर मालभाड़े, व्यापारिक लागत और आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा।

पुराने वाहनों की तकनीकी सुरक्षा पर भी उठे सवाल

ट्रांसपोर्ट संगठनों ने यह भी चिंता जताई है कि जो पुराने कमर्शियल वाहन ई-20 ईंधन के अनुरूप डिजाइन नहीं किए गए हैं, उनमें फ्यूल पाइप, रबर सील, गैस्केट, फ्यूल पंप और ईंधन प्रणाली के अन्य हिस्सों पर अतिरिक्त प्रभाव पड़ सकता है। उनका कहना है कि यदि भविष्य में ऐसे वाहनों में तकनीकी खराबियां सामने आती हैं, तो वाहन निर्माता कंपनियां, तेल कंपनियां या सरकार में से कौन इसकी जिम्मेदारी लेगा, यह पहले से स्पष्ट होना चाहिए।

'नीतिगत प्रयोग' का माध्यम न बनें करोड़ों के वाणिज्यिक वाहन

एसोसिएशन का कहना है कि देश में करोड़ों रुपये मूल्य के वाणिज्यिक वाहनों को किसी नई नीति का प्रयोगात्मक आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। संगठन का मानना है कि किसी भी नई ईंधन नीति को व्यापक स्तर पर लागू करने से पहले उसके दीर्घकालिक प्रभावों का स्वतंत्र, पारदर्शी और भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप परीक्षण कराया जाना चाहिए तथा उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए।

ईरानी तेल खरीदने के लिए भारत तैयार लेकिन अमेरिका के पाले में इसलिए है गेंद

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां ईरानी कच्चे तेल (क्रूड) की मार्केटिंग करने वाले ट्रेडर्स के साथ बातचीत कर रही हैं। अगर अमेरिका अगस्त के बाद छूट (वेवर) को आगे बढ़ाता है या प्रतिबंधों में ढील देता है तो वे तेल खरीदने की तैयारी कर रही हैं। ब्लूमबर्ग ने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से यह जानकारी दी है।

इन कंपनियों के पास तुरंत ईरानी तेल खरीदने की गुंजाइश कम है। कारण है कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में युद्ध के दौरान पहले से ही सप्लाई पक्की करने की कोशिश में अगस्त तक के लिए जरूरी शिपमेंट के कॉन्ट्रैक्ट कर लिए हैं। फिर भी अगर डिस्काउंट काफी ज्यादा हो तो रिफाइनरी कंपनियां कुछ ईरानी कार्गो खरीद सकती हैं। बातचीत निजी होने के कारण इन लोगों ने अपना नाम न बताने का अनुरोध किया। इसके बजाय, बातचीत का मकसद ईरानी तेल तक पहुंच बनाना है ताकि अगर वॉशिंगटन मौजूदा 21 अगस्त की समय-सीमा के बाद छूट को आगे बढ़ाता है तो तेल खरीदा जा सके। ईरानी तेल बेचने वालों के लिए खरीदारों को लुभाना मुश्किल हो रहा है। कारण है कि सीजफायर के बाद मिडिल ईस्ट के उन ग्रेड्स की कीमतें गिर गई हैं जिन पर प्रतिबंध नहीं है। सीजफायर से होर्मुज स्ट्रेट से तेल की सप्लाई फिर से शुरू हो गई। फारस की खाड़ी के अंदर और बाहर दोनों जगहों से आने वाले कच्चे तेल की कीमतें बेंचमार्क से कई डॉलर नीचे गिर गई हैं। इससे तेहरान का फायदा कम हो गया है। उसे बहुत जरूरी रेवेन्यू नहीं मिल पा रहा है। सऊदी अरब ने इस हफ्ते अपनी आधिकारिक बिक्री कीमतों में कम से कम 2000 के बाद से सबसे बड़ी मासिक कटौती करके एशिया में तेल खरीदारों को खोजने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को उजागर किया है।

रूस 2023 से भारत का सबसे बड़ा सप्लायर रहा है। उसके कार्गो भारी डिस्काउंट पर बिक रहे हैं। इससे दुनिया के तीसरे सबसे बड़े आयातक भारत की रिफाइनरी कंपनियों के लिए ईरानी तेल कम आकर्षक हो गया है। लोगों ने बताया कि ईरान से कच्चे तेल की पेशकश ब्रेंट की तुलना में \$4 से \$5 प्रति बैरल के डिस्काउंट पर की जा रही है, जबकि रूस के यूराल्स तेल के लिए यह डिस्काउंट \$6 प्रति बैरल है। प्रतिबंधों के कारण सप्लाई रुकने से पहले ईरान भारत के टॉप सप्लायरों में से एक था। 2018 में भारत के कुल तेल आयात में उसकी हिस्सेदारी 10% तक थी।

आरसीएफएल के 4097 करोड़ रुपये के घोटाले में पहली चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े 4,097 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में अपनी पहली चार्जशीट मंगलवार, 7 जुलाई 2026 को दाखिल की। यह चार्जशीट कंपनी के पांच पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ है। इन पर 13 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एक समूह को धन के हेरफेर के माध्यम से भारी नुकसान पहुंचाने का आरोप है। सीबीआई ने मुंबई की एक विशेष अदालत में यह चार्जशीट दाखिल की है। इसमें दो अन्य कंपनियों, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएसएफएल) को भी आरोपी बनाया गया है। यह मामला सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को हुए बड़े वित्तीय नुकसान से संबंधित है।

कौन हैं वे पांच पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जिन पर आरोप लगे हैं?

सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बताया कि आरसीएफएल के पांच पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों को आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के आरोपों में चार्जशीट किया गया है। इन अधिकारियों में देवंग प्रवीण मोदी (निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी), रविंद्र सोमायाजुला राव (निदेशक), धनंजय भगवानप्रसाद तिवारी (निदेशक), राजेश कृष्णमूर्ति (कार्यकारी जोखिम अधिकारी) और लव चतुर्वेदी (मुख्य जोखिम अधिकारी) शामिल हैं। इन पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भारी नुकसान पहुंचाने का इरादा रखने का आरोप है।सीबीआई की जांच से पता चला है कि आरसीएफएल द्वारा उधार लिए गए पैसे को मध्यस्थ और सहायक संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों में भेजा गया था। यह कार्रवाई ऐसे उधारों को नियंत्रित करने वाले नियमों और शर्तों का उल्लंघन थी। इस हेरफेर से ऋण देने वाले बैंकों को गलत नुकसान हुआ और आरोपी व्यक्तियों तथा संबंधित संस्थाओं को गलत लाभ मिला। सीबीआई ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र और समूह के अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से मिली शिकायतों के आधार पर यह मामला दर्ज किया था। कुल 13 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 4,097 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सीबीआई ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को गलत नुकसान पहुंचाने में शामिल निदेशकों, संस्थाओं और सरकारी कर्मचारियों की कथित भूमिका की जांच जारी रखी है। एजेंसी पूरक चार्जशीट भी दाखिल कर सकती है।

टेक की पिच पर अंबानी vs अडानी! मेटा के आने से मजेदार हुआ क्लाउड का खेल

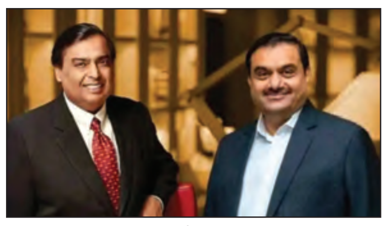

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। मार्क जकरबर्ग ने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में अरबों डॉलर लगाने का वादा किया है, जिससे लोगों को शक हुआ कि उनका सोशल-मीडिया साम्राज्य इस सेक्टर से कैसे कमाई करेगा. अब हमारे पास इसका एक ठोस जवाब है. मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. भारी खर्च वाले निवेश को कमाई के नए जरिए में बदल रहा है.ब्लूमबर्ग न्यूज ने पिछले हफ्ते मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से बताया कि "मेटा कंप्यूट" नाम के एक इंटरनल इनिशिएटिव के तहत, कंपनी अपनी एक्स्ट्रा कैपेसिटी को बड़े बिजनेस क्लाइंट्स को किराए पर देने की योजना बना रही है. यह देखना बाकी है कि क्लाउड बिजनेस पर माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प, अल्फाबेट इंक. और अमेजन डॉट कॉम इंक. के दबदबे को यह कितनी चुनौती दे पाती है.

इसकी शुरुआती हलचल कहां महसूस होगी, यह देखने के लिए भारत पर नजर रखना काफी जरूरी है. क्लाउड-कैपेसिटी के बिजनेस में जकरबर्ग के आने से एशिया के दो सबसे अमीर उद्योगपतियों, मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच चल रही कड़ी टक्कर का स्वरूप पूरी तरह बदलने वाला है. कुछ समय पहले तक, ऐसा लग रहा था कि भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती होड़ में अडानी आगे निकल रहे हैं.वे तेजी से हाइपरस्केल सर्वर फॉर्म बना रहे थे और गूगल को इंफ्रास्ट्रक्चर देने के लिए एक अहम पार्टनरशिप भी हासिल कर ली थी. पोर्ट, एयरपोर्ट और पावर ग्रिड के बिजनेस में माहिर अरबपति के लिए, डेटा सेंटर के कंक्रीट और कूलिंग सिस्टम वाले बिजनेस में आना एक स्वाभाविक कदम लग रहा था.लेकिन ये योजनाएं अंबानी की महत्वाकांक्षाओं से टकराती हुई दिखाई दे रही हैं. अगर अडानी के इंफ्रास्ट्रक्चर साम्राज्य के विस्तार के लिए डिजिटल रियल एस्टेट एक साफ फोकस है, तो अंबानी की मुख्य कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट कस्टमर्स के लिए एआई भी उतना ही जरूरी है.यह ग्रुप अपनी 10 साल पुरानी टेलीकॉम और मीडिया यूनिट, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड को टेक्नोलॉजी के नजरिए से पब्लिक मार्केट में लाना चाहता है. खास बात तो ये है कि मेटा ने इसमें 2020 में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी.

अंबानी और अडानी, दोनों में से किसी की भी सॉफ्टवेयर आउटसोर्सिंग में मौजूदगी नहीं है. और यह उनके लिए अच्छी बात है. जेनरेटिव एआई के आने से भारत के नंबर 1 सर्विस एक्सपोर्ट का पूरा गणित बदल गया है.अब देश की पहचान सिर्फ तकनीकी रूप से कुशल, अंग्रेजी बोलने वाले युवा नहीं हैं जो पश्चिमी प्रोग्रामर्स की तुलना में बहुत कम वेतन पर काम करने को तैयार हों. अब फायदा उन पूंजीपतियों को है जो सस्ते में एआई टोकन बनाने के लिए सोलर और विंड पावर का इस्तेमाल कर रहे हैं.

बड़ी खबर: कई शहरों में खाली होने लगे एटीएम

कैश की किल्लत पर आरबीआई सख्त, बैंकों से मांगा डेटा

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। आज के समय में बैंक से जुड़े कई काम पहले के मुकाबले अब बहुत ही आसानी से हो जाते हैं, जहां पहले लंबी-लंबी लाइनों में लगकर लोग बैंक से पैसे निकाल पाते थे तो अब वहीं घर के आसपास मौजूद एटीएम से आसानी से कैश निकाला जा सकता है. लेकिन अभी कुछ समय से देश के कई शहरों के एटीएम खाली मिलने की शिकायत सामने आ रही हैं.

कई शहरों में लोगों को पिछले लगभग 2 से 3 महीनों से एटीएम से कैश नहीं मिल रहा है, जिसकी लगातार शिकायत भी की जा रही है. बढ़ती शिकायतों के बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी. एनडीटीवी प्रॉफिट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि एटीएम में कैश की कमी को लेकर आरबीआई ने सभी बैंकों से टियर-2 और उससे छोटे शहरों में उपलब्ध कैश का पूरा ब्योरा मांगा है. इससे यह पता लगाया जाएगा कि किस वजह के चलते जगह-जगह पर एटीएम में नकदी नहीं मिल रही है. इसके अलावा आरबीआई यह भी पता करने की कोशिश कर रहा है कि कहीं कुछ बैंकों ने कस्बों और छोटे शहरों में ज्यादा ही कम नकदी तो नहीं डाल दी है या फिर एटीएम में कैश समय पर रीलोड न किया गया हो, जिसकी वजह से यह दिक्कत हो रही हो. आरबीआई ने साफ किया है कि अगर ऐसा कुछ भी पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी.इस मामले पर बैंकों का कहना है कि केवल कुल कैश स्टॉक देखकर स्थिति का पता नहीं लगाया जा सकता है.

10 से 50 रुपये तक महंगी हो सकती है शराब की बोतल

तमिलनाडु में रेट बढ़ाने की चल रही तैयारी

चेन्नई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में शराब पीने वालों के लिए एक बुरी खबर सामने आ रही है. राज्य सरकार अपने यहां शराब की कीमतें 10-50 रुपये प्रति बोतल बढ़ाने का सोच रही है.

सोमवार को चेन्नई में सचिवालय में शराबबंदी और आबकारी मंत्री के. विग्नेश की अध्यक्षता में तमिलनाडु राज्य विपणन निगम की बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई. हो सकता है कि इसी हफ्ते के आखिर से प्रति बोतल शराब के लिए ज्यादा पैसे चुकाने पड़े.

कितनी बढ़ जाएगी प्रति बोतल कीमत?

बताया जा रहा है कि साधारण और मिडियम रेंज के ब्रांड्स के लिए प्रति बोतल 10-20 रुपये का इजाफा होगा. प्रीमियम और विदेशी शराब के लिए प्रति बोतल 30-50 रुपये का इजाफा होगा. इसी तरह से बीयर की कीमत में भी प्रति बोतल 10 रुपये की बढ़ोतरी का अनुमान है.

हालांकि, अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है. राज्य में शराब की कीमतों में पिछली बार बदलाव 1 फरवरी, 2024 को किया गया था, जब सरकार ने शराब के विभिन्न ब्रांडों की कीमतों में 10 से 80 रुपये तक की बढ़ोतरी की थी. अगर इस बार कीमतें बढ़ाए जाने की मंजूरी मिलती है, तो यह दो साल से ज्यादा समय में कीमतों में पहला बदलाव होगा.

क्यों बढ़ाई जा रही है कीमत?

सरकार ने हाल ही में स्कूल-कॉलेज जैसे शैक्षणिक संस्थानों, बस स्टैंड और मंदिरों के पास स्थित 717 टीएएसएमएसी रिटेल आउटलेट्स बंद करा दिए. इससे सरकार के रेवेन्यू में भारी कमी आई. हो सकता है कि रेट बढ़ाकर सरकार इसी नुकसान की भरपाई करना चाह रही हो. टीएएसएमएसी के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि राज्य में हाल ही में आईएमएफएल प्रोडक्ट्स और बीयर सप्लाई करने वाले शराब निर्माताओं पर एक मैन्युफैक्चरिंग सेस लागू किया गया था. इस शुल्क से सरकार को सालाना करीब 6000-10000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा. इधर, बढ़ते टैक्स और कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते शराब बनाने वाली कंपनियों ने भी सरकार को खरीद मूल्य बढ़ाने के लिए कहा था.

थलपति विजय की बड़ी डील, जापानी कंपनी तमिलनाडु में करेगी 1000 करोड का निवेश, बरसेगी नौकरी

चेन्नई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय राज्य में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश और आकर्षित करने में सफल रहे हैं। इस बार निवेश के लिए राज्य सरकार से हाथ मिलाया है जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनी की भारतीय इकाइयों ने।

जी हां, राज्य सरकार ने आज हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड और हिताजी एनर्जी टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किया।

1,000 करोड़ रुपये का निवेश

तमिलनाडु में औद्योगिक विकास और प्रौद्योगिकी परिवेश को बढ़ावा देने के लिए हुए इस समझौते पर हस्तारक्षर के वक्त खुद मुख्यमंत्री थलपति विजय भी उपस्थित थे। बताया गया है कि दोनों कंपनियां राज्य में तीन से पांच वर्षों के दौरान 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे राज्य में 1,000 से भी ज्यादा हाई-एंड टेक्नोलॉजी जॉब भी मिलेंगे। एक बयान के अनुसार निवेश होने वाले इस 1,000 करोड़ रुपये का उपयोग दो प्रमुख विस्तार परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें चेन्नई के पोरूर इलाके में स्थित हिताची ग्रुप के ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन सेंटर का विस्तार और चेंगलपट्टू स्थित हिताची एनर्जी इंडिया की विनिर्माण इकाई का विस्तार शामिल है। इनमें राज्य के इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी क्षेत्र के पेशेवरों के लिए बेहतर करियर अवसर उपलब्ध होंगे।

ग्लोबल फॉर्च्यून 500 कंपनी

हिताची ग्रुप ग्लोबल फॉर्च्यून 500 कंपनी है। इसी की दोनों सब्सिडियरी कंपनियों के भारत में विस्तार के लिए आज यह समझौता हुआ है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अलावा उद्योग मंत्री एस. कीर्तना, मुख्य सचिव एम. साईकुमार सहित कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए। साथ ही हिताची इंडिया के एमडी और सीईओ तक कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

चांदी 4,408 गिरकर 2.29 लाख पर आई

सोना 1,442 सस्ता, कीमत 1.44 लाख हुई; जून में चांदी 38 हजार, सोना 15 हजार गिरी

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में इस आज यानी 7 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,442 रुपए गिरकर 1.44 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी का दाम 4,408 रुपए गिरकर 2.29 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले बीते महीने यानी जून में सोना-चांदी में गिरावट रही थी। बीते महीने सोना 15 हजार और चांदी 38 हजार रुपए सस्ती हुई थी।

चांदी इस साल 1.57 लाख रुपए गिरी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 32 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 159 दिन में चांदी 1.57 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

बाजार में चार दिनों की बढ़त पर ब्रेक

सेंसेक्स 104 अंक टूटा, निफ्टी 24400 से नीचे

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में चार दिन की तेजी पर विराम लग गया। सेंसेक्स 104.35 अंक गिरकर 78,180.72 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 31.65 अंक की गिरावट के साथ 24,398.70 पर आ गया। इस गिरावट से निवेशकों में चिंता का माहौल है। रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 48 पैसे कमजोर होकर 94.95 के स्तर पर पहुंच गया। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में तीन फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भी 2 फीसदी गिरे। बाजार में कुल मिलाकर गिरावट का रुख रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 2,084 शेयरों में गिरावट आई। जबकि 1,191 शेयरों में वृद्धि देखी गई। 109 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। क्षेत्रीय स्तर पर निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी सूचकांकों में सबसे अधिक नुकसान हुआ। इन दोनों सूचकांकों में 1.6 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, निफ्टी आईटी सूचकांक में दो फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई। यह वृद्धि बाजार में कुछ सकारात्मकता लाई। वैश्विक बाजारों में भी गिरावट का रुख रहा। लंदन समय के अनुसार सुबह 6:51 बजे एसएंडपी 500 वायदा 0.3 फीसदी गिर गया। नैस्डेक100 वायदा में 0.9 फीसदी की गिरावट आई। एमएससीआई एशिया प्रशांत सूचकांक 1.5 फीसदी नीचे रहा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन	04-16 बजे
चंद्र	मेष	मे	कर्क	06-28 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह	08-41 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या	10-48 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला	12-52 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक	15-02 बजे
शनि	मीन	मे	धनु	17-16 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर	19-22 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ	21-12 बजे
			मीन	22-53 बजे
			मेष	00-27 बजे
			वृष	02-12 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-50
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -50
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ बुधवार 08 July 2026
तिथि - कृष्ण पक्ष अष्टमी 12-22 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - रेवती 16-00 तक उप अश्विनी
योग - अतिगण्ड 12-37 तक उप सुकर्मा
करण - कौलव 12-22 तक उप तैतिल
विशेष: नक्षत्र शांति
पंचक 16-00 तक

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-21 से 13-59 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05-50 - 07-27	शुभ	उत्पात	18-50 - 20-16	अशुभ
अमृत	07-27 - 09-05	शुभ	शुभ	20-16 - 21-38	शुभ
काल	09-05 - 10-43	अशुभ	अमृत	21-38 - 22-59	शुभ
शुभ	10-43 - 12-21	शुभ	चंचल	22-59 - 00-21	शुभ
रोग	12-21 - 13-59	अशुभ	रोग	00-21 - 01-43	अशुभ
उत्पात	13-59 - 15-37	अशुभ	काल	01-43 - 03-05	अशुभ
चंचल	15-37 - 17-16	शुभ	लाभ	03-05 - 04-27	शुभ
लाभ	17-16 - 18-50	शुभ	उत्पात	04-27 - 05-50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें ।अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की ओर से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है । आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा । किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा । आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरो के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है । आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा । आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा ।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

‘देश का खाते हैं तो देश का गाना भी पड़ेगा’

यूसीसी पर राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया का बयान, राहुल-गहलोत पर भी साधा निशाना

जोधपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनिया जोधपुर दौरे पर रहे। जहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने देश के विभिन्न राजनीतिक और संवैधानिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। पूनिया ने देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और परिसीमन को समय की मांग बताते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा, तो वहीं पार्टी द्वारा राज्यसभा भेजे जाने पर इसे आम कार्यकर्ताओं का सम्मान बताया।

प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के सवाल पर सतीश पूनिया ने पुरजोर वकालत करते हुए कहा कि भारत के भू-भाग पर रहने वाले सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून होना बिल्कुल सही बात है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, इस देश का खाते हैं तो इस देश का गाना भी होगा।

पूनिया ने आगे कहा कि इस देश में जन्म लेने वाले हर व्यक्ति को सड़क पर चलने से लेकर चुनाव लड़ने तक की सभी सहूलियतें इज्जत के साथ मिलती हैं। जो लोग भारत में जन्मे हैं, वो भारत पुत्र कहलाते हैं और जिन्हें घुसपैठिया नहीं कहा जा सकता, उन सभी के लिए कानून समान होना चाहिए। भारत के भू-भाग पर किसी भी तरह की कानूनी भिन्नता नहीं होनी चाहिए और इसका सभी को पालन करना चाहिए, क्योंकि यही विकसित भारत का सपना है।

देश में होने वाले आगामी परिसीमन को लेकर पूछे गए सवाल पर भाजपा नेता ने कहा कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त और संवैधानिक संस्था है। परिसीमन कोई नई बात नहीं है, यह साल 1952 से चली आ रही एक निरंतर प्रक्रिया है जो समय की मांग के अनुसार निर्धारित मापदंडों और संवैधानिक तरीके से पूरी होगी।

इसमें कांग्रेस या बीजेपी जैसी राजनीति नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि परेशानी यह है कि राहुल गांधी और अशोक गहलोत संविधान से निकली हुई किसी भी व्यवस्था को मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

खुद को राज्यसभा भेजे जाने पर पूनिया ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता को संसद भेजकर पार्टी ने उन लाखों कार्यकर्ताओं का सम्मान किया है, जो दिन-रात जमीन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय आने पर पार्टी कार्यकर्ता की क्षमता को देखकर उसके काम का रिवॉर्ड जरूर देती है।

पचपदरा रिफाइनरी के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि जब दिल्ली और प्रदेश में एक मिजाज (एक ही दल) की सरकार नहीं होती है, तो विकास कार्यों में परेशानी आती है।

रिफाइनरी की घोषणा भले ही कांग्रेस ने की थी, लेकिन इसे धरातल पर पूरा करने का काम भाजपा सरकार ने किया है। जोधपुर पहुंचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ पूनिया का भव्य स्वागत किया।

‘क्या बालोतरा कलेक्टर, सरकार से बड़े हो गए हैं?’

आरएलपी सांसद ने पीएमओ तक पहुंचाई ‘शिकायत’

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में प्रशासनिक जवाबदेही और भेदभाव के आरोपों को लेकर एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक बेहद तीखा और विस्तृत पोस्ट साझा किया और इसके ज़रिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। सांसद हनुमान बेनीवाल ने हाल ही में बालोतरा के पचपदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए रिफाइनरी उद्घाटन के घटनाक्रम का हवाला देते हुए राज्य की ब्यूरोक्रेसी में दोहरे मापदंड अपनाने का गंभीर आरोप लगाया है।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट की शुरुआत सीधे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को संबोधित करते हुए की है। उन्होंने लिखा, राजस्थान की जनता मुख्यमंत्री से यह पूछना चाहती है कि पूर्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक जनसभा के दौरान तकनीकी खराबी के कारण माइक बंद होने जैसी छोटी घटना पर सरकार ने तुरंत एक्शन लेते हुए एक महिला आईएएस अधिकारी को एपीओ कर दिया था। लेकिन इसके विपरीत, पचपदरा स्थित राजस्थान रिफाइनरी में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए जाने से ठीक 1 दिन पहले इतनी भीषण आग लग गई, तब जिले के प्रशासनिक मुखिया होने के नाते बालोतरा के जिला कलक्टर की न तो कोई जवाबदेही तय की गई और न ही उन्हें पद से हटाया गया। आखिर सरकार का ऐसा दोहरा रवैया क्यों है?

हनुमान बेनीवाल ने जिला कलेक्टर के सरकारी आवास और उनकी प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर भी एक बड़ा खुलासा करते हुए सवाल उठाया है। बेनीवाल ने आरोप लगाया, यदि बालोतरा जिले में जिला कलक्टर के लिए कोई सरकारी आवास उपलब्ध नहीं था, तो उन्हें नियमों का पालन करते हुए किसी किराए के निजी आवास में निवास करना चाहिए था। इसके बजाय बालोतरा के जिला कलक्टर रिफाइनरी की वीआईपी टाउनशिप के अंदर बने मकान में रह रहे हैं।

आरएलपी सांसद ने पूछा कि क्या किसी बड़ी औद्योगिक परियोजना की टाउनशिप में जिला कलेक्टर का इस तरह रहना प्रशासनिक निष्पक्षता और ट्रांसपेरेंसी की दृष्टि से सही ठहराया जा सकता है?

प्रशासनिक लापरवाही के साथ-साथ सांसद ने बालोतरा जिला प्रशासन पर वित्तीय अनियमितताओं के भी बड़े आरोप मढ़े हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में स्पष्ट लिखा कि सीईटीपी प्लांट के सेस कर के मामलों, रिफाइनरी क्षेत्र तथा बालोतरा के आस-पास की कीमती सरकारी भूमि से नए रास्तों के आवंटन करने और बड़े पैमाने पर हुए भू-उपयोग परिवर्तन में लगातार अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप बालोतरा कलेक्टर पर लग रहे हैं॥ इन तमाम गंभीर शिकायतों और सार्वजनिक चर्चाओं के बावजूद राज्य सरकार आखिर क्यों खामोश बैठी है और कार्रवाई से बच रही है?

दूसरी पत्नी की हत्या में पति और पहली-पत्नी को उम्रकैद

अजमेर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर में 9 साल पहले पति ने पहली पत्नी के साथ मिलकर दूसरी पत्नी के सिर पर ईंट-पत्थरों से हमला कर चाकू से गला रेंतकर हत्या कर दी थी। मामले में नौ साल पुराने हत्याकांड में एडीजे कोर्ट-3 ने मंगलवार को पति सहित पहली पत्नी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने दोनों दोषियों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। दोषी ठहराए गए आरोपी उत्तर प्रदेश जिला इलाहाबाद निवासी राजन केसरी और उसकी पहली पत्नी शालू केसरी हैं। दूसरी पत्नी ज्योति आरोपी पति राजन से पहली पत्नी को छोड़ने के लिए लगातार दबाव बनाती थी। वहीं रोज लड़ाई करती थी। इससे परेशान होकर पति राजन ने पहली पत्नी के साथ मिलकर गुरुग्राम से अजमेर आकर एक किराए के मकान में पत्नी ज्योति की हत्या कर दी थी। एडीजे कोर्ट-3 के न्यायाधीश नीरज गुप्ता ने यह फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी अधिवक्ता हरदेव सिंह रावत ने पैरवी की। मामले में अभियोजन पक्ष ने ट्रायल के दौरान 30 गवाहों के बयान कराए। इसके अलावा 97 दस्तावेज कोर्ट में पेश किए। इनके आधार पर कोर्ट ने हत्या का आरोप सिद्ध माना। दोनों आरोपी तीन साल से जमानत पर थे। इसके बाद आरोपी मंगलवार को सुनवाई के लिए कोर्ट आए। आजीवन कारावास की सजा सुनाते ही महिला रोने लगी।

कांग्रेस शासन में नगरीय निकायों की परिसंपत्ति की फ्री बंदरबांट से बिगड़ी स्थिति : यूडीएच मंत्री खर्रा

कोटा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कांग्रेस पर नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति बिगाड़ने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में निकायों ने बिना आय के 8 गुना खर्च किया और परिसंपत्तियों की बंदरबांट की गई. इसका भुगतान अब सरकार कर रही है. मंगलवार कोटा पहुंचे खर्रा ने केडीए और नगर निगम के शहरी सेवा शिविर में भाग लिया और पट्टे वितरित किए. उन्होंने कहा कि सरकार ने 113 नए निकायों का विस्तार-परिसीमन किया है ताकि वे नई कॉलोनियां बनाकर आय बढ़ाएं. खर्रा ने कोटा में भूखंड बिक्री के लिए सेल परमिशन की अनिवार्यता पर जांच के आदेश दिए. उन्होंने कहा कि लीगल राय लेकर इसे खत्म किया जाएगा. नगरीय निकायों की फाइलें ऑनलाइन और समयबद्ध करने की योजना भी बताई. कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिना आरक्षण चुनाव को लिखित सहमति दें तो सरकार तैयार है.

मंत्री खर्रा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में आर्थिक कुप्रबंधन कर दिया था. इसी को अभी तक सुधार रहे हैं. जिन नगरीय निकायों की स्थिति 1 रुपए खर्च करने की नहीं थी, उन्होंने 8 रुपए तक खर्च कर दिए हैं. जिनके भुगतान अभी तक हम कर रहे हैं. यहां तक कि नगरीय निकायों की परिसंपत्तियों को कांग्रेस ने अपने लोगों में बंदरबांट की. इसी के चलते स्थिति बिगड़ गई है. अब नए 113 नगरीय निकायों का

शिविर में एक लाभार्थी को पट्टा सौंपते मंत्री खर्रा

विस्तार और परिसीमन किया गया है, जिससे कि वे नई कॉलोनियां विकसित कर आय अर्जित कर सकें. सुबह लाडपुरा विधायक कल्पना देवी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. कोटा की सेल परमिशन पर भी चर्चा: कोटा के संबंध में केडीए कमिश्नर बचनेश अग्रवाल ने उनसे कहा कि यहां पर सेल परमिशन लेनी पड़ती है, जबकि अन्य जगहों पर व्यक्ति सीधा भूखंड सेल कर सकता है. इस पर मंत्री ने कहा कि पूरे प्रकरण का पत्र भेजें और क्या कारण रहा है, इसकी जांच करवाई जाएगी. क्यों यहां पर सेल परमिशन पर रोक लगाई गई थी, लीगल राय लेकर इसे वापस खोला जाएगा ताकि लोगों को सेल परमिशन लेने के लिए अनुमति नहीं लेनी पड़े.

भीषण सड़क हादसा, बेकाबू ट्रॉले ने पूरे परिवार को रौंदा- 3 बच्चों समेत 4 की मौत

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के श्याम नगर थाना इलाके में स्थित व्यस्त 200 फीट बाईपास पर मंगलवार, 7 जूलाई की सुबह एक बेहद दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा होने की बड़ी खबर सामने आ रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसा अजमेर रोड के होटल हाईवे किंग के नजदीक हुआ। यहां एक बेकाबू ट्रॉले ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के पांच सदस्यों को रौंद डाला। इस दर्दनाक हादसे में परिवार के में 3 बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मृतक बच्चों की पहचान रमेश, रतन और दीपक के तौर पर हुई है। जबकि इलाज के दौरान बच्चों के पिता चंद्र प्रकाश की भी मौत हो गई। मृतक चंद्र प्रकाश की पत्नी और तीनों बच्चों की मां कैलाशी गंभीर घायल अस्पताल में भर्ती हैं। सामने आया है कि एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रॉले ने सड़क किनारे बनी लोहे की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए वहां खड़े 5 लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस खौफनाक टक्कर की वजह से मौके पर चीख-पुकार मच गई। 3 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। स्थानीय चश्मदीदों द्वारा तुरंत सूचना दिए जाने के बाद श्याम नगर थाना पुलिस और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और राहत कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा सुबह के समय हुआ जब 200 फीट बाईपास रोड पर यातायात सामान्य रूप से चल रहा था। तभी एक अनियंत्रित ट्रॉला अचानक लहराते हुए सड़क किनारे की फुटपाथ और लोहे की सुरक्षा रेलिंग को कटर करते हुए अंदर घुस गया। दुर्भाग्य से उस वक्त वहां कुछ लोग सड़क किनारे खड़े हुए थे, जिन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉले का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हाईवे पर खड़ी स्लीपर बस को रोडवेज ने मारी टक्कर

8 सवारियां घायल, चीख-पुकार मची

जयपुर- आगरा रूट पर लगा लंबा जाम

भरतपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर में मंगलवार को आगरा- जयपुर नेशनल हाईवे पर खड़ी एक स्लीपर कोच बस को पीछे से आई रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में 8 सवारियां घायल हो गई, जिनका आरबीएम हॉस्पिटल में इलाज जारी है। घटना के बाद रोडवेज बस के ड्राइवर और कंडक्टर फरार हो गए। घटना चिकसाना थाना इलाके में कदम कुंज होटल के पास मंगलवार की शाम करीब साढ़े 4 बजे हुई। हादसे में स्लीपर कोच बस टक्कर के बाद डिवाइडर पर चढ़ गई, वहीं रोडवेज की बस के शीशे टूट गए। ट्रैफिक सीओ नरेंद्र कुमार ने बताया- राजस्थान रोडवेज की बस ने प्राइवेट स्लीपर कोच को टक्कर मारी है। घटना में 7 से 8 सवारियां घायल हुई हैं। सभी का हॉस्पिटल में इलाज जारी है। मौके पर क्रेन बुलाकर दोनों बसों को साइड करवाया गया है। पुलिस के अनुसार- भरतपुर से आगरा की तरफ एक स्लीपर कोच बस जा रही थी। चिकसाना थाना इलाके में कदम कुंज होटल के पास अचानक बस खराब हो गई। ड्राइवर ने बस को डिवाइडर के पास खड़ा कर दिया। बस ड्राइवर क्रेन के आने का इंतजार कर रहा था। तभी पीछे से तेज रफ्तार में एक रोडवेज बस आई और स्लीपर कोच बस को टक्कर मार दी। रोडवेज बस में करीब 40 सवारियां थीं, जिनमें चीख-पुकार मच गई और करीब 8 सवारियां घायल हो गई। गनीमत रही कि स्लीपर कोच में बस में सवारियां नहीं थी। टक्कर के कारण स्लीपर कोच बस डिवाइडर पर चढ़ गई। घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

पत्नी ने सुपारी देकर करवाया पति का मर्डर

कट्टे में डालकर कुए में फेंका शव

प्रतापगढ़, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के सालमगढ़ थाना पुलिस ने दलोट के खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास 26 जून को कुएं में कट्टे में मिली अधेड़ की लाश के मामले का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी तुलसीबाई और पड़ोसी दुकानदार मोहम्मद वाहिद कुरैशी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि 26 जून को दलोट गांव में खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास स्थित कुएं में कट्टे में बंद एक व्यक्ति की लाश मिली थी। मृतक की पहचान भचूंडला निवासी शंकरलाल (53) मीणा के रूप में की। पोस्टमार्टम के बाद मृतक की पत्नी की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि 24 जून को मृतक के घर पर तीन युवक आए थे, जिन्होंने शंकरलाल के साथ मारपीट की।

मारपीट से मौत होने के बाद शव को काले कट्टे में भरकर कुएं में फेंक दिया। मृतक की पत्नी तुलसीबाई और पड़ोसी दुकानदार मोहम्मद वाहिद कुरेशी करीब दो माह से हत्या की योजना बना रहे थे। पुलिस के अनुसार पांच लाख रुपए तथा वाहिद को आधा बीघा जमीन देने का सौदा हुआ था।

इसके अलावा मृतक की जमीन बेचकर रुपए लेने, जमीन पर बिना किराए के दुकान चलाने और मकान पर कमरा बनाकर रहने की भी सहमति बनी थी। योजना के तहत वाहिद ने मध्यप्रदेश से तीन आरोपियों को बुलाकर वारदात को अंजाम दिलाया। पुलिस ने तुलसीबाई और मोहम्मद वाहिद पुत्र मोहम्मद इस्माइल निवासी पिपलोदा, जिला रतलाम को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पाली में सरकारी शिक्षक की शर्मनाक करतूत

छात्रा को भेजे अश्लील मैसेज, ग्रामीणों ने जूतों की माला पहनाई

पाली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। सोजत क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल से बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां 11वीं कक्षा की एक छात्रा को आपत्तिजनक मैसेज भेजने और प्रताड़ित करने के आरोप में ग्रामीणों ने आरोपी शिक्षक को जूतों की माला पहनाई और उसके मुंह पर कालिख (स्याही) पोत दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने आरोपी शिक्षक को तुरंत निलंबित कर दिया है। वहीं, पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई है।

आरोपी शिक्षक को जूतों की माला पहनाई

परिजनों के अनुसार, आरोपी शिक्षक ने पहले पढ़ाई कराने के बहाने छात्रा से संपर्क बढ़ाया। इसके बाद वह छात्रा के मोबाइल फोन पर अश्लील और आपत्तिजनक मैसेज भेजकर उसे परेशान करने लगा। परिजनों ने शिक्षक पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि कुछ समय पहले शिक्षक ने छात्रा को बहला-फुसलाकर अपने घर बुलाया था। वहां उसने छात्रा के बाल काट दिए और उन्हें अपने पास रख लिया।

परिजनों को अंदेशा है कि शिक्षक ने किसी तांत्रिक क्रिया या टोटके के उद्देश्य से ऐसा किया। आरोपी शिक्षक छात्रा पर गलत नीयत से दबाव बना रहा था और उसे लगातार ब्लैकमेल करते हुए धमकियां दे रहा था।

शिक्षक की हरकतों से डरी-सहमी छात्रा ने आखिरकार अपनी आपबीती अपने परिवार वालों को बताई। जैसे ही यह बात गांव में फैली, ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल पहुंचकर शिक्षक को पकड़ लिया। उन्होंने शिक्षक को जूतों की माला पहनाई, उसका मुंह काला किया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और शिक्षा विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को सस्पेंड कर दिया है और उसका मुख्यालय पाली से बदलकर जालोर जिला कर दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शिक्षक को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया और उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

एएसआई 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

पैंट की जेब में पैसे रखते ही एसीबी ने पकड़ा

जोधपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर के शास्त्री नगर थाने में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) हरदेवराम को 40,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी मुख्यालय के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता के अनुसार, एक परिवादिया ने एसीबी की स्पेशल यूनिट जोधपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के मुताबिक, परिवादिया के पति के साथ मारपीट का एक मुकदमा शास्त्री नगर थाने में दर्ज था। वहीं, दूसरी पार्टी ने भी परिवादिया के पति और अन्य के खिलाफ क्रॉस मुकदमा दर्ज करवा रखा था। इन दोनों ही मामलों की जांच एएसआई हरदेवराम कर रहे थे।

आरोपी एएसआई हरदेवराम ने परिवादिया के पति के खिलाफ दर्ज मुकदमे में मदद करने और उनके साथ मौजूद व्यक्ति (सुंडाराम) का नाम केस से हटाने के एवज में ₹खर्चा-पानी₹ मांगा था। इसके लिए परिवादिया ने पहले ही आरोपी को 5,000 रुपए दे दिए थे। इसके बाद आरोपी ने सुंडाराम को थाने बुलाकर मामले को रफा-दफा करने और सुंडाराम सहित दो अन्य लोगों का नाम निकालने के लिए सीआई (थानाधिकारी) के नाम पर 50,000 रुपए की और मांग की। लगातार मिल रही धमकियों और परेशानी से तंग आकर परिवादिया ने इसकी शिकायत एसीबी से की।

शिकायत का सत्यापन होने के बाद, एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन और स्पेशल यूनिट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। निरीक्षक पुलिस उमेश कुमार विश्नोई और उनकी टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी एएसआई हरदेवराम रिश्वत की रकम लेने परिवादिया के निवास पर पहुंचा और 40,000 रुपए लेकर अपनी पैंट की जेब में रखे, एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया।

डमी अभ्यर्थी, फर्जी हस्ताक्षर और ओएमआर घोटाला

दौसा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने भर्ती परीक्षाओं में फर्जीवाड़े के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दौसा जिले के महवा थाना क्षेत्र के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी ने हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती परीक्षा-2022 में अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी हासिल की, जबकि दूसरे आरोपी ने प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2018 में ओएमआर शीट में हेराफेरी कर सरकारी नौकरी प्राप्त की। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और जांच के दौरान अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक तथा डमी अभ्यर्थियों के इस्तेमाल से जुड़े अहम खुलासे भी सामने आए हैं।

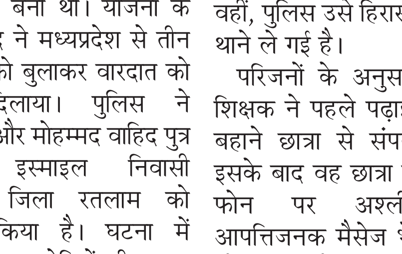

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती परीक्षा-2022 का आयोजन 19 मार्च 2023 को हुआ था। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी 27 वर्षीय बृजेश कुमार मीणा है, जो दौसा जिले के महवा तहसील के टिकरी जाफरान गांव का रहने वाला है।

जांच में सामने आया कि बृजेश कुमार ने पेपर लीक गिरोह के सरगना हर्षवर्धन कुमार मीणा से चार लाख रुपये में सौदा किया था। इसके बाद उसके स्थान पर एक डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाया गया। परीक्षा का आयोजन दौसा के श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट रोड स्थित परीक्षा केंद्र पर हुआ था।

एसओजी के अनुसार डमी अभ्यर्थी ने फर्जी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर परीक्षा दी और आरोपी को अनुचित लाभ दिलाया। इसी फर्जीवाड़े के आधार पर बृजेश कुमार हाईकोर्ट एलडीसी पद पर चयनित हो गया। चयन के बाद उसकी नियुक्ति धौलपुर के बाड़ी स्थित एसीजेएम कोर्ट में हुई थी। बाद में मामला उजागर होने पर न्यायालय ने उसे सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया।

व्हाट्सएप डीपी पर चेयरमैन की फोटो लगाकर 5.30 करोड़ की ठगी

'बॉस' बनकर अकाउंटेंट को भेजे मैसेज और खाते में ट्रांसफर करवाए पैसे

जयपुर, 7 जुलाई (एजेंसियां)। देश में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ठग अब लोगों को निशाना बनाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां साइबर अपराधियों ने कंपनी के चेयरमैन की फोटो व्हाट्सएप डीपी पर लगाकर करोड़ों रुपए की ठगी कर ली।

आरोपियों ने खुद को कंपनी का चेयरमैन बताकर अकाउंटेंट को मैसेज भेजे और जरूरी भुगतान के नाम पर पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा। अकाउंटेंट को लगा कि मैसेज कंपनी के बड़े अधिकारी की ओर से आया है, जिसके बाद उसने ठगों के बताए दो बैंक खातों में करीब 5.30 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए।

ठगों ने पहले कंपनी के चेयरमैन की फोटो हासिल की और उसे अपने व्हाट्सएप प्रोफाइल की डीपी बना लिया। इसके बाद उन्होंने उसी पहचान का इस्तेमाल कर कंपनी के अकाउंटेंट से संपर्क किया।

मैसेज में खुद को चेयरमैन बताते हुए उन्होंने अकाउंटेंट को कुछ जरूरी वित्तीय लेनदेन करने के निर्देश दिए। ठगों ने ऐसा माहौल बनाया कि अकाउंटेंट को शक नहीं हुआ और उसने उनके निर्देशों का पालन कर दिया।

ठगों ने अकाउंटेंट से रकम दो अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवाई। जब बाद में मामले की जानकारी कंपनी के अधिकारियों को हुई तो ठगी का खुलासा हुआ।

इसके बाद पुलिस और साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है और ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की ठगी को सीईओ फ्रॉड या बिज़नेस ईमेल कॉम्प्रोमाइज़ जैसे तरीकों से अंजाम दिया जाता है। इसमें ठग किसी बड़े अधिकारी की पहचान का इस्तेमाल कर कर्मचारियों से पैसे ट्रांसफर करवाते हैं।

राजनीतिक विचारों से ऊपर उठकर बुनियादी ढांचे के विकास पर काम : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने 338 करोड़ की सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सड़क एवं भवन तथा सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत 338 करोड़ रुपये की सड़क अवसंरचना परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

साथ ही इब्राहिमपट्टनम, महेश्वरम, मेडचल और एलबी नगर विधानसभा क्षेत्रों में 149 किलोमीटर लंबाई की 14 सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इब्राहिमपट्टनम मंडल के थोर्रूर गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार राजनीतिक विचारों से ऊपर उठकर बुनियादी ढांचे के विकास पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसी सड़कें विकसित करना है जो पूरे देश के लिए एक आदर्श बनें। कोमटिरेड्डी ने बताया कि तेलंगाना में देश के सबसे बड़े सड़क आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में से एक संचालित किया जा रहा है। इसके तहत 34 एचएएम पैकेजों के माध्यम से 13 हजार करोड़ रुपये की लागत से 6,092 किलोमीटर लंबाई की 441 सड़कों का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नई परियोजनाएं इसी महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य संपर्क व्यवस्था को मजबूत करना, सड़क सुरक्षा बढ़ाना और आर्थिक गतिविधियों को गति देना है। मंत्री ने बताया कि 338 करोड़ रुपये की इस परियोजना में हयातनगर-थोर्रूर-कोहेड़ा-अनाजपुर, अनाजपुर-अब्दुल्लापुरमेट-बंदरवीर्याल, हयातनगर-कुंटलूर-पासुमामुला-तारामतीपेट, सागर रोड-इंजापुर-थोर्रूर-ब्रह्मणपल्ली-रगन्नागुडा तथा सागर रोड-इंजापुर-हयातनगर मार्गों का विकास शामिल है।

इन सड़कों को आधुनिक चार लेन कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा, जिनमें केंद्रीय प्रकाश व्यवस्था और उन्नत सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरीय क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से यातायात दबाव कम होगा, सड़क सुरक्षा में सुधार आएगा, क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा तथा रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। सरकार का उद्देश्य तेलंगाना के भविष्य के विकास को गति देने वाली उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने इब्राहिमपट्टनम विधानसभा क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य नागरिक सुविधाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

एमजेपीआर में रैगिंग, छात्रा अस्पताल में भर्ती

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को कागजनगर कस्बे के महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय विद्यालय (एमजेपीआर) में रैगिंग की एक कथित घटना में, एक छात्रा को उसके सहपाठियों द्वारा आंखों पर पट्टी बांधकर पेन की टोपी निगलने के लिए मजबूर किया गया। अभिभावकों का आरोप है कि कक्षा 10 की छात्रा उशन श्रुति को कुछ दिन पहले स्कूल के चार छात्रों ने प्रताड़ित किया।

उन्होंने दावा किया कि श्रुति की आंखों पर पट्टी बांध दी गई और उसके पैरों को कसकर पकड़ लिया गया, फिर उसे जबरन पेन का ढक्कन निगलने और पानी पीने के लिए मजबूर किया गया। यह घटना तब सामने आई जब श्रुति बीमार पड़ गई। अन्य छात्रों ने लड़की के माता-पिता को सूचित किया, जो दाहेगांव मंडल के ऐनाम गांव के निवासी हैं। बाद में छात्रा को मंचेरियल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सा जांच में पता चला कि उसके पेट में एक पेन की टोपी फंसी हुई थी, जिससे उसके माता-पिता सदमे में आ गए।

तेल पाम पौधों और ड्रिप सिंचाई उपकरणों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें : तुम्मला

कृषि तैयारियों की समीक्षा बैठक में मंत्री ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को तेल पाम के पौधों और ड्रिप सिंचाई उपकरणों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेल पाम की खेती के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और किसानों के रोपण के लिए तैयार रहने के समय पौधों की कमी या आपूर्ति में देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी।

मंगलवार को राज्य सचिवालय में कृषि तैयारियों की समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बुवाई से लेकर फसल खरीद तक सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। तुम्मला ने अधिकारियों को जिला-वार तेल पाम पौधों की मांग का आकलन करने, नर्सरियों से समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा ड्रिप सिंचाई पर मिलने वाली सब्सिडी की स्वीकृतियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मक्का खरीद का भुगतान शीघ्र जारी करने, प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराने तथा लंबित 'रैतु भरोसा' सहायता राशि समय पर जारी करने को भी कहा। मंत्री ने संभावित एल-नीनो प्रभाव के कारण वर्षा में कमी की स्थिति से निपटने के लिए जिला-स्तरीय आकस्मिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने उर्वरकों के वितरण में महिला स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने का सुझाव दिया, ताकि किसानों को सुविधाजनक आपूर्ति सुनिश्चित होने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी सृजित हो सकें।

साइबर क्राइम थाने का एसीपी ने किया औचक निरीक्षण

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम्स एवं एसआईटी) एम. श्रीनिवासुलु ने मंगलवार को हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (सीसीपीएस) का औचक निरीक्षण कर थाने की कार्यप्रणाली और जांच संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीसीपी (साइबर क्राइम) वी. अरविंद बाबू और साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के एसीपी/एसएचओ भी मौजूद रहे। अतिरिक्त सीपी ने साइबर क्राइम लैब का निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड एवं रजिस्टरों की जांच की। इस दौरान सभी जांच अधिकारी और उनकी टीमें मौके पर मौजूद पाई गईं तथा विभिन्न मामलों की जांच में सक्रिय रूप से जुटी हुई थीं। निरीक्षण के अंत में जनरल डायरी (जीडी) में प्रविष्टि दर्ज की गई। श्रीनिवासुलु ने पुलिस कर्मियों के अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए मोबाइल आंगनवाड़ी की शुरूआत

मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने दिखाई हरी झंडी

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खनिज मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि मोबाइल आंगनवाड़ी केंद्र प्रवासी श्रमिकों के बच्चों तक पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि श्रमिक कल्याण केवल वेतन और रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवारों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य से भी जुड़ा है।

मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने मंगलवार को महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का के साथ एमसीआरएचआरडी में राज्य की पहली मोबाइल आंगनवाड़ी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन महिला एवं बाल कल्याण विभाग तथा श्रम विभाग के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया है। प्रारंभिक चरण में यह मोबाइल आंगनवाड़ी मेडचल-मलकाजगिरी जिले की इंदिरम्मा कॉलोनी में सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

इस अवसर पर डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य में पहले से ही लाखों बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिकों की बस्तियों तक सीधे सेवाएं पहुंचाने की मंत्री सीतक्का की पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि बार-बार स्थान बदलने के कारण प्रवासी श्रमिकों के बच्चे कई बार आवश्यक पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रारंभिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। मोबाइल आंगनवाड़ी वाहनों के माध्यम से ऐसे बच्चों को बिना किसी बाधा के जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। मंत्री ने कहा कि यदि यह पायलट परियोजना सफल रहती है तो राज्यभर में और अधिक मोबाइल आंगनवाड़ी केंद्र शुरू किए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि श्रम विभाग ऐसी जनहितकारी पहलों को पूरा सहयोग देगा। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में रहने वाली कई प्रवासी श्रमिक बस्तियों के बच्चों को आंगनवाड़ी सेवाओं तक पहुंच नहीं मिल पाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि मोबाइल आंगनवाड़ी इकाइयां इस कमी को दूर करने में प्रभावी साबित होंगी।

डीसीपी ट्रैफिक ने सैदाबाद फ्लाईओवर का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक-III के पुलिस उपायुक्त राहुल हेगड़े बी.के. ने मंगलवार को संतोषनगर ट्रैफिक पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सैदाबाद फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ चंद्रायनगुट्टा ट्रैफिक जोन के सहायक पुलिस आयुक्त वी. चंद्र कुमार भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यातायात सुगम बनाने के उद्देश्य से प्रस्तावित 'यू' टर्न और वाहनों के डायवर्जन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्र में मौजूदा यातायात स्थिति का जायजा लिया और यातायात प्रबंधन योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद डीसीपी राहुल हेगड़े ने संतोषनगर ट्रैफिक पुलिस थाने का दौरा किया। उन्होंने थाने के रिकॉर्ड का निरीक्षण किया, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत की और यातायात प्रबंधन के दौरान पेशेवर आचरण बनाए रखने के निर्देश दिए। डीसीपी ने पुलिसकर्मियों से उनकी नियमित ड्यूटी के दौरान आने वाली समस्याओं और चुनौतियों की जानकारी भी ली तथा उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने की सलाह दी।

टीजीएनपीडीसीएल के कर्मचारी धर्मार्थ ट्रस्ट के माध्यम से कर रहे है बेहतर कार्य

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका से परे जाकर, टीजीएनपीडीसीएल के कर्मचारी टीजीएनपीडीसीएल चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से समाज में सार्थक योगदान दे रहे हैं, अनाथ बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों, अकेली महिलाओं और गरीब छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं। कर्मचारियों के स्वैच्छिक मासिक वेतन अंशदान से वित्त पोषित यह ट्रस्ट, टीजीएनपीडीसीएल के 18 सर्किलों में कार्यरत 27 सेवा संगठनों को हर महीने 20,000 रुपये प्रदान करता है, जिससे सामाजिक कल्याण पहलों के लिए हर महीने लगभग 5.4 लाख रुपये जुटाए जाते हैं।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में छात्र संगठनों की रैली

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती अधिसूचना जारी करने की मांग को लेकर छात्र संगठनों ने मंगलवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में विरोध रैली निकाली। बड़ी संख्या में छात्र मुख्य पुस्तकालय से कला महाविद्यालय तक पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें रखीं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि बेरोजगार युवा लंबे समय से पुलिस विभाग में खाली पड़े 20 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से केवल 5 हजार पदों के लिए प्रशासनिक मंजूरी दी गई है।

छात्रों ने मांग की कि रिक्त पदों की संख्या बढ़ाकर 20 हजार की जाए। छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालयों में लंबे समय से खाली पड़े शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों को भरने की भी मांग की। उनका कहना था कि रिक्त पदों के कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है और युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए बेरोजगारी भत्ते के वादे को पूरा करने की मांग भी उठाई। इसके अलावा उन्होंने लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति, छात्रवृत्ति की बकाया राशि जारी करने, वार्षिक रोजगार कैलेंडर घोषित करने और उसे प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की। छात्र नेताओं ने कहा कि सरकार को युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, ताकि बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।

एसआईआर प्रक्रिया के बीच ऑनलाइन सेवा केंद्रों पर बढ़ी भीड़

> फॉर्म भरने के लिए लग रही लंबी कतारें

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में तेजी आने के साथ ही हैदराबाद के इंटरनेट और ऑनलाइन सेवा केंद्रों पर लोगों की भीड़ बढ़ गई है।

बड़ी संख्या में मतदाता अपने जनगणना प्रपत्र भरने और जमा करने के लिए ऑनलाइन केंद्रों का रुख कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कई ऑनलाइन सेवा केंद्र प्रत्येक फॉर्म भरने और अपलोड करने के लिए 100 से 150 रुपये तक शुल्क ले रहे हैं। अनेक केंद्रों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं, क्योंकि कई मतदाता बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) के पास फॉर्म जमा करने के बजाय ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करना अधिक सुरक्षित मान रहे हैं।

बीबी का चश्मा निवासी खदीर खान ने बताया कि उन्होंने पहले से समय लेकर ऑनलाइन केंद्र में अपना फॉर्म जमा किया। उनका कहना था कि बीएलओ को दिए गए फॉर्म के संबंधित अधिकारियों तक पहुंचने को लेकर अनिश्चितता रहती है, इसलिए उन्होंने ऑनलाइन माध्यम को प्राथमिकता दी। कई सेवा केंद्रों पर बड़ी संख्या में महिलाएं भी अपनी बारी का इंतजार करती नजर आईं। उनका कहना था कि वे बीएलओ के आने की प्रतीक्षा करने के बजाय अंतिम तिथि से पहले ही सभी औपचारिकताएं पूरी करना चाहती हैं। पुराने शहर के एक इंटरनेट केंद्र संचालक ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में फॉर्म भरवाने वालों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। उनके अनुसार, लोग किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते और समय रहते प्रक्रिया पूरी करने के लिए ऑनलाइन केंद्रों का सहारा ले रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल कुद्दुस ने कहा कि यह भीड़ मतदाताओं के बीच बढ़ती चिंता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि दिहाड़ी मजदूरों को ऑनलाइन आवेदन के लिए 100 से 150 रुपये खर्च करने के साथ-साथ एक दिन की मजदूरी का भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। यात्रा खर्च और मजदूरी के नुकसान को जोड़ने पर कई परिवारों पर 400 से 500 रुपये तक का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

गुरुकुलों में 'क्लीन एंड ग्रीन' व्यवस्था को प्राथमिकता दें : पोन्नम प्रभाकर

> मंत्री की चेतावनी-मेन्यू में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य के गुरुकुलों और हॉस्टलों में स्वच्छ एवं हरित वातावरण (क्लीन एंड ग्रीन) सुनिश्चित किया जाए तथा सरकार द्वारा निर्धारित भोजन मेन्यू का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के कल्याण और उन्हें गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

सचिवालय में मंगलवार को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने गुरुकुलों और हॉस्टलों में पिछले निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गुरुकुल और हॉस्टल शुरू हुए करीब 20 दिन पूरे हो चुके हैं, ऐसे में अधिकारियों को व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करनी चाहिए। पोन्नम प्रभाकर ने जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारियों (डीबीसीडब्ल्यूओ) को अनुशासन के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी समय-समय पर गुरुकुलों और हॉस्टलों का दौरा कर विद्यार्थियों की स्थिति का जायजा लेने की अपील की।

मंत्री ने कहा कि बीसी स्टडी सर्किलों को और मजबूत बनाने के लिए एक विशेष समिति गठित की जाएगी। यह समिति सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सुझाव देगी। उन्होंने अधिकारियों को दिल्ली और अहमदाबाद जैसे राज्यों में सफलतापूर्वक संचालित स्टडी सर्किल मॉडल का अध्ययन कर तेलंगाना में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 16 जुलाई से एचएमडीए ग्राउंड्स में आयोजित होने वाले 'कुल वृत्तियों के मेले' में सभी जातियों के पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों को समान अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार करने को कहा। मंत्री ने बीसी कल्याण विभाग के तहत कौशल विकास कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर संचालित करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक सहायता योजनाओं (इकोनॉमिक सपोर्ट स्कीम्स) का विस्तृत अध्ययन कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। पोन्नम प्रभाकर ने आईआईटी और आईआईएम में प्रवेश पाने वाले गुरुकुल विद्यार्थियों को दिए जाने वाले लैपटॉप वितरण पर भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

उन्होंने बीसी कल्याण विभाग के आयुक्त और गुरुकुलों के सचिव को समय-समय पर अचानक निरीक्षण कर विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं की निगरानी करने के निर्देश दिए। बैठक में बीसी कल्याण विभाग की सचिव बालमयादेवी, गुरुकुलों के सचिव सैदुलु, बीसी कल्याण विभाग के अधिकारी मल्लैया बट्टू, अलोक कुमार, मामिडी हरिकृष्णा, श्रीनिवास रेड्डी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सीएम ने भुवनगिरी के पूर्व विधायक के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भुवनगिरी के पूर्व विधायक कोम्मिडी नरसिम्हा रेड्डी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने 1969 में तेलंगाना आंदोलन के पहले चरण में नरसिम्हा रेड्डी की सक्रिय भूमिका और अंतिम सांस तक सत्यनिष्ठा और निष्ठा का जीवन जीने के लिए उन्हें याद किया। मंगलवार को यहां एक बयान में उन्होंने कहा कि दिवंगत नेता हमेशा जनता के साथ खड़े रहे और गोदावरी के जल को सुरक्षित करने और मूसी नदी की रक्षा के लिए आंदोलनों का नेतृत्व किया।

मुख्यमंत्री ने नरसिम्हा रेड्डी को एक महान मानवतावादी के रूप में याद किया, जिन्होंने भूदान आंदोलन के लिए अपनी 300 एकड़ जमीन दान कर दी थी। रेवंत रेड्डी ने कहा, नरसिम्हा रेड्डी 1978 और 1983 दोनों वर्षों में भोंगिर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। उन्होंने आज की पीढ़ी के लिए एक आदर्श के रूप में कार्य किया, एक सादगीपूर्ण जीवन शैली का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लगातार जनहितों की वकालत की।

विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर स्लीपिंग पॉड्स सुविधा शुरू

विजयवाड़ा, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण तटीय रेलवे (साउथ कोस्ट रेलवे) के विजयवाड़ा मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक स्लीपिंग पॉड्स सुविधा शुरू कर दी है। स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर स्थापित यह सुविधा लंबी प्रतीक्षा, रात में ट्रेन बदलने या यात्रा के दौरान कुछ घंटे आराम करने वाले यात्रियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ, आरामदायक और किफायती ठहराव उपलब्ध कराएगी। इस सुविधा में कुल 168 स्लीपिंग पॉड्स बनाए गए हैं, जिनमें 14 पॉड्स विशेष रूप से महिला यात्रियों के लिए आरक्षित हैं।

इसके अलावा, परिवार के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए तीन फैमिली केबिन भी उपलब्ध कराए गए हैं। प्रत्येक पॉड में केंद्रीय वातानुकूलन (सेंट्रल एसी), व्यक्तिगत लॉकर, हाई-स्पीड वाई-फाई, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट तथा आरामदायक बिस्तर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भुगतान के आधार पर गर्म पानी, पैकेज्ड भोजन, पेयजल और अन्य पेय पदार्थ भी उपलब्ध कराए जाएंगे। विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मोहित सौनकिया ने कहा कि विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन से प्रतिमाह लाखों यात्री यात्रा करते हैं, जिनमें से अनेक को यात्रा के दौरान कुछ समय आराम की आवश्यकता होती है। स्लीपिंग पॉड्स सुविधा यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही सुरक्षित, आधुनिक और किफायती विश्राम का विकल्प उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि मंडल यात्रियों की सुविधाओं में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम प्रजावाणी के नए राज्य नोडल अधिकारी ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। के. विद्यासागर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री प्रजावाणी कार्यक्रम के नए राज्य नोडल अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने यह जिम्मेदारी तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं सीएम प्रजावाणी प्रभारी डॉ.जी. चिन्ना रेड्डी की मौजूदगी में ग्रहण की। विद्यासागर ने दिव्या देवराजन का स्थान लिया है, जिनका तबादला पंचायत राज विभाग के निदेशक पद पर किया गया है। कार्यभार हस्तांतरण कार्यक्रम हैदराबाद स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. चिन्ना रेड्डी ने दिव्या देवराजन द्वारा प्रजावाणी कार्यक्रम के लिए किए गए कार्यों की सराहना की और विश्वास जताया कि विद्यासागर के नेतृत्व में यह कार्यक्रम और अधिक प्रभावी तरीके से संचालित होगा।

सीरवी समाज तेलंगाना की मीटिंग संपन्न

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में सीरवी समाज तेलंगाना के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियो के सानिध्य में विकासशील कार्यो के लिए विशेष आम मीटिंग का आयोजन किया गया। सचिव नारायणलाल काग ने बताया कि पारसीगुट्टा बडेर एवं समाज के 16 संस्थाओं के पदाधिकारियों को आमंत्रित कर विशेष मीटिंग मोहनलाल हाम्बड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विशेष मीटिंग का उद्देश्य तेलंगाना में बसे समाज बन्धुओं की शिक्षा संस्कार और सामाजिक विकास कार्यो में जागरूकता आपसी सहयोग को बढावा देने शादी समारोह में राजस्थानी रीति रिवाज पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ ने पधारे सभी पदाधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह की संयुक्त मीटिंग से समाज में एकता संगठन व सेवा की भावना बढती है। भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। मंच का संचालन सचिव नारायणलाल काग ने किया।

जीएचएमसी मेयर पद पर भाजपा की नजर

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों में एकजुट होकर काम करने और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के मेयर पद पर कब्जा करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया है। रंगारेड्डी शहरी जिला कार्यकारिणी की बैठक को बैरमलगुडा में संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि पार्टी का अंतिम लक्ष्य जीएचएमसी मेयर पद हासिल करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पिछले चुनावी सफलताओं से प्रेरणा लेते हुए हैदराबाद में पार्टी को मजबूत करने और शत-प्रतिशत परिणाम हासिल करने के लिए प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस सरकारों के प्रति जनता में असंतोष भाजपा के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रहा है। उन्होंने पार्टी कैडर को बूथ स्तर की गतिविधियों को मजबूत करने, कांग्रेस सरकार की कथित विफलताओं के खिलाफ अभियान तेज करने और एसआईआर कार्यक्रम के तहत मतदाता सत्यापन में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। रामचंदर राव ने पार्टी में अनुशासन और एकता पर जोर देते हुए कहा कि नेताओं को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर पार्टी हित को प्राथमिकता देनी चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय युवा पहलवानों का दमदार प्रदर्शन

एशियाई चैंपियनशिप में जीते 20 पदक; चार स्वर्ण शामिल

पटाया, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पहलवानों ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण सहित 20 अपने नाम किए जिसमें सात रजत और नौ कांस्य पदक शामिल है। भारत ने चैंपियनशिप के महिला कुश्ती और पुरुष फ्रीस्टाइल में ओवरऑल टीम रैंकिंग में भी शीर्ष तीन में जगह पक्की की। महिला कुश्ती में भारतीय टीम 184 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही जो चैंपियन चीन (189 अंक) से थोड़ा ही कम था। जापान (142 अंक) तीसरे स्थान पर रहा।

अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप

भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम 152 अंकों तीसरे स्थान पर रही। उससे आगे विजेता कजाकिस्तान (170) और ईरान (164) रहे। महिला वर्ग में परवीन (50 किग्रा), मुस्कान (53 किग्रा) और काजल (76 किग्रा) ने स्वर्ण पदक के साथ भारतीय चुनौती की अगुआई की। मान्या राजपूत (57 किग्रा), सविता (62 किग्रा) और मनीषा (72 किग्रा) को चीन के पहलवानों के खिलाफ अपने-अपने फाइनल मुकाबले हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

काजल (55 किग्रा), कोमल (59 किग्रा) और मानसी लाथर (65 किग्रा) के कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। पुरुष फ्रीस्टाइल में सुमित कुमार लक्ष्मण भारास्कर ने 70 किग्रा वर्ग में भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक जीता।

उन्होंने कजाखस्तान के सुंगकर सेदाखमेट के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 13-7 से जीत हासिल की। पुष्प (61 किग्रा), सौरभ यादव (79 किग्रा) और रौनक (125 किग्रा) को फाइनल में शिकस्त झेलने के बाद रजत पदक मिला, जबकि रोहित (57 किग्रा), आदर्श युवराज पाटिल (74 किग्र) और लकी (97 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

इससे पहले ग्रीको-रोमन वर्ग में अक्षय राणा ने 97 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था। नीरज पटेल (55 किग्रा), अनुज (67 किग्रा) और धीरज कुमार मलिक (67किग्रा) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अमार्या बजाज बने डच जूनियर ओपन अंडर-13 चैंपियन

फाइनल में इंग्लैंड के खिलाड़ी को हराया

खेल डेस्क, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय स्क्वैश के उभरते सितारे अमार्या बजाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डच जूनियर ओपन 2026 के अंडर-13 वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के शीर्ष वरीय डेनियल स्टीवेन्सन को 3-1 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अमार्या ने टूर्नामेंट के पहले दौर में मिस्र के खिलाड़ी को 3-0 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की। दूसरे दौर में उन्होंने इंग्लैंड के आर्लो स्मिथ को भी सीधे गेमों में 3-0 से मात दी।

प्री-क्वार्टर फाइनल में अमार्या ने बड़ा उलटफेर करते हुए सिंगापुर के शीर्ष वरीय केलन लो को 3-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में मिस्र के बद्र हसन को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उनका सामना हंगरी के यूरोपियन नंबर-1 एलेक्स कोज़ट्यू से हुआ। अमार्या ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए यह मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के डेनियल स्टीवेन्सन को 3-1 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

डच जूनियर ओपन का खिताब जीतने से पहले अमार्या ने चीन में आयोजित 2026 एशियाई जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता था। महज 13 वर्ष की उम्र में उनके नाम अब एशियाई जूनियर स्तर पर दो पदक और एक प्रतिष्ठित यूरोपीय खिताब दर्ज हो चुका है।

अमार्या बजाज की यह जीत भारतीय स्क्वैश के लिए भी बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। उन्होंने साबित किया है कि भारत के युवा खिलाड़ी अब विश्व के सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ियों को चुनौती देने के साथ उन्हें हराने की क्षमता भी रखते हैं। लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर अमार्या अंतरराष्ट्रीय जूनियर स्क्वैश में भारत की नई उम्मीद बनकर उभरे हैं।

ग्रैंड चेस टूर : प्रज्ञानानंद संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे

गुकेश छठे; अलीरेजा फिरूजा बने चैंपियन

जाग्रेब (क्रोएशिया), 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के अंतिम दिन शानदार वापसी करते हुए संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर प्रतियोगिता समाप्त की। वहीं फ्रांस के अलीरेजा फिरूजा ने टाईब्रेक में जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। फिरूजा और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने निर्धारित मुकाबलों के बाद 23.5-23.5 अंक हासिल किए। इसके बाद हुए टाईब्रेक में शुरुआती दो मुकाबले ड्रॉ रहे। अंततः आर्मागेडन मुकाबले में काले मोहरों से खेलते हुए फिरूजा ने ड्रॉ हासिल किया और नियमों के

प्रज्ञानानंद

अनुसार चैंपियन घोषित किए गए।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने कुल 21.5 अंक जुटाए और फ्रांस के मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। अंतिम दिन की शुरुआत प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर के खिलाफ हार से की, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए अंतिम आठ बाजियों में छह अंक हासिल किए। इस दौरान उन्होंने चैंपियन बने फिरूजा को भी हराया। हालांकि उन्हें एक और हार हमवतन डी. गुकेश के खिलाफ झेलनी पड़ी। वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश 18.5 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने 20 अंकों के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। नीदरलैंड्स के अनिश गिरी 17 अंकों के साथ सातवें, रोमानिया के बोगदान-डेनियल डीक 15 अंकों के साथ आठवें, जॉर्डन वान फोरेस्ट 12.5 अंकों के साथ नौवें और मेजबान क्रोएशिया के इवान सारिच सात अंकों के साथ दसवें स्थान पर रहे।

एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में होंगे बड़े बदलाव!

बीसीसीआई जल्द ले सकती है अहम फैसला

मुंबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टीम के साथ एशियन गेम्स 2026 के लिए भी टीम इंडिया के स्क्वाड का ऐलान किया था. टाइम्स ऑफ इंडिया के हवाले से सामने आ रही रिपोर्ट के अनुसार अब मैनेजमेंट इसमें कुछ बड़े बदलाव करने के मूड में नजर आ रहा है. टी20 विश्व कप 2026 जीत के बाद से ही भारतीय टीम में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों को स्क्वाड में जगह मिली है तो वहीं सूर्यकुमार जैसे खिलाड़ियों की छुट्टी भी हुई है. ऐसे में एशियन गेम्स के लिए स्क्वाड के बदलाव में कुछ खिलाड़ियों का पत्ता कट सकता है. दावा किया गया है कि आखिरी समय में स्क्वाड में बदलाव किए जा सकते हैं. बीसीसीआई इसके लिए एशियन गेम्स की अथॉरिटी से संपर्क करेगी. नियमों के अनुसार अभी टीम में बदलाव किए जा सकते हैं. ऐसे में कुछ खिलाड़ियों का बाहर होना तय है. मैनेजमेंट सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवा खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मौका दे सकता है. टीम इंडिया को साल 2026 में टी20 विश्व कप का खिताब अकेले दम पर जिताने वाले संजू सैमसन को अचानक प्लेइंग 11 से बाहर कर दिया. इंग्लैंड के दौरे पर उनको केवल एक ही मैच में प्लेइंग 11 में जगह मिल पाई.

शे होप ने बेईमानी से ठोका 25वां शतक?

लगा बड़ा आरोप

एंटीगा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। एंटीगा के विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे के चौथे दिन वेस्टइंडीज के विकेटकीपर शे होप ने शानदार शतक लगाया. होप ने अपने टेस्ट करियर का पांचवां शतक जड़ा जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट में ये उनका 25वां शतक है. इस शतक के बाद शे होप काफी खुश नजर आए लेकिन इस खिलाड़ी पर बेईमानी का बड़ा आरोप भी लग रहा है. शे होप पर आरोप है कि जब वो 89 रन पर खेल रहे थे तो गेंद ने उनके बल्ले का किनारा लिया था लेकिन उन्हें आउट नहीं दिया और वो खुद पवेलियन नहीं लौटे. ये आरोप श्रीलंका के क्रिकेट राइटर निबराज रमजान ने लगाया

है. शे होप को इस जीवनदान का फायदा मिला और इस खिलाड़ी ने 199 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. शे होप ने 243 गेंदों में 112 रनों की पारी खेली जिसमें 10 चौके शामिल हैं.

शे होप का टेस्ट शतक बेहद ही खास है. वो इसलिए क्योंकि अगस्त 2017 तक करियर के 8 सालों में उन्होंने एक भी टेस्ट शतक नहीं लगाया लेकिन अब उनके नाम पांच टेस्ट शतक हैं. बड़ी बात ये है कि पिछले पांच टेस्ट मैचों में वो तीन शतक लगा चुके हैं. शे होप ने श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट शतक ठोका है और अपनी घरेलू सरजमीं पर ये उनका पहला टेस्ट शतक है. बता दें शे होप अपने इंटरनेशनल करियर में 19 वनडे शतक लगा चुके हैं. टी20 में भी उनके नाम एक शतक है और अब उन्होंने टेस्ट में भी पांच शतक जड़ दिए हैं. बता दें शे होप ने जस्टिन ग्रीव्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 242 रनों की साझेदारी की.

जिम्बाब्वे ने 141 रन डिफेंड कर बांग्लादेश को हराया

हरारे, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 25 रन से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36.4 ओवर में 141 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 33.1 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने 21 रन देकर 6 विकेट लिए। यह वनडे क्रिकेट में किसी भी बांग्लादेशी गेंदबाज का बेस्ट प्रदर्शन है, लेकिन उनकी यह प्रदर्शन भी टीम को जीत नहीं दिला सका। जिम्बाब्वे की जीत के हीरो न्यूमैन न्यामहुरी रहे। उन्होंने 33 रन बनाने के अलावा 2 विकेट और 2 शानदार कैच भी लिए। कप्तान रिचर्ड नगारावा ने 27 रन और 3 विकेट लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन किया। जिम्बाब्वे के लिए न्यामहुरी और नगारावा ने नौवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की, जिसने मैच का रुख बदल दिया। इसी साझेदारी की बदौलत टीम 70/8 से 141 रन तक पहुंच सकी।

विम्बलडन में 23 साल के फेरी ने दिमित्रोव को हराया

जैस्मीन पाओलिनी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं; डिफेंडिंग चैंपियन ब्रिटिश जोड़ी अंतिम-8 में

लंदन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ऑल इंग्लैंड क्लब में खेले जा रहे विम्बलडन 2026 में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले। मेंस सिंगल्स में ब्रिटेन के 23 साल के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी ने पूर्व वर्ल्ड नंबर-3 ग्रिगोर दिमित्रोव को पांच सेट तक चले मुकाबले में 7-5, 3-6, 4-6, 6-4, 7-6 (10-7) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

2014 में निक किर्गियोस के बाद वे अंतिम-8 में पहुंचने वाले पहले वाइल्डकार्ड खिलाड़ी बने हैं। महिला सिंगल्स में इटली की जैस्मीन पाओलिनी और मेंस डबल्स में ब्रिटेन की जूलियन कैश-लॉयड ग्लासपूल की जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

आर्थर फेरी के लिए यह सफर किसी सपने से कम नहीं रहा। पांच जनवरी को कैनबरा चैलेंजर के क्वालिफाइंग मुकाबले में कोहनी की चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट छोड़ना पड़ा था। एक

आर्थर फेरी

जैस्मीन पाओलिनी

समय वे ठीक से सर्विस भी नहीं कर पा रहे थे, लेकिन 26 हफ्ते बाद सेंटर कोर्ट पर 14 हजार से ज्यादा दर्शकों के सामने उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। पूर्व ब्रिटिश नंबर-1 ग्रेग रुसेद्स्की ने कहा कि फेरी ने दबाव में शानदार खेल दिखाया और जीत के पूरी तरह हकदार रहे। अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला इटली के नौवें वरीय फ्लेवियो कोबोली से होगा।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के साथ ही फेरी को कम से कम 4.80 लाख पाउंड (करीब 5.2 करोड़ रुपये) की प्राइज मनी मिलना तय हो गया है। साल की शुरुआत 185वीं रैंकिंग से करने वाले फेरी अब कम से कम 63वें स्थान पर पहुंच जाएंगे। इसके साथ ही वे ब्रिटेन के नए नंबर-2 खिलाड़ी भी बनेंगे। बेहतर रैंकिंग के कारण अब उन्हें ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में सीधे एंट्री मिलेगी।

महिला सिंगल्स में 2024 की फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी ने फीलीपींस की 21 साल की एलेक्जेंड्रा ईला को 6-4, 4-6, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ईला ने पिछले दौर में डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातिएक को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

तीसरे सेट में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन आठवें गेम में ईला की दो गलतियां भारी पड़ गईं। पाओलिनी ने मौके का फायदा उठाते हुए मैच अपने नाम किया। अब उनका सामना यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक से होगा।

मेंस डबल्स में मौजूदा चैंपियन जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल की तीसरी वरीय जोड़ी ने पेट्र नौजा और नील ओबरलीटनर को 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। दोनों अब लगातार दूसरा विम्बलडन खिताब जीतने से तीन जीत दूर हैं। मैच के बाद लॉयड ग्लासपूल ने कहा कि उन्हें खिताब बचाने का दबाव नहीं, बल्कि पिछले साल की जीत से मिला आत्मविश्वास महसूस हो रहा है। वहीं, ब्रिटेन के नील स्कुप्सकी मेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स दोनों स्पर्धाओं से बाहर हो गए।

रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल फुटबॉल वर्ल्डकप से बाहर

स्पेन ने 1-0 से हराया, मेजबान अमेरिका को बेल्जियम ने 4-1 से पराजित किया

आर्लिंग्टन (टेक्सास), 7 जुलाई (एजेंसियां)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानों रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल और मेजबान अमेरिका फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। पहले मैच में पुर्तगाल को स्पेन ने 1-0 से हराया। जबकि, अमेरिका ने बेल्जियम ने 4-1 के बड़े अंतर से हराया। 41 साल के रोनाल्डो अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे थे। डलास स्टेडियम से बाहर जाते समय फैंस ने खड़े होकर उन्हें सम्मान किया। उन्होंने गंभीर चेहरे के साथ फैंस का अभिवादन किया, इससे यह साफ था कि वे अपने वर्ल्ड कप करियर का अंत जीत के साथ करना चाहते थे। इधर, सिएटल स्टेडियम में मेजबान अमेरिका पर डिफेंस की गलतियां भारी पड़ी। बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने डबल गोल किए। उन्होंने एक गोल करने में मदद भी की। 57वें मिनट में गोलकीपर मैट फ्रीज की बड़ी गलती मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुई।

स्पेन वर्ल्ड कप इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैचों तक गोल नहीं खाने वाली टीम बन गई। स्पेन ने लगातार छठे मैच में गोल नहीं खाया है। स्पेन ने इटली (1990) और स्विट्जरलैंड (2006-10) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दोनों टीमों ने लगातार 5-5 वर्ल्ड कप मैचों में कोई गोल नहीं खाया था। स्पेन की क्लीन शीट का सिलसिला 2022 वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ 0-0 ड्रॉ से शुरू हुआ था। हालांकि, उस मैच में मोरक्को पेनल्टी शूटआउट में आगे बढ़ गया था। मौजूदा वर्ल्ड कप में स्पेन ने ग्रुप चरण में केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला, जिसके बाद लगातार चार मैचों में क्लीन शीट रखते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

29 साल के गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाकर वर्ल्ड कप का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने ऑसट्रिया के खिलाफ नॉकआउट मुकाबले में इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा का 517 मिनट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा था। सिमोन ने 2022 वर्ल्ड कप में जापान के खिलाफ 2-1 गोल खाया था। सिमोन ने पुर्तगाल के खिलाफ पहले हाफ में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो प्रयास विफल किए। इनमें एक शानदार डाइविंग सेव भी शामिल रही, जब उन्होंने हवा में रहते हुए दोनों हाथों से गेंद को पकड़ लिया। स्पेन अब इसी मजबूत डिफेंस के दम पर वर्ल्ड कप खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल हो गया है।

फीफा विश्व कप में दागे गोल, अब क्रिकेट में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, आईसीसी टूर्नामेंट में मचाया तहलका

लंदन, 7 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी दुनिया की एकमात्र ऐसी प्लेयर हैं, जिन्होंने फीफा और आईसीसी दोनों ही वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है. उनके फुटबॉल और क्रिकेट का करियर एक साथ ही 2007 में शुरू हुआ था. लेकिन, आगे चलकर उन्हें दोनों खेलों में से किसी एक को चुनना पड़ा और उन्होंने क्रिकेट में अपना करियर बनाने का फैसला किया. पेरी का वो फैसला कितना सही रहा, उसका पता इस खेल में उनके बनाए वर्ल्ड रिकॉर्ड से चलता है. वो मेंस और वीमेंस मिलाकर आईसीसी टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे कामयाब क्रिकेटर हैं. वो सबसे ज्यादा आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुकी हैं.

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराकर महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया. ये 7वीं बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 वर्ल्ड कप जीता है. ऑस्ट्रेलिया की उन सातों टी20 वर्ल्ड कप जीत का एलिस पेरी गवाह रही हैं. मतलब वो हर बार टीम का हिस्सा रही हैं. इन 7 टी20 वर्ल्ड कप को मिलाकर एलिस पेरी के पिटारे में कुल 9 आईसीसी खिताब हो गए हैं. वो ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के साथ 2 वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भी उठा चुकी हैं.

2026 का महिला टी20 वर्ल्ड कप जीतने से पहले एलिस पेरी 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रही थीं. उन्होंने 2013 और 2022 में महिला वनडे वर्ल्ड कप का खिताब भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जीता है. इस तरह वो पहली क्रिकेटर बन गई हैं, जिनके नाम सीनियर लेवल पर कुल 9 आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का रिकॉर्ड दर्ज है.

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की माहिर बल्लेबाज एलिस पेरी ने सबसे पहले फुटबॉल से अपने खेल के करियर की शुरुआत की थी. वो ऑस्ट्रेलिया की महिला फुटबॉल टीम में डिफेंडर की भूमिका में थी. 2007 में इंटरनेशनल फुटबॉल में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ एलिस पेरी ने अपना पहला मैच खेला था. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2011 का फीफा वर्ल्ड कप भी खेला, जिसमें स्वीडन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में एक गोल किया. हालांकि, उनके गोल के बाद भी स्वीडन ने ऑस्ट्रेलिया को 1-3 से हरा दिया. पेरी ने 2007 से 2012 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 3 गोल किए.

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एलिस पेरी के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 7 मैचों की 7 पारियों में 132.88 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल रहे. वो फाइनल में 13 रन बनाकर नाबाद रही थीं. इसके अलावा गेंद से टूर्नामेंट में एलिस पेरी ने 3 पारियों में 4 विकेट चटकाए हैं.

भारत अंडर-19 को दूसरे यूथ वनडे में श्रीलंका अंडर-19 ने 8 विकेट से हरा दिया

हंबनटोटा, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत अंडर-19को दूसरे यूथ वनडे में श्रीलंका अंडर-19 ने 8 विकेट से हरा दिया। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने 67 गेंदों पर 87 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। श्रीलंका के ओपनर दिमंथा महाविथाना ने नाबाद 155 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। 4 जुलाई को पहला वनडे भारत ने 4 विकेट से जीता था।। तीसरा वनडे 9 जुलाई को खेला जाएगा।

हंबनटोटा में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 47.2 ओवर में 285 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 48 ओवर में 2 विकेट पर 291 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 19वें ओवर तक 81 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ और अर्जुन राजपूत ने पांचवें विकेट के

महाविथाना ने 153 गेंदों पर नाबाद 155 रन बनाए

लिए 145 रन जोड़कर पारी संभाली।

17 साल के अन्वय ने 67 गेंदों में 87 रन बनाए। उनकी पारी में 9 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने 47 गेंदों में अपना पहला यूथ वनडे अर्धशतक पूरा किया। अर्जुन राजपूत ने 81 गेंदों पर 76 रन बनाए।

राजपूत 221 के स्कोर पर दिमंथा महाविथाना के थ्रो पर रन आउट हुए। इसके बाद अन्वय भी शतक से 13 रन पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गिम्हान मेंडिस का शिकार बने। उनके आउट होने के बाद भारत ने आखिरी 3 विकेट सिर्फ 22 रन में गंवा दिए।

286 रन का पीछा करते हुए श्रीलंका को पहला झटका जल्दी लगा, लेकिन इसके बाद दिमंथा महाविथाना ने मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया। उन्होंने 153 गेंदों पर नाबाद 155 रन बनाए। महाविथाना ने पहले सेनुजा वेकुनागोड़ा (60) के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान विमथ दिनसारा (56)* के साथ तीसरे विकेट के लिए 163 रन की नाबाद साझेदारी कर श्रीलंका को 8 विकेट से जीत दिला दी।

श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गिम्हान मेंडिस ने 41 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने अन्वय द्रविड़ समेत भारतीय लोअर ऑर्डर को जल्दी समेट दिया।

यह अन्वय द्रविड़ का सिर्फ दूसरा यूथ वनडे था। पहले मुकाबले में वह 14 रन ही बना सके थे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने जिम्मेदारी भरी पारी खेली। अन्वय हाल ही में वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक अंडर-19 टीम के कप्तान रहे थे, जहां उन्होंने 220 रन बनाए थे। इससे पहले 2025 में वह इंडिया-बी अंडर-19 टीम की ओर से अफगानिस्तान अंडर-19 के खिलाफ ट्राई सीरीज भी खेल चुके हैं। अन्वय के बड़े भाई समित द्रविड़ ने भी रविवार को केएससीए महाराजा टी-20 ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाने के साथ 2/23 का गेंदबाजी प्रदर्शन किया और अपनी टीम को जीत दिलाई। समित 2024 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में चुने गए थे, लेकिन घुटने की चोट के कारण दौरे से बाहर हो गए थे।

सीएम ने दोषी एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया

> संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना राज्य में डिजिटल शासन को मजबूत करने के लिए एक आधिकारिक समिति के गठन की घोषणा की है। समिति को 100 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन के शीघ्र भुगतान को सुव्यवस्थित करने के लिए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है जो सरकार के लक्ष्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही हैं।

मंगलवार को रेवंत रेड्डी ने संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा धनराशि जारी किए जाने के बाद भी संविदा और आउटसोर्सिंग एजेंसियों को समय पर वेतन न देने वाली एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने डिजिटल शासन के कार्यान्वयन का विवरण मांगा और अधिकारियों को डिजिटल शासन के लिए योजना बनाने और आवश्यक कानून का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासनिक व्यवस्था को पूर्णतः डिजिटलीकरण के माध्यम से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करना और डिजिटल शासन के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना है। रेवंत रेड्डी ने संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के साथ-साथ नियमित सरकारी कर्मचारियों से संबंधित डेटा के डिजिटलीकरण के बारे में जानकारी ली।

अधिकारियों को पूरे डेटा को डिजिटाइज करने और यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया कि वेतन प्रत्येक माह की पहली तारीख को दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों में संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का विवरण, उनके वेतन और बैंक खाता जानकारी सहित, डिजिटाइज़ किया जाना चाहिए।

झांसा देकर व्यवसायी से 2.70 करोड़ रुपये की ठगी

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक व्यवसायी से सस्ते दामों पर एप्पल आईफोन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सोना उपलब्ध कराने और फ्रेंचाइजी दिलाने का झांसा देकर 2.70 करोड़ रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बेगमपेट निवासी व्यवसायी की जनवरी 2024 में मिलन सिंह वनथ नामक व्यक्ति से मुलाकात हुई। आरोपी ने खुद को एक कंपनी का प्रतिनिधि बताया और दावा किया कि उसके पिता नरेंद्र सिंह वनथ तथा दर्शन चौहान उसके कारोबारी साझेदार हैं। आरोपियों ने व्यवसायी को भरोसा दिलाया कि वे सूरत और मुंबई से बाजार मूल्य से कम कीमत पर एप्पल आईफोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और सोना थोक में उपलब्ध करा सकते हैं। साथ ही उन्होंने एक आकर्षक फ्रेंचाइजी देने का भी प्रस्ताव रखा, जिससे प्रभावित होकर व्यवसायी ने 2.70 करोड़ रुपये का निवेश कर दिया।

निष्पक्षता और तकनीक आधारित प्रभावी पुलिसिंग करें : सीवी. आनंद

> डीजीपी ने खम्मम में अपराध समीक्षा बैठक की

खम्मम, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने खम्मम जिले के दौरे के दौरान पुलिस अधिकारियों को "बैक टू बेसिक्स" का मंत्र देते हुए कहा कि पुलिसिंग की बुनियाद ईमानदारी, दृश्यमान (विजिबल) पुलिसिंग, निष्पक्षता और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग पर आधारित होनी चाहिए।

उन्होंने कानून के अनुरूप कार्य करते हुए गरीब और असहाय लोगों को न्याय दिलाने तथा नशे के खिलाफ निर्णायक अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीजीपी ने खम्मम में अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने रोड़ सेफ्टी पार्क, जिले में स्थापित 250 सीसीटीवी कैमरों को कमांड सेंटर से जोड़ने की परियोजना तथा पुलिस आयुक्तालय के सीसीटीवी कमांड फैसिलिटी का उद्घाटन किया। उन्होंने वन महोत्सव के तहत पौधारोपण भी किया तथा पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों को हेलमेट वितरित किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया गया। डीजीपी ने कहा कि राज्य की लगभग 4.5 करोड़ आबादी में केवल 0.16 प्रतिशत लोगों को ही पुलिस वर्दी पहनकर सेवा करने का अवसर मिलता है, इसलिए पुलिसकर्मियों को इस जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने रात्रि गश्त मजबूत कर संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने, सीसीटीएनएस डेटा का शत-प्रतिशत सही रखरखाव सुनिश्चित करने तथा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस को स्पष्ट किया कि वह दीवानी और भूमि विवादों में हस्तक्षेप न करे तथा कानून के अनुसार ही कार्रवाई करे। डीजीपी ने कहा कि सड़क सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए जल्द ही ईगल की तर्ज पर ट्रैफिक मैनेजमेंट ब्यूरो की स्थापना की जाएगी।

दक्षिण मध्य रेलवे में मानसून तैयारियों और ट्रेन संचालन सुरक्षा की समीक्षा

मानसून के दौरान सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में मानसून तैयारियों तथा ट्रेन संचालन सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष तथा सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) एवं वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। समीक्षा के दौरान महाप्रबंधक ने संवेदनशील रेलखंडों, पटरियों, पुलों और सुरंगों पर किए गए सुरक्षा उपायों की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से उन रोड अंडर ब्रिजों (आरयूबी) पर ध्यान केंद्रित किया, जहां जलभराव की आशंका रहती है। उन्होंने लिफ्टिंग बैरियर, जल निकासी व्यवस्था, चेतावनी बोर्ड, पानी निकासी के लिए पंपों की उपलब्धता तथा 24 घंटे चौकीदारों की तैनाती जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। संजय कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य प्रणाली का कड़ाई से पालन करने, ट्रेन संचालन से संबंधित अभिलेखों का समुचित रखरखाव करने तथा मानसून के दौरान सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण करने और चौबीसों घंटे निगरानी बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही चिन्हित पुलों पर जलस्तर की निरंतर निगरानी रखने और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए रखने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने रेलवे जोन के समग्र सुरक्षा प्रदर्शन की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन प्रबंधकों को समूह बैठकों तथा व्यक्तिगत परामर्श सत्रों के माध्यम से नियमित रूप से सुरक्षा संबंधी जागरूकता प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक के बाद पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन शाखा ने भारतीय रेलवे में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) के लिए लागू मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर प्रस्तुति दी। इस दौरान अधिकारियों को चार-स्तरीय कचरा पृथक्करण, रेलवे ट्रैक के किनारे जमा कचरे की सफाई तथा अपशिष्ट प्रसंस्करण सहित विभिन्न नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

मदद के बहाने राहगीर का एक लाख रुपये का मोबाइल लेकर फरार

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरूरनगर क्षेत्र में दो अज्ञात बदमाशों ने मदद मांगने का नाटक कर एक राहगीर का करीब एक लाख रुपये कीमत का महंगा मोबाइल फोन चोरी कर लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना सोमवार की है। बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक सड़क पर जानबूझकर गिरने का नाटक करने लगे। उन्हें गिरा देख एक राहगीर उनकी मदद के लिए पहुंचा।

इसी दौरान आरोपियों ने मौका पाकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया और उसी मोटरसाइकिल से तेजी से फरार हो गए। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पीड़ित की शिकायत पर सरूरनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

वैश्विक एआई मानकों के लिए आदर्श है तेलंगाना : भट्टी

'ग्रीन ग्रोथ इकोनॉमिक समिट-द हैदराबाद कलेक्टिव' का उद्घाटन

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य न केवल निवेश आकर्षित कर रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी को भी एकीकृत कर रहा है, जिससे वह एआई मानकों के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। उन्होंने उद्योग और आईटी मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू के साथ मंगलवार को हैदराबाद के एचआईसीसी में 'ग्रीन ग्रोथ इकोनॉमिक समिट- द हैदराबाद कलेक्टिव' का उद्घाटन किया। द मेरिडियन कलेक्टिव के तत्वावधान में आयोजित यह शिखर सम्मेलन दो दिनों तक चलेगा। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एआई केवल क्लाउड कंप्यूटिंग और सर्वरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बिजली, पानी, भूमि और मानव संसाधन जैसे महत्वपूर्ण संसाधन भी शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, हम एआई का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम दुनिया को यह मार्गदर्शन दे रहे हैं कि एआई का विकास कैसे होना चाहिए।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना जल और बिजली जैसे प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करने के बजाय नवीकरणीय ऊर्जा और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देकर एआई के केंद्र के रूप में उभर रहा है। निवेश को आक्रामक रूप से आमंत्रित करते हुए, तेलंगाना यह सुनिश्चित कर रहा है कि इससे पर्यावरण और स्थानीय समुदायों दोनों को लाभ हो। उन्होंने कहा, यह सिर्फ जमीन, पानी और बिजली के आवंटन का मामला नहीं है। उद्योगों को स्थानीय कौशल को बढ़ावा देना होगा, स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करना होगा और केवल पुनर्चक्रित पानी पर निर्भर रहना होगा। यह सिर्फ इंजीनियरिंग दक्षता की बात नहीं है-यह हमारे मूल मूल्यों को दर्शाता है। ऐसे समय में जब दुनिया कार्बन क्रेडिट पर चर्चा कर रही है, तेलंगाना ने 'पीपल्स क्रेडिट' की अवधारणा पेश की है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई निवेश डेटा केंद्रों तक ही सीमित न रहे, बल्कि स्थानीय रोजगार सृजन और ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास में भी योगदान दे। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि निवेश स्वच्छ ऊर्जा, पारदर्शिता और जनसम्मान के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को न केवल उत्सर्जन कम करना चाहिए बल्कि स्थानीय बौद्धिक संपदा को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रौद्योगिकी को कभी भी कृषि और आम लोगों की पानी की ज़रूरतों से प्रतिस्पर्धा नहीं करनी चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना में ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों को प्राथमिकता दी जाएगी जो पानी के सबसे ज़िम्मेदार उपयोग के तरीकों को अपनाती हैं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि एआई आम नागरिकों के लिए सुलभ होना चाहिए, जिससे भाषा की बाधाएं दूर हों और महबूबबाद से आदिलाबाद तक के ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों। भट्टी विक्रमार्क ने गर्व से घोषणा की कि तेलंगाना न केवल डेटा केंद्रों का केंद्र है, बल्कि दुनिया को यह सिखाने के लिए एक आदर्श भी है कि उन्हें जिम्मेदारी से कैसे बनाया जाए। उन्होंने आगे कहा कि उद्योगों का स्वागत करते हुए जनता के हितों के साथ मजबूती से खड़े रहने के तेलंगाना सरकार के प्रयासों से भविष्य में हैदराबाद को एआई मानकों के लिए वैश्विक स्तर पर एक मिसाल के रूप में स्थापित किए जाने की उम्मीद है।

वेतन वृद्धि और लंबित मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्यकर्मियों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत फील्ड स्तर के संविदा स्वास्थ्यकर्मियों ने मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक घंटे का विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने तत्काल वेतन वृद्धि, समय पर वेतन भुगतान और अन्य लंबित मांगों के समाधान की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। तेलंगाना मेडिकल कॉन्ट्रैक्ट एम्प्लॉइज़ एंड वर्कर्स यूनियन (एआईटीयूसी से संबद्ध) के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने घोषणा की कि गुरुवार को कोटी स्थित डायरेक्टर ऑफ मेडिकल एजुकेशन (डीएमई) कार्यालय पर सामूहिक धरना दिया जाएगा।

यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं करती है तो सरकारी अस्पतालों में आवश्यक सेवाएं बाधित की जाएंगी और अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। एआईटीयूसी के राज्य उप महासचिव एम. नरसिम्हा ने कहा कि राज्य सरकार यह दावा करती है कि संविदा कर्मचारियों को प्रत्येक माह की पहली तारीख को वेतन मिल जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि सरकारी अस्पतालों में कार्यरत स्वच्छता, रोगी देखभाल और सुरक्षा कर्मियों को अब तक वेतन नहीं मिला है। उन्होंने इसे कर्मचारियों के साथ अन्याय बताते हुए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। बताया गया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता, रोगी देखभाल और सुरक्षा सेवाओं में करीब 20 हजार संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं।

कर्मचारी लंबे समय से न्यूनतम मासिक वेतन 26 हजार रुपये किए जाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन वर्षों से आंदोलन के बावजूद उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। यूनियन ने अपनी अन्य प्रमुख मांगों में संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम का पूर्ण पालन, कर्मचारियों को 23 वैधानिक वार्षिक अवकाश प्रदान करना तथा बोनस अधिनियम के तहत एक महीने के वेतन के बराबर बोनस का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल की है।

कर्मचारी नेताओं का कहना है कि यदि सरकार ने उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कंक्रीट मिक्सर ऑपरेटरों और निर्माण श्रमिकों का प्रदर्शन

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कंक्रीट मिक्सर ऑपरेटरों और निर्माण श्रमिकों ने मंगलवार को खैरताबाद स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि परिवहन विभाग द्वारा लगाए जा रहे भारी जुर्मानों से उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। यह प्रदर्शन तेलंगाना में विभिन्न संगठनों द्वारा अत्यधिक जुर्माने के विरोध में बुलाए गए बंद के समर्थन में आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आरटीओ अधिकारियों ने पुलिस के सहयोग से हाल के दिनों में कंक्रीट मिक्सर वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है और प्रत्येक वाहन पर 25 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अधिकारी राजस्व और प्रवर्तन लक्ष्य पूरे करने के लिए निर्माण क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों को निशाना बना रहे हैं।

हैदराबाद-रियाद के बीच फ्लाईडील की सीधी उड़ान सेवा शुरू

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) ने सऊदिया समूह की कम लागत वाली एयरलाइन फ्लाईडील की हैदराबाद में पहली उड़ान का स्वागत किया। एयरलाइन ने हैदराबाद और रियाद के बीच अपनी पहली सीधी उड़ान सेवा शुरू कर भारतीय बाजार में आधिकारिक प्रवेश किया है। हैदराबाद हवाई अड्डे पर पहली उड़ान के आगमन के अवसर पर जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काधिर काधिरावन, फ्लाईडील के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी लॉयडजो मिस्किटा तथा एयरपोर्ट ऑपरेशंस हेड अब्दुल रहमान अलराशिद मौजूद रहे। अधिकारियों ने इसे हैदराबाद हवाई अड्डे के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे भारत और सऊदी अरब के बीच हवाई संपर्क और मजबूत होगा।

एयरलाइन रियाद-हैदराबाद-रियाद मार्ग पर एयरबस ए320 विमान से प्रतिदिन एक उड़ान (सप्ताह में सात दिन) संचालित करेगी। इस सेवा के माध्यम से हैदराबाद से यात्रा करने वाले यात्रियों को सऊदी अरब के विभिन्न शहरों के लिए फ्लाईडील के घरेलू नेटवर्क से बेहतर और सुविधाजनक कनेक्टिविटी मिलेगी। जारी उड़ान कार्यक्रम के अनुसार, रियाद से उड़ान रात 11:20 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:50 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। वहीं, हैदराबाद से उड़ान सुबह 7:55 बजे रवाना होकर स्थानीय समयानुसार सुबह 11:05 बजे रियाद पहुंचेगी।

केयूडीए भूमि नीलामी में बीआरएस ने लगाया 70 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण (केयूडीए) द्वारा आयोजित भूमि नीलामी में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। पार्टी नेताओं ने कांग्रेस नेताओं पर करीब 70 करोड़ रुपये के घोटाले और भद्रकाली झील के आसपास अतिक्रमण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक दासयम विनय भास्कर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक नैनी राजेंदर रेड्डी और केयूडीए के अध्यक्ष वेंकटरामी रेड्डी ने मिलीभगत कर प्राधिकरण की कीमती भूमि को ऑफलाइन निविदा प्रक्रिया के माध्यम से बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर बेच दिया। उन्होंने दावा किया कि लगभग 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ग गज कीमत वाली जमीन को करीब 60 हजार रुपये प्रति वर्ग गज की दर से नीलाम किया गया, जिससे शहरी विकास प्राधिकरण को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। बीआरएस नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि पांच एकड़ बंदोबस्ती भूमि एक स्टार होटल को सौंपने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भूमि से जुड़े मामलों में अनियमितताओं को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

केयूडीए के पूर्व अध्यक्ष मर्री यादव रेड्डी ने आरोप लगाया कि 6,697 वर्ग गज की प्रमुख भूमि बाजार मूल्य से कम दर पर नीलाम की गई। उन्होंने इस नीलामी को तत्काल रद्द कर पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन बोली प्रणाली अपनाने की मांग की। बीआरएस नेता के. वासुदेव रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य में आयोग आधारित व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है और वारंगल में भी इसी तरह की अनियमितताएं हो रही हैं। उन्होंने सरकार से केयूडीए की भूमि नीलामी तत्काल निरस्त करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

कोंडा सुरेखा और कडियम श्रीहरि का राजनीतिक मतभेद चर्चा का विषय बना

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा और वरिष्ठ विधायक कडियम श्रीहरि के बीच पनप रहे राजनीतिक मतभेद एक बार फिर सामने आ गए हैं, जिससे अविभाजित वारंगल जिले में कांग्रेस के आंतरिक तनाव फिर से चर्चा का विषय बन गए हैं।

यह ताजा विवाद तब सामने आया जब कडियम श्रीहरि ने विधानसभा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर जिला अधिकारियों के साथ एक विशेष समीक्षा बैठक की और अविभाजित वारंगल जिले के लिए एक व्यापक मास्टर प्लान की मांग की।

इस पर कड़ा विरोध जताते हुए कोंडा सुरेखा ने विधायक पर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने, जिला प्रशासन में हस्तक्षेप करने और प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए अधिकारियों पर दबाव डालने का आरोप लगाया। इस मुद्दे को पार्टी नेतृत्व के समक्ष उठाते हुए, सुरेखा ने कथित तौर पर एआईसीसी नेतृत्व और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर श्रीहरि के आचरण पर गहरी असंतोष व्यक्त किया है और उन पर जिला राजनीति में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। कोंडा सुरेखा के इस नवीनतम पत्र ने वारंगल कांग्रेस की राजनीति को एक बार फिर गहन चर्चा का विषय बना दिया है, जबकि इससे पहले पार्टी उच्च कमान ने दोनों नेताओं के बीच सुलह कराने के प्रयास किए थे।

ट्रैक्टर पलटने से 2 लोगों की मौत, 2 घायल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बाबासागर गांव के पास मंगलवार को एक मोड़ पर सीमेंट के खंभों से लदा ट्रैक्टर पलट जाने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसे में केरामेरी निवासी चल्ला अशोक और पंडित राव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं भीम राव और रामू घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। बताया गया कि दुर्घटना के समय ट्रैक्टर में बाड़ लगाने के लिए सीमेंट के खंभे लदे हुए थे। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिरपुर (टी) स्थित सरकारी अस्पताल भेज दिया।

यूजी और एकीकृत पीजी पाठ्यक्रमों के लिए शुरू की प्रवेश प्रक्रिया

हैदराबाद, 7 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक (यूजी) और एकीकृत स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अधिसूचना जारी कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी सीयूईटी (यूजी) 2026 के अंकों के आधार पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 7 जुलाई से शुरू हो गई है और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन माध्यम से ही आवेदन करना होगा। विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों में कुल 470 सीटें उपलब्ध कराई हैं। प्रवेश प्रक्रिया में केंद्र एवं राज्य सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) तथा अन्य पात्र श्रेणियों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

प्रवेश के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रमों में चार वर्षीय बीएससी (ऑनर्स/रिसर्च) रसायन विज्ञान, पांच वर्षीय एकीकृत एमएससी कार्यक्रमों में गणितीय विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अनुप्रयुक्त भूविज्ञान और मनोविज्ञान शामिल हैं। इसके अलावा पांच वर्षीय एकीकृत एमए कार्यक्रमों में दर्शनशास्त्र, हिंदी, तेलुगु, उर्दू, भाषा विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र और मानवशास्त्र जैसे विषयों में भी प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर विश्वविद्यालय के आधिकारिक शैक्षणिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.